RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 310
नई दिल्ली, बुधवार, 16 सितंबर, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

आज मैं जैसी भी अभिनेत्री हूं 'बालिका वधू' शो के कारण हूं
विविध-12

चीन ने जुटाए गोला-बारूद-सैनिक, भारत भी तैयार

● रक्षा मंत्री ने बताया- इस बार बिल्कुल अलग हैं हालात लेकिन सेना की वीरता पर विश्वास रख जवानों को भेजें मजबूत संदेश

● बीजिंग को दी कड़ी चेतावनी-शांति चाहता है भारत लेकिन देश की अखंडता व संप्रभुता की रक्षा को प्रतिबद्ध

एलएसी तनाव पर संसद में बोले राजनाथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन के साथ चल रहे विवाद के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि भारत शांतिपूर्ण तरीके से सीमा मुद्दे के हल के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन पड़ोसी देश द्वारा यथास्थिति में एकतरफा ढंग से बदलाव का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य होगा।

उन्होंने कहा कि चीन ने दक्षिणी पैंगॉन्ग लेक में 29-30 अगस्त को दोबारा घुसपैठ की कोशिश की और मौजूदा स्थिति को बदलने का प्रयास किया, लेकिन एक बार फिर हमारे जवानों ने इसे नाकाम कर दिया। वहीं, कांग्रेस सांसदों ने सदन से वॉकआउट किया। पार्टी का आरोप है कि चीन मुद्दे पर उसे बोलने नहीं दिया गया।

रक्षा मंत्री ने बताया कि चीन भारी तादाद में जवानों की तैनाती कर 1993 और 1996 के समझौतों का उल्लंघन कर रहा है। चीन ने समझौतों का सम्मान नहीं किया। उनकी कार्रवाई के कारण एलएसी के आसपास टकराव के हालात बने हैं। इन समझौतों में टकराव से निपटने के लिए प्रकिया भी तय है। मौजूदा स्थिति में चीन ने एलएसी और अंदरूनी इलाकों में भारी तादाद में सेना और गोला-बारूद को जमा किया है। हमने भी जवाबी कदम उठाए हैं। हमारी सेना हर परिस्थिति के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि हम पूर्वी लद्दाख में चुनौती का सामना कर रहे हैं, हम मुद्दे का शांतिपूर्ण ढंग से हल करना चाहते हैं और हमारे सशस्त्र बल देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए डटकर खड़े हैं। रक्षा मंत्री के जवाब के बाद कांग्रेस के सदस्य भी इस मुद्दे पर अपनी बात रखना चाहते थे लेकिन अध्यक्ष ओम बिरला ने नियमों का उल्लेख करते हुए उन्हें अनुमति नहीं दी।

कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी और गौरव गोगोई ने कहा कि उन्हें भी बोलने का अधिकार है। हालांकि आसन से अनुमति नहीं मिलने के बाद कांग्रेस सदस्यों ने विरोध स्वरूप सदन से वाकआउट किया।लोकसभा में पूर्वी लद्दाख की स्थिति पर दिये गये एक बयान में रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि इस सदन को प्रस्ताव पारित करना चाहिए कि यह सदन और सारा देश सशस्त्र बलों के साथ है। उन्होंने कहा, 'मैं इस सदन से यह आग्रह करना चाहता हूँ कि हमें एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए कि हम अपने वीर जवानों के साथ कदम-से-कदम मिलाकर खड़े हैं, जो कि अपनी जान की परवाह किए हुए बगैर देश की चोटियों की ऊंचाइयों पर विषम परिस्थितियों के बावजूद भारत माता की रक्षा कर रहे हैं।'

सिंह ने हाल ही में चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंगहे से मॉस्को में अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए कहा, 'मैंने यह भी स्पष्ट किया कि हम इस मुद्दे को शांतिपूर्ण ढंग से हल करना चाहते हैं और हम चाहते हैं कि चीनी पक्ष हमारे साथ मिलकर काम करे। हमने यह भी स्पष्ट कर दिया कि हम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं इस बात पर बल देना चाहूंगा कि भारत शातिपूर्ण बातचीत और परामर्श से सीमा मुद्दों को सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से मैंने चार सितंबर को चीनी रक्षा मंत्री से बातचीत की।'रक्षा मंत्री ने कहा कि इस वर्ष की स्थिति पहले से बहुत अलग है, फिर भी हम मौजूदा स्थिति के शांतिपूर्ण समाधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ-साथ वह सदन को आश्वस्त करना चाहते हैं कि सरकार (शेष पेज 9)

पीएम की अनुपस्थिति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चीन के साथ गतिरोध पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के वक्तव्य के बाद कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि लोकसभा में उसके नेता सीमा पर तैनात जवानों के सम्मान में अपनी बात रखना चाहते थे, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं होने दिया। पार्टी ने सरकार पर चर्चा से डरने का भी आरोप लगाया और सवाल खड़ा किया कि जब रक्षा मंत्री ने यह वक्तव्य दिया और जवानों के प्रति एकजुटता प्रकट करते हुए प्रस्ताव की बात की तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में मौजूद क्यों नहीं थे? कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट कर दावा किया कि रक्षामंत्री के बयान से साफ़ है कि मोदी जी ने देश को चीनी अतिक्रमण पर गुमराह किया। उन्होंने सवाल किया, 'हमारा देश हमेशा से भारतीय सेना के साथ खड़ा था, है और रहेगा। लेकिन मोदी जी, आप कब चीन के खिलाफ खड़े होंगे? चीन से हमारे देश की ज़मीन कब वापस लेंगे? चीन का नाम लेने से डरो मत।' लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों ने रक्षा मंत्री (शेष पेज 9)

गलत नक्शे पर भारत ने किया एससीओ बैठक का बहिष्कार

नई दिल्ली। पाकिस्तान के एक प्रतिनिधि द्वारा एक 'काल्पनिक' नक्शे में भारतीय भूभाग को पाकिस्तान के हिस्से के तौर पर दिखाए जाने के विरोध में भारत ने मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक से बहिर्गमन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, 'यह मेजबान द्वारा इसके खिलाफ दिये गए परामर्श की घोर उपेक्षा और बैठक के नियमों का उल्लंघन था। मेजबान से विचार-विमर्श के बाद, भारतीय पक्ष ने इस मौके पर विरोधस्वरूप बैठक छोड़ने का फैसला किया।' बैठक की अध्यक्षता रूस कर रहा था। इस मुद्दे पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, 'जैसी की उम्मीद की जा रही थी, पाकिस्तान ने तब इस बैठक को लेकर भ्रामक तस्वीर पेश की।' सरकारी सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान की कार्रवाई एससीओ चार्टर का 'घोर उल्लंघन' था और एससीओ के सदस्य देशों की क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता की सुरक्षा को लेकर सभी स्थापित मानकों के खिलाफ भी।

नोएडा पुलिस कमिश्नरेट में शामिल होगा गाजियाबाद

● यूपी के दो अन्य जिलों वाराणसी-कानपुर में भी लागू होगा पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम ● गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के विस्तार के प्रस्ताव को सीएम ने दिखाई हरी झंडी ● अब दो जिले होंगे शामिल लेकिन पुलिस कमिश्नर नोएडा में ही बैठेंगे, गाजियाबाद में दो जोन बनाकर नियुक्त होंगे डीसीपी

रिंकू यादव। नोएडा

उत्तर प्रदेश सरकार के एक बड़े फैसले के तहत गाजियाबाद को गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में शामिल किया जाएगा। राज्य के अन्य दो जिलों वाराणसी एवं कानपुर में भी जल्द पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू होगा।

लखनऊ से प्राप्त जानकारी के मुताबिक, गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी मंजूरी दे दी है। गृह विभाग ने प्रस्ताव बनाकर तैयार कर लिया है जिस पर कैबिनेट की मुहर लगते ही ये तीनों फैसले उत्तर प्रदेश में लागू हो जाएंगे। योगी सरकार ने करीब छह महीने पहले गौतमबुद्ध नगर और लखनऊ में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू किया था। इस सिस्टम से गौतमबुद्ध नगर और लखनऊ में अपराध को लगाम लगाने में सरकार को काफी हद तक मदद मिली है। साथ ही पुलिस के बर्ताव और कामकाज के तरीके में भी व्यापक बदलाव दर्ज हुआ है।

कमिश्नरेट सिस्टम के अच्छे नतीजों को ध्यान में रखकर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने पिछले दिनों समीक्षा बैठक में लखनऊ और गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम की प्रशंसा की थी। कमिश्नरेट सिस्टम से हाथ लगी सफलता के कारण ही अब यूपी के बाकी जिलों में इसे लागू करने का फैसला लिया गया है। इस कड़ी में गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट का विस्तार किया जा रहा है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा से सटे गाजियाबाद शहर को भी गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट का हिस्सा बनाया जाएगा। इसे लागू होने पर गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में 2 जिले शामिल हो जाएंगे। हालांकि पुलिस कमिश्नर नोएडा में ही बैठेंगे। गाजियाबाद में (शेष पेज 9)

मोदी ने बिहार को दी 540 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात

विस चुनाव पर नजर

● सात परियोजनाओं से बिहार में शहरी बुनियादी ढांचे के विकास की बढ़ेगी रफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्य के लिए 540 करोड़ रुपये की बुनियादी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं का उद्घाटन वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये किया गया। इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद थे।

इस दौरान नमामि गंगे और अमृत योजना के तहत शहरी विकास से जुड़ी सात परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि 'जब शासन पर स्वार्थ नीति हावी हो जाती है, तो वोट बैंक का तंत्र पूरी प्रणाली को दबाने लगता है और इसका सबसे ज्यादा असर समाज के प्रताड़ित, वंचित और शोषित वर्ग पर पड़ता है।'0 इंजीनियर्स डे पर इंजीनियरों को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि बिहार ऐतिहासिक नगरों की धरती है जहां हजारों सालों से नगरों की समृद्ध विरासत रही है।

प्राचीन भारत में गंगा घाटी के इर्दगिर्द आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक रूप से समृद्ध और संपन्न नगरों का विकास हुआ लेकिन गुलामी के लंबे काल खंड ने इस विरासत को बहुत नुकसान पहुंचाया।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'आजादी के बाद के शुरुआती दिनों में बिहार को बड़े और दूरदृष्टा नेताओं का नेतृत्व मिला। उन्होंने गुलामी के दौरान आयी विकृतियों को दूर करने की कोशिश भी की। लेकिन फिर ऐसा दौर आया कि प्राथमिकताएं और प्रतिबद्धताएं पूरी तरह बदल गयीं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका परिणाम यह हुआ कि बिहार के गांव और ज्यादा पिछड़ते गए और समृद्धि के प्रतीक रहे शहर बढ़ती आबादी और बदलते समय के हिसाब से आधुनिक नहीं हो पाये।' उन्होंने कहा कि सड़क, (शेष पेज 9)

सुदर्शन टीवी के बिंदास बोल कार्यक्रम की दो कड़ियों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सुदर्शन टीवी के कार्यक्रम बिन्दास बोल की दो कड़ियों के प्रसारण पर मंगलवार को रोक लगा दी। इन कड़ियों का प्रसारण आज और कल होना था। न्यायालय ने कहा कि पहली नजर में ये मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने वाले प्रतीत होते हैं। शीर्ष अदालत ने इस कार्यक्रम की दो कड़ियों के प्रसारण पर रोक लगाते हुए कहा, इस समय, पहली नजर में ऐसा लगता है कि यह कार्यक्रम मुस्लिम समुदाय को बदनाम करने वाला है।

यह कार्यक्रम प्रशासनिक सेवाओं में मुस्लिम समुदाय के सदस्यों की कथित घुसपैठ के बारे में है। न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति इन्दु मल्होत्रा और न्यायमूर्ति के एम जोसेफ की तीन सदर्स्ईय पीठ ने इस कार्यक्रम के प्रसारण को लेकर व्यक्त की गई शिकायतों पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया और मामले को 17 सितंबर के लिए सूचीबद्ध कर दिया। पीठ ने याचिका पर सुनवाई के दौरान सुझाव दिया कि इलेक्ट्रानिक मीडिया के स्व नियमन में मदद के लिए एक समिति गठित की जा सकती है। पीठ ने कहा, हमारी राय है कि हम पांच प्रबुद्ध नागरिकों की एक समिति गठित कर सकते हैं जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए कतिपय मानक तैयार करेगी। हम राजनीतिक विभाजनकारी प्रकृति की नहीं चाहते और हमें ऐसे सदस्य चाहिए, जिनकी प्रतिष्ठा हो।

याचिकाकर्ता के वकील ने इस कार्यक्रम के प्रसारण पर अंतरिम रोक लगाने सहित कई राहत मांगी थी। इस कार्यक्रम के प्रोमो में दावा किया गया था कि चैनल सरकारी नौकरियों में मुस्लिम समुदाय की घुसपैठ की कथित साजिश का पर्दाफाश करेगा। पीठ ने इस मामले में आगे सुनवाई की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि कल्याणकारी सिद्धांतों की रक्षा करना न्यायालय का कर्तव्य है। पीठ ने केबल टीवी नियमों का हवाला दिया और कहा कि मानहानिकारक, मिथ्या और अर्द्धसत्य दिखाना और व्यंग्यात्मक चीजें नहीं दिखाई जानी चाहिए। पीठ ने कहा कि याचिका लंबित रहने के दौरान चैनल को इस विषय पर किसी दूसरे नाम से भी कार्यक्रम प्रसारित (शेष पेज 9)

देश में कोरोना के मामलों की संख्या 50 लाख के पार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

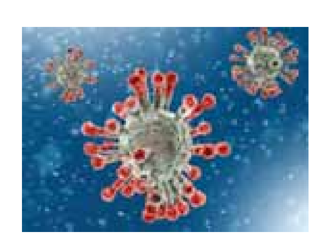

भारत में मंगलवार की रात कोविड-19 संक्रमण के कुल मामले 50 लाख के पार पहुंच गए। 40 लाख की संख्या पार करने के महज 11 दिन बाद भारत में संक्रमितों की कुल संख्या 50 लाख के पार पहुंच गई है। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 83,809 नए मामले सामने आए। वहीं, संक्रमण से मुक्त होने वाले लोगों की संख्या 38,59,399 हो गई है, इसी के साथ राष्ट्रीय स्तर पर स्वस्थ दर 78.28 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा प्रदत्त आंकड़ों के अनुसार देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 49,30,236 हो गई है जबकि पिछले 24 घंटे में इस महामारी से 1,054 और लोगों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 80,776 हो गई है। मंत्रालय के अनुसार, कोविड-19 से मृत्यु दर 1.64 प्रतिशत है। देश में अभी 9,90,061 मरीजों का इलाज चल रहा है। यह कुल मामलों का 20.08 फीसदी है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के मुताबिक अब तक कुल 5.83 करोड़ नमूनों की जांच हुई है जिनमें से 10.73 लाख नमूनों की जांच सोमवार को की गई। देश में कोविड-19 के मामलों ने सात अगस्त को 20 लाख का आंकड़ा पार किया था, जबकि 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख के पार पहुंचे। जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय द्वारा दुनिया भर के देशों के कोविड-9 आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार संक्रमण से ठीक हो चुके मरीजों की संख्या के मामले में भारत पहले पायदान पर है। ब्राजील दूसरे और अमेरिका तीसरे नंबर पर है। जेएचयू के आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 से सर्वाधिक प्रभावित देशों (शेष पेज 9)

कोरोना के चलते 30 प्रतिशत कटेगा सांसदों का वेतन

नई दिल्ली (पीएनएस)। लोकसभा ने सांसदों के वेतन में एक वर्ष के लिए 30 प्रतिशत कटौती करने के प्रावधान वाले एक विधेयक को मंगलवार को मंजूरी दे दी। इस धनराशि का उपयोग कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति से मुकाबले के लिए किया जाएगा। निचले सदन में संक्षिप्त चर्चा के बाद संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन संशोधन विधेयक 2020 को धवनिमत से मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक इससे संबंधित संसद सदस्य वेतन, भत्ता एवं पेशन अध्यादेश 2020 के स्थान पर लाया गया है। इसके माध्यम से संसद सदस्यों के वेतन, भत्ता एवं पेशन अधिनियम 1954 में संशोधन किया गया है। कोरोना वायरस महामारी के (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	39,044	↑ 287	
निफ्टी	11,521	↑ 81	
सोना	53,019	↑ 422	/10g
चांदी	70,743	↑ 1013	/kg

क्विक न्यूज

रेलवे 21 से चलाएगा बीस जोड़ी क्लोन ट्रेनें

नई दिल्ली। रेलवे ने मंगलवार को कहा कि वह 21 सितंबर से 20 जोड़ी क्लोन ट्रेनें चलाएगा। रेलवे ने कहा कि इन ट्रेनों में से 19 जोड़ी ट्रेनों के लिए हमसफर एक्सप्रेस का किराया लिया जाएगा, लखनऊसे दिल्ली के बीच क्लोन ट्रेन के लिए यह जनशताब्दी एक्सप्रेस के किराए के बराबर होगा। इन ट्रेनों की अग्रिम आरक्षण अवधि 10 दिनों की होगी। रेलवे के अनुसार ये ट्रेनें उन मार्ग पर चलेंगी जहां टिकटों की प्रतिक्षा सूची लंबी है या मांग अधिक है। रेलवे ने कहा कि ए ट्रेनें पहले से मौजूद 310 विशेष रेलगाड़ियों के अलावा होंगी और इनका ठहराव मार्ग पर संचालात्मक हाल्ट या मंडल मुख्यालय (यदि कोई है तो) तक सीमित रहेगा।रेलवे ने कहा कि ठहराव को सीमित करते समय राज्य सरकारों के सुझावों को ध्यान में रखा जा सकता है।

कंगना, रवि पर बरसीं जया-जिस थाली में खाया उसी में किया छेद

● वरिष्ठ अभिनेत्री व सपा सांसद ने राज्यसभा में ड्रग कनेक्शन के नाम पर बॉलीवुड को बदनाम करने पर जताया कड़ा ऐतराज, सरकार से मांगा समर्थन ● जया के आक्रामक बचाव से मायूस फिल्म उद्योग को मिली संजीवनी, तमाम फिल्मी हस्तियों ने दिया ताबड़तोड़ समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/मुंबई

वरिष्ठ अभिनेत्री और सपा सांसद जया बच्चन ने मंगलवार को सुशांत सिंह राजपूत आत्महत्या मामले में बॉलीवुड के ड्रग कनेक्शन को तूल देकर पूरी इंडस्ट्री को बदनाम करने वालों को आड़े हाथों लिया।

राज्यसभा में पुरजोर तरीके से अपनी बात रखतीं जया बच्चन ने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन उनके निशाने पर विवादों में घिरीं एक्ट्रेस कंगना रानौत और भाजपा सांसद व भोजपुरी फिल्मों के हीरो रवि किशन ही थे। जया ने कहा कि इसी फिल्म उद्योग में अपनी पहचान बनाने वाले उसे गटर बता रहे हैं- जिस थाली में खाया उसी में छेद किया। इन बातों से वे खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही हैं।

शून्यकाल में तेजतर्रार किंतु सधे अंदाज में यह मुद्दा उठाते हुए जया बच्चन ने सरकार से मांग की कि पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष व पचास लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार देने और संकट की हर घड़ी में देश वासियों की बढ़चढ़कर मदद करने वाले फिल्म उद्योग को सरकार अपना समर्थन दे। कुछ लोगों की वजह से पूरी इंडस्ट्री की छवि को खराब नहीं किया जा सकता।

राज्यसभा में वरिष्ठ अभिनेत्री के डटकर सामने आने से अपने दामन पर लगते दागों से मायूस बॉलीवुड को जैसे संजीवनी मिल गई हो।

तमाम फिल्मी हस्तियां बच्चन के समर्थन में आगे आईं और तनी हुई रीढ़ के लिए उनकी जमकर सराहना की। हालांकि, अपने बयान पर अड़े रविकिशन ने कहा कि उन्हें जया जी से समर्थन की उम्मीद थी लेकिन उन्होंने उनकी ही खाट खड़ी कर दी। दूसरी ओर मनाली में कंगना ने श्वेता व अभिषेक बच्चन के हवाले से जया पर व्यक्तिगत वार किया। इससे पहले, जया बच्चन ने किसी का नाम नहीं लेते हुए कहा कि कल लोकसभा में एक सांसद ने बॉलीवुड के खिलाफ बोला था। यह गलत है। जाहिर तौर पर उनका इशारा भाजपा सांसद रविकिशन की ओर था जिन्होंने कहा था कि फिल्म उद्योग में मादक द्रव्य की समस्या है।

जया ने फटकार जारी रखते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर मनोरंजन उद्योग की आलोचना की जा रही है। वे उन लोगों से जिन्होंने इसी इंडस्ट्री में नाम कमाया और आज इसका (बॉलीवुड) तिरस्कार कर रहे हैं, बिल्कुल सहमत नहीं हैं और इसे लेकर खुद को शर्मिंदा महसूस करती हैं। उन्होंने कहा मुझे बहुत शर्मिंदगी महसूस हुई कल जब लोकसभा के एक सदस्य ने इसके (बॉलीवुड के) खिलाफ कहा जो फिल्म उद्योग से ही हैं। मैं नाम नहीं ले रही हूं। यह शर्मनाक है। जया ने कहा कि देश में किसी भी संकट के दौरान सहायता में कभी पीछे नहीं रहने वाला यह उद्योग सराहना का (शेष पेज 9)

बॉलीवुड के ड्रग कनेक्शन की पुख्ता सूचना नहीं : केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) को अभी तक ऐसी कोई ठोस सूचना नहीं मिली है जिससे फिल्म उद्योग के लोगों और नशे के कारोबारियों के बीच कथित साठगांठ का खुलासा होता हो। राज्यसभा में जया बच्चन के समर्थन की मांग के बाद लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि एनसीबी ने पूरे एक साल अपनी जुटाई सूचनाओं और जांच के साथ अन्य सूत्रों के जरिये सामने आए तथ्यों के आधार पर लगातार (शेष पेज 9)

पहले चरण के परीक्षण में दो घरेलू टीके उत्कृष्ट सुरक्षा वाले पाए गए

● केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने राज्यसभा में बताया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य राज्यमंत्री अश्विनी चौबे ने मंगलवार को जानकारी दी कि आईसीएमआर और कैडिला हेल्थेयर लिमिटेड के साथ मिलकर भारत बॉयोटेक द्वारा किए गए पहले चरण के परीक्षण में खुलासा हुआ है कि स्वदेशी आधार पर विकसित किए गए इसके दो कैण्डिडेट वैक्सीन उत्कृष्ट सुरक्षा सुरक्षा वाले हैं। राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में आईसीएमआर और निजी शोध केंद्रों द्वारा कोरोना के लिए नैदानिक परीक्षणों की स्थिति का ब्यौरा देते हुए चौबे ने कहा कि उनके द्वितीय चरण के नैदानिक परीक्षण चल रहे हैं। चौबे ने यह भी बताया कि रूस द्वारा विकसित रिकॉमबिनान्ट वैक्सीन के सहयोग के संबंध में विचार- विर्मश चल रहा है। हालांकि इस बारे में कोई औपचारिक अध्ययन प्रारंभ नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि सीरम इस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और आईसीएमआर ने दो वैश्विक वैक्सीन केंडिडेट्स के नैदानिक विकास के लिए साझेदारी की है। उन्होंने कहा कि सीएचएडीओएक्स 1- एस जो कि ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित एक नॉन रेप्लिकेटिंग वायरल वेक्टर वैक्सीन है। उन्होंने कहा, यह वैक्सीन ब्राजील में तीसरे चरण के नैदानिक परीक्षण में है। आईसीएमआर ने 14 नैदानिक परीक्षण स्थलों पर चरण दो और तीन के ब्रिजिंग अध्ययनों की शुरूआत की है। चौबे ने बताया कि आईसीएमआर और एसआईआई ने यूएसए से नोवाक्स द्वारा विकसित ग्लाईकोप्रोटीन सबयूनिट नैनोपार्टिकल एड्जुविटेड वैक्सीन के नैदानिक विकास हेतु भी साझेदारी की है।

हरियाणा के विद्यार्थियों का निजी स्कूलों से मोहभंग!

लॉकडाउन में साठ हजार बढ़े सरकारी स्कूलों में विद्यार्थी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

लॉकडाउन के दौरान प्राइवेट स्कूलों द्वारा वसूली जा रही फीस व अन्य फंडों से परेशान होकर प्रदेश के करीब साठ हजार विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों का रूख कर लिया है। सरकारी स्कूलों में करीब साठ हजार नए विद्यार्थी भर्ती हुए हैं। यह विद्यार्थी पिछले सत्र के दौरान प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते थे। शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में करवाए गए सर्वे के बाद यह जानकारी सामने आई है। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पहले पिछले शिक्षा सत्र के दौरान पहली से बारहवीं तक करीब 26 लाख विद्यार्थी थे। 22 मार्च को लॉकडाउन होने के बाद सरकारी तथा निजी क्षेत्र के स्कूलों को बंद कर दिया गया। मई माह से सरकार ने निजी तथा प्राइवेट स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई शुरू करवाई। जिसके बाद निजी स्कूलों द्वारा फीस वसूली को लेकर अभिभावकों पर दबाव डाला गया। हरियाणा के कई जिलों से निजी स्कूल संचालकों द्वारा फीस वसूलने की शिकायतें जब शिक्षा निदेशालय के पास पहुंची तो उन्होंने सभी जिलों में बच्चों को अनरॉल करने के निर्देश जारी किए।

प्रदेश सरकार के निर्देशों पर राज्य के सरकारी स्कूलों ने दाखिले के लिए एसएलसी (स्कूल लीविंग सर्टीफिकेट) की छूट दी तो प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढनी शुरू हो गई। प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों द्वारा शिक्षा निदेशालय को भेजी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में 59 हजार 707 नए विद्यार्थी आए हैं। यह सभी विद्यार्थी पहले प्राइवेट स्कूलों में पढ़ते थे, लेकिन लॉकडाउन के चलते इनके अभिभावक फीस आदि देने में असमर्थ थे। जिस कारण इन्होंने सरकारी स्कूलों का रूख किया।

शिक्षा विभाग के सभी जिलों में करवाए सर्वे के बाद ये जानकारी सामने आई

जिला का नाम	निजी स्कूलों से आए बच्चे
अंबाला	2221
भिवानी	3162
चरखी-दादरी	0847
फरीदाबाद	2932
फतेहाबाद	4089
गुरुग्राम	3072
हिसार	4938
झज्जर	2486
जींद	3455
कैथल	3286
करनाल	3582
कुरूक्षेत्र	2611
महेंद्रगढ़	1356
नूंह	0898
पलवल	1595
पंचकूला	1688
पानीपत	3342
रेवाड़ी	2418
रोहतक	2101
सिरसा	3579
सोनीपत	3595
यमुनानगर	2551

जिन्होंने किया पलायन उन्हें भी वापस बुला रही सरकार

हरियाणा में 22 मार्च को लॉकडाउन शुरू होने के बाद 28 मार्च से प्रवासी मजदूरों ने पलायन शुरू कर दिया था। यह पलायन मई माह के पहले सप्ताह तक जारी रहा। सरकार को मिली रिपोर्ट के अनुसार हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढने वाले करीब एक लाख बच्चे अपने परिजनों के साथ पैतृक राज्यों में पलायन कर गए। अब शिक्षा विभाग ने करीब 14 हजार स्कूल मुखियाओं के माध्यम से पलायन करने वाले बच्चों को वापस बुलाने का अभियान शुरू किया है। सरकार करनाल व सोनीपत में दो स्कूल खोलकर ट्रायल ले चुकी है। सरकार का प्रयास है कि यहां से दूसरे राज्यों में जा चुके करीब एक लाख बच्चों को स्कूल खुलने तक वापस बुला लिया जाए।

गूगल मीट के जरिए कुरुक्षेत्र विवि रख रहा परीक्षार्थियों पर पैनी नजर

कुरुक्षेत्र। केयू ने यूजी और पीजी के टर्मिनल सेमेस्टर, प्राइवेट और डिस्टेंस के 3.47 लाख छात्रों की ऑनलाईन परीक्षा आयोजित कर शिक्षा क्षेत्र में एक मिसाल कायम की है। सोच समझ कर बनाई गई इस योजना के अनुसार मुख्य रूप से छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के साथ समझौता किए बिना और यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय में 10 सितम्बर से सभी परीक्षाएं ब्लेंडेड मोड द्वारा सवफलतापूर्वक आयोजित की जा रही हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कुलपति डा. नीता खन्ना ने बताया कि कुविवि की आनलाईन परीक्षा पद्धति की सफलता को देखते हुए विभिन्न विश्वविद्यालय भी इस तरीके को अपना रहे हैं।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने सर्विलांस और प्रॉक्टरिंग के लिए पूरी परीक्षा में गूगल मीट का इस्तेमाल किया है। लगभग हर छात्र की प्रवेश परीक्षा की अवधि को गूगल मीट पर शिक्षकों द्वारा दर्ज किया जा रहा है। कुछ छात्र जिनका इंटरनेट धीमा था, उन पर व्हाट्सएप वीडियो कॉल द्वारा भी नजर रखी जा रही है। जिन विद्यार्थियों को आनलाईन माध्यम में असुविधा है उनके लिए आफलाईन माध्यम का विकल्प भी दिया गया है। आफलाईन माध्यम में विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका भी विश्वविद्यालय मुहैया करवा रहा है। विश्वविद्यालय की परीक्षा शाखा द्वारा परीक्षार्थियों को सही समय पर प्रश्न पत्र उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। कुलपति ने बताया कि केयू ने परीक्षाओं के सुचारू संचालन के लिए संबद्ध कॉलेजों में लगभग 44 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

बरौदा का चुनावी रण : अधिकांश भूले सोशल डिस्टेंसिंग

चंडीगढ़। एक तरफ जहां हरियाणा सरकार समूचे प्रदेश वासियों को कोरोना कॉल में सोशल डिस्टेंसिंग का पाठ पढ़ा रही है वहीं बरौदा के चुनावी रण में उतरे सभी राजनीतिक दलों के नेता सोशल डिस्टेंसिंग को भूल रहे हैं। जिसके चलते अब तक सत्तारूढ़ भाजपा, विपक्षी दल कांग्रेस व इनेलो द्वारा बरौदा के रण में उतारे गए योद्धा कोरोना संक्रमित हो चुके हैं।

बरौदा में 15 अक्तूबर से पहले-पहले विधानसभा का उपचुनाव होना है। जिसके चलते सभी राजनीतिक दलों द्वारा यहां कोरोना का भूलकर आए दिन जनसभाओं का आयोजन किया जा रहा है। जिसके चलते अब तक सभी राजनीतिक दलों के योद्धा संक्रमित हो चुके हैं। ऐसे में उपचुनाव पर कोरोना का 'साया' मंडरा रहा है। लगातार बढ़ रही कोरोना मरीजों की संख्या की वजह से नेताओं में खौफ है। भाजपा व इनेलो के जिलाध्यक्ष को भी संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। कांग्रेस नेता श्रीकृष्ण हुड्डा के निधन से उपचुनाव के हालात पैदा हुए हैं।

खुद सीएम मनोहर लाल खट्टर बरोदा हलके के गांवों का दौरा कर चुके हैं। वे हलके के कई गांवों के सरपंचों के साथ चंडीगढ़ में बैठक भी कर चुके हैं। इसी दौरान सीएम कोरोना पॉजिटिव हो गए। भाजपा द्वारा कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल को बरोदा हलके का चुनाव प्रभारी बनाया हुआ है और उन्हें भी कोरोना हो गया है। बिजली मंत्री चौधरी रणजीत सिंह को शुरू से ही भाजपा ने हलके में झोंका हुआ था लेकिन वह भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। इसी तरह से हलके में सक्रिय रहे करनाल सांसद संजय भाटिया को भी कोरोना हुआ है। सोनीपत से भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष धर्मबीर सिंह नांदल भी संक्रमित होने की वजह से उपचार करवा रहे हैं। भाजपा की तरफ से मीडिया प्रबंधन संभाल रहे अशोक छाबड़ा भी महामारी की चपेट में आ चुके हैं।

चुनावी सरगर्मियों के साथ कोरोना संक्रमित हो रहे बरौदा के योद्धा

भाजपा, कांग्रेस व इनेलो के कई चुनावी रणनीतिकार हो चुके संक्रमित

पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने सोनीपत विधायक सुरेंद्र पंवार की हलके में ड्यूटी लगाई हुई है। पंवार के दो ड्राइवर पॉजिटिव मिलने के बाद उन्होंने खुद को होम क्वारंटाइन करते हुए बरोदा से दूरी बना ली है। बरौदा में कांग्रेस के चुनाव प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी कोरोना पॉजिटिव होने के कारण उपचाराधीन हैं। कांग्रेस की तरफ से प्रचार में जुटे गोहाना के विधायक जगबीर मलिक भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। वहीं इनेलो प्रधान महासचिव व विधायक अभय सिंह चौटाला बरौदा में प्रचार का एक चरण पूरा कर चुके हैं। इस बीच इनेलो जिलाध्यक्ष सुरेंद्र छिक्कारा भी कोरोना पॉजिटिव आ गए। जिसके चलते अभय सिंह ने कुछ दिन के लिए अपने अभियान को स्थगित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

बकाया वेतन को लेकर निगम कमिश्नर से मिला कर्मचारी संगठन

सोनीपत। हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन संबंधित हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच की पब्लिक हेल्थ ब्रांच का संगठन शिष्टमंडल अपने सभी कच्चे कर्मचारियों के रिकॉर्ड सहित आज नगर निगम कमिश्नर जगदीश शर्मा से मिला। संगठन शिष्टमंडल की अध्यक्षता ब्रांच चैयरमेन विष्णु दत्त भारद्वाज एवं संचालन ब्रांच सचिव विनोद शर्मा ने किया। विष्णु दत्त भारद्वाज ने बताया कि आज नगर निगम कमिश्नर जगदीश शर्मा से यूनियन शिष्टमंडल कर्मचारियों के वेतन बारे में मिला। नगर निगम कमिश्नर जगदीश शर्मा ने मौके पर ज्वाइंट कमिश्नर सुरेन्द्र शर्मा, अधिक्षक अभियंता रमेश शर्मा, सीनियर अकाउंटेंट कृष्ण जैन, राजेंद्र अकाउंटेंट, कनिष्ठ अभियंता राजकुमार दहिया को बुलाकर कर्मचारियों का पिछला वेतन देने का आदेश दिया। विनोद शर्मा ने कहा कि अगर कर्मचारियों को पिछला बकाया वेतन जल्द से जल्द नहीं दिया गया तो कर्मचारियों के भारी रोष को देखते हुए संगठन आंदोलन करने पर बाध्य होगा। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन सोनीपत की होगी। इस अवसर पर सतीश कुमार, सुबे सिंह, सुरेन्द्र शर्मा, विनोद शर्मा, मोहन सिंह, सुंदर चौहान, जितेंद्र, मनोज, प्रदीप बिजेंद्र, रिषीराज, रमेश, नरेश, धर्मेंद्र, याद सिंह, अमरजीत, मौसम, चिरंजीलाल, चमन शर्मा, मुकेश, पवन आदि कर्मचारियों ने भाग लिया।

ऑनलाइन ट्रांसफर के विरोध में बिजलीकर्मियों का प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र। एचएसईबी वर्कर्स यूनियन द्वारा विभाग के कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया गया। हरियाणा सरकार के निर्देश पर अन्य विभागों की तर्ज पर बिजली विभाग में ऑनलाइन ट्रांसफर पालिसी लागू करने के विरोध में किए गए प्रदर्शन में कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बिजलीकर्मियों ने प्रदर्शन के उपरांत कार्यकारी अभियंता के माध्यम से विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टीसी गुप्ता के नाम ज्ञापन भी सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बिजली कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कहा कि वे ऑनलाइन ट्रांसफर पॉलिसी का यूनियन विरोध करती है, क्योंकि बिजली विभाग की परिस्थितियां दूसरे विभागों से एकदम अलग है। दूसरे विभागों की देखादेखी अगर ये पालिसी ज्यों की त्यों विभाग में लागू की जाती है, तो ये विभाग में हादसों व अव्यवस्था को बढ़ाने वाली होगी। इससे कर्मचारियों को परेशानी के साथ जान व माल का नुकसान भी उठाना पड़ सकता है। यूनियन द्वारा ज्ञापन में मांग की गई कि इस पालिसी को लागू करने से पहले इसकी समीक्षा की जाए तथा कर्मचारियों की दिक्कतों और आशंकाओं को दरकिनार कर इस पालिसी को मौजूद स्वरूप में लागू न किया जाए। यूनियन ने अपेक्षा की कि कर्मचारियों की समस्याओं का संज्ञान लेकर मौजूद ट्रांसफर पालिसी से कर्मचारी विरोधी प्रावधानों को निरस्त कर कर्मचारियों की समस्याओं को दूर किया जाएगा। वहीं कर्मचारियों द्वारा किए गए इस धरने प्रदर्शन को लेकर कर्मचारी नेता एवं विभाग के अधिकारी ने अपना पक्ष रखा।

अध्यादेशों के बारे में किसानों को गुमराह कर रहा विपक्ष

कैथल। इनसो के प्रदेश प्रभारी व जजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष प्रो. रणधीर सिंह ने कहा है कि सरकार द्वारा लाए गए किसान अध्यादेश पर विपक्ष राजनीति कर रहा है। रणधीर सिंह मंगलवार को कैथल में इनसो कार्यकर्ताओं से रूबरू हुए थे। प्रो.रणधीर सिंह को बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी मिली है। बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी मिलने के बाद कैथल में पहली बार पहुंचे रणधीर सिंह को मिलने के लिए इनसो कार्यकर्ताओं में जूनून दिखाई दिया। रणधीर सिंह ने कहा कि दुष्यंत चौटाला किसानों के मसीहा साबित हुए हैं। किसानों के लिए सरकार नया अध्यादेश लाई है, परंतु विपक्ष अध्यादेशों के बारे में किसानों को गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि जेजेपी में अजय चौटाला को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेवारी मिलने से पार्टी संगठन का विस्तार होगा। कार्यकर्ताओं का मनोबल को भी मजबूती मिली है। प्रो रणधीर ने कहा कि किसी भी पार्टी की मजबूती उसके कार्यकर्ता होते है। कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ होते हैं। जिसके बलबूते कोई भी पार्टी सत्ता हासिल कर सकती है। इस मौके पर उनके साथ इनसो जिलाध्यक्ष शुभम गुप्ता, इनसो पूर्व जिलाध्यक्ष दर्पण मित्तल, इनसो चेयरमैन कुलदीप शर्मा, कृष्ण राणा आदि उपस्थित रहे।

जिला जेल में बांटी रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने की दवा

कुरुक्षेत्र। कोरोना महामारी से बचाव के लिए जिला जेल में जिला आयुर्वेदिक विभाग द्वारा नि: शुल्क दवा वितरित की गई। यह अभियान जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. सुदेश जाटियान के दिशा-निर्देश पर चलाया गया। अभियान के तहत कोरोना महामारी के बचाव हेतू समस्त बन्दियों व जेल स्टाफ में रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने की आयुर्वेदिक दवाई वितरित की गई। यही नहीं, विभाग की टीम द्वारा सभी की थर्मल स्कैनिंग कर स्वास्थ्य की जांच की गई। इसके अलावा सभी बन्दियों को कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव हेतू आवश्यक सावधानियां बतरने के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान डा. कुमार आनंद, सत्यवीर सिंह व बलराज सिंह, औषधाकारक तथा जेल अधीक्षक डा. संजय सिंह, उप अधीक्षक शिवेन्द्र पाल, डा. संदीप सैनी, जेल चिकित्सा अधिकारी, सहायक अधीक्षक अश्वनी कुमार, उप सहायक अधीक्षक रामकुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

बगैर काम के चंडीगढ़ आने वाले रोडवेज कर्मियों पर होगी कार्रवाई

चंडीगढ़। हरियाणा राज्य परिवहन ने अपने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए हैं कि वह बिना किसी काम के मुख्यालय में नहीं आएंगे। इस संबंध में हरियाणा राज्य परिवहन विभाग के निदेशक ने सभी रोडवेज महाप्रबंधकों को एक पत्र जारी करके कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पिछले लंबे समय से यह शिकायतें मिल रही थी कि रोडवेज के कर्मचारी बगैर किसी काम के भी चंडीगढ़ मुख्यालय आ जाते हैं। पूरा दिन यहां अधिकारियों से मुलाकात करने के बाद अगले दिन अपने-अपने जिलों में पहुंचते हैं। ऐसे में न केवल काम बाधित हो रहा था, बल्कि जिलों में भी अव्यवस्था का आलम था। निदेशक ने अपने पत्र में कहा है कि मुख्यालय में पिछले दिनों 23 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव आ चुके हैं। ऐसे में अगर अगर बाहर से कर्मचारी आते हैं तो कोरोना संक्रमण का भी खतरा है। निदेशक ने प्रदेश के सभी महाप्रबंधकों को निर्देश दिए हैं कि वह किसी भी कर्मचारी को मुख्यालय आने की अनुमति प्रदान न करें। इसके बावजूद जो कर्मचारी मुख्यालय आता है तो उसके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

तीन सांसदों की कमेटी पूरी तरह असंवैधानिक : कुंडू

चंडीगढ़। महम विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ओम प्रकाश धनखड़ द्वारा गठित की गई भाजपा के तीन सांसदों की कमेटी को असंवैधानिक करार दिया है। बलराज कुंडू ने मंगलवार को यहां जारी बयान में कहा कि भाजपा सरकार व संगठन ने मिलकर किसानों व प्रदेश वासियों को गुमराह किया है। इस कमेटी का कोई संवैधानिक महत्व नहीं है। इसकी कोई मान्यता नहीं है।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा 19 को बहालगढ़ में करेंगे थैला वितरण

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

मंडलाध्यक्षों एवं शक्ति केंद्र प्रमुखों को संबोधित करतीं पूर्व मंत्री कविता जैन।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा 19 सितंबर को सोनीपत का दौरा करेंगे। जिसके तहत वे बहालगढ़ में थैलों का वितरण करेंगे। ये जानकारी हरियाणा की पूर्व शहरी स्थानीय निकाय मंत्री कविता जैन ने दी। श्रीमती जैन मंगलवार को अपने आवास पर सोनीपत विधानसभा क्षेत्र के मंडलाध्यक्षों एवं शक्ति केंद्र प्रमुखों की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक के दौरान सेवा सप्ताह के सफल आयोजन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। पूर्व मंत्री कविता जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह (14 सितंबर से 20 सितंबर) का आयोजन किया जा रहा है। साथ ही 14 सितंबर से 2 अक्टूबर तक पखवाड़े का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा सप्ताह के अंतर्गत 19 सितंबर को ही मुरथल में चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही इसी दिन भाजपा के जिला कार्यालय में रक्तदान शिविर भी आयोजित किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे। भाजपा के जिला अध्यक्ष एवं विधायक मोहन लाल बड़ौली ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि सेवा सप्ताह व पखवाड़े को लेकर कार्यकर्ताओं में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी का जन्मोत्सव है, जिसे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तदोपरांत 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई जाएगी, जिसके तहत विभिन्न स्थानों पर सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर उपाध्याय की जयंती मनाई जाएगी। इनकी जयंती के उपलक्ष्य में जरूरतमंद लोगों की सेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके पश्चात् 2 अक्तूबर को गांधी जयंती का आयोजन किया जाएगा, जिसके तहत स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव जैन ने कहा कि इसके पहले 17 सितंबर को सोनीपत नगर में सब्जी मंडी तथा गोहाना रोड और कच्चे क्वार्टर में थैला वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि मोदी को हां-प्लास्टिक को ना कार्यक्रम के तहत यह आयोजन लोगों को जागरूक करने में प्रमुख भूमिका अदा करेंगे।

हत्यारोपी को 10 साल की कैद व जुर्माने की सजा सुनाई

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

हत्या के मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी को 10 साल कैद व जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला जिला कुरुक्षेत्र के जिला एवं सत्र न्यायधीश अजय कुमार शारदा की अदालत में विचाराधीन था। यह जानकारी जिला न्यायवादी राजबीर सिंह ने दी।

उन्होंने बताया कि 15 सितम्बर 2018 को सोनू पुत्र मामु राम वासी अरनैचा थाना पिहोवा ने पुलिस को दिए ब्यान में बताया था कि वह मेहनत मजदूरी का काम करता है और उसका चाचा धनपत सिंह शराब पीने का आदी है। वह अक्सर शराब पीकर लड़ाई झगड़ा करता रहता है। शिकायतकर्ता के अनुसार 12 सितम्बर 2018 को सुबह उसके भाई संदीप व उसके चाचा धनपत पुत्र कुन्दन राम में मामुली कहासुनी हो गई थी। जब उसका भाई संदीप अपने चाचा धनपत के घर गया, तो धनपत ने संदीप के साथ झगड़ा शुरु कर दिया। शोर सुनकर वह भी चाचा के घर चला गया। इसी दौरान धनपत सिंह ने लकड़ी के मोटे डंडे से संदीप के सिर में वार दिया, जिसके बाद उसका भाई जमीन पर गिर गया। उसने बीच-बचाव का काफी प्रयास किया, लेकिन धनपत भतीजे संदीप के सिर में डंडे मारता रहा, जिससे उसका भाई बेहोश हो गया और जब उसे घायल अवस्था में मिशन अस्पताल पिहोवा पहुंचाया गया।

बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतें तुरंत निस्तारित हों : ढेसी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (एचईआरसी) के चेयरमैन दीपेंद्र सिंह ढेसी ने उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच (सीजीआरएफ) के अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वह उपभोक्ताओं की शिकायतों का तुरंत प्रभाव से निवारण करें। बिजली उपभोक्ताओं की बिलिंग, वोल्टेज, मीटरिंग से संबंधित शिकायतें, बिजली आपूर्ति में बाधाएं से संबंधित शिकायतों को हर सर्कल में मौके पर जाकर सुनें।

एचईआरसी चेयरमैन डीएस ढेसी ने उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच (सीजीआरएफ) की समीक्षा बैठक में केसों के बारे में जानकारी ली। इस पर डीएचबीवीएन की सीजीआरएफ के चेयरमैन चौपड़ा ने बताया कि उनके पास 99 शिकायतों का निपटारा होना अभी बाकी है। ज्यादातर शिकायतें बिजली बिलों से संबंधित हैं। वहीं, यूएचीबीवीएन की सीजीआरएफ के चेयरमैन आर.के.शर्मा ने कहा कि उनके यहां 92 केस लंबित चल रहे हैं। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अगस्त माह में डीएचबीवीएन सीजीआरफ के पास 45 शिकायतें आई हैं, जबकि जींद, नारनौल से कोई शिकायत नहीं आई। गुरुग्राम से 12, भिवानी से 11, फरीदाबाद से सात, हिसार से 6, रेवाड़ी से 6 तथा सिरसा से 3 शिकायतें आई हैं।

एचईआरसी चेयरमैन ने सीजीआरएफ चेयरमैनों को दिए निर्देश

यूएचबीवीएन सीजीआरएफ के पास अगस्त माह में मात्र 20 शिकायत आई हैं, जहां कैथल से एक भी शिकायत नहीं आई, अंबाला से 6, पानीपत से 4, रोहतक से 4, करनाल से 2, यमुनानगर से 1, कुरूक्षेत्र से 1, सोनीपत से 1 और झज्जर से मात्र 1 शिकायत आई हैं। एचईआरसी के चेयरमैन ढेसी ने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण त्वरित गति से होना चाहिए, साथ ही उनको सीजीआरएफ के दौरों के बारे में अच्छे से जानकारी दी जाए।

प्रेरणा

पायनियर हरियाणा हमेशा सच के साथ

विकेश भारतीय
लेखक एवं मोटिवेशनल स्पीकर

अंधेरे की कालिमा उजालों से ज्यादा सिखाती है,
जो मुश्किलों में भी हिम्मत नहीं हारते, जिंदगी उन पे मुस्कराली है,
हल्की सी खरोंचों से डरने वालों को कभी कुछ नहीं मिलता,
जो काट कर देते हैं अंगूठा जिंदगी उन्हें तीरंदाज बनाती है।

फसल अवशेष जलाने से नष्ट होते हैं पोषक तत्व

पायनियर समाचार सेवा। इन्द्री

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा उपमंडल के गांव ननदी खालसा, भौजी खालसा, गढ़ी बीरबल, चौगांवा, खानपुर, कलरी जागीर, मुखाला, मुखाली सहित दो दर्जन गांवों में किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के प्रति जागरूक करने के लिए शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में काफी संख्या में किसान भी मौजूद रहे।

यह जानकारी देते हुए सहायक तकनीकी प्रबंधक विशेष कुमार ने बताया कि हमें फसल कटाई उपरान्त फसल अवशेषों को जलाना नहीं चाहिए अपितु इन्हें कृषि यंत्रों की सहायता से भूमि में ही मिलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे भूमि की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेंगी व पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा और प्रदूषण से होने वाली बिमारियों से बचाव भी होगा। उन्होंने कहा कि फसल अवशेष जलाने से जमीन में पोषक तत्व (नाईट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश आदि) नष्ट होते है व भूमि में मौजूद सूक्ष्म लाभकारी जीव व मित्र कीटों का नुकसान होता है।

उन्होंने किसानों का आह्वान किया है कि किसान इन कृषि यन्त्रों का उपयोग कर फसल अवशेषों का बेहतर प्रबन्धन कर सकते हैं। फसल अवशेष का प्रबन्धन कर न केवल चारे की कमी को पूरा किया जा सकता है बल्कि इससे भूमि की ऊपजाऊ शक्ति भी बढ़ेगी व पर्यावरण प्रदूषित होने से भी बचाया जा सकेगा।

सहायक तकनीकी प्रबंधक विशेष कुमार ने बताया कि फसल अवशेषों के प्रबन्धन के लिए कृषि विभाग की कृषि अभियांत्रिक शाखा द्वारा समय-2 पर किसानों के लिए कृषि यन्त्रों (हैप्पी सीडर, मल्चर, पैडी स्ट्रा चोपर, रिवर्सिबल प्लो आदि) पर अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों का प्रयोग करके किसान अपने खेत से अधिक पैदावार ले सकता है। फसलों में आने वाले खर्च की मात्रा भी कम होती है। किसान कृषि यन्त्रों पर इन अनुदान योजनाओं का लाभ उठाये।

वी की ओर से पेश किए गए आधुनिक, फ्यूचर रैडी नेटवर्क

पायनियर समाचार सेवा। हिसार/गुरुग्राम

भारत के दो सबसे पसंदीदा टेलीकॉम ब्राण्ड्स वोडाफोन और आइडिया के एकीकरण से उत्पन्न नए ब्राण्ड वी ने आज भारत के सबसे सशक्त नेटवर्क गीगानेट के लॉन्च का ऐलान किया है। जिसके माध्यम से उपभोक्ता रियल टाईम में एक दूसरे के साथ कनेक्टेड बने रह सकेंगे। भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने 5 जी आर्कीटेक्चर के सिद्धान्तों पर निर्मित सबसे बड़े स्पैक्ट्रम पोर्टफोलियो, विशाल क्षमता से युक्त विश्वस्तरीय नेटवर्क की स्थापना की है, जो उपभोक्ताओं को नेटवर्क का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करेगा।

गीगानेट सबसे बड़े नेटवर्क एकीकरण का परिणाम है, जिसे रिकॉर्ड अवधि में पूरा किया गया है, यह दुनिया में अपनी तरह की पहली स्पैक्ट्रम रीफ्रेमिंग प्रक्रिया है। भारत की सबसे बड़ी एआई पावर्ड एमए-एमआईएमओएस साईट्स के साथ गीगानेट भारत का सबसे बड़ा यूनिवर्सल क्लाउड है, जो सबसे सशक्त, भविष्य के लिए तैयार, आधुनिक और डायनामिक नेटवर्क पेश करता है और कोविड के बाद की दुनिया में विशाल डेटा ट्रैफिक की ज़रूरतों को पूराकरने के लिए तैयार है। गीगानेट के लॉन्च की घोषणा करते हुए विशांत वोरा, चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर, वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने कहा, "दूरसंचार नेटवर्क की भूमिका अब सिर्फकॉलिंग या इंटरनेट सर्फिंग तक ही सीमित नहीं है।

वी ने देश भर में लॉन्च किया नया गीगानेट नेटवर्क अभियान

अकिया एस्थेस्टिक्स की पहली वर्षगांठ पर चिकित्सा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

विश्व स्तर के उत्पादों और उपकरणों की मदद से त्वचा को पुनर्जीवित करने और उनमें नई ताजगी लाने के उद्देश्य से स्थापित अकिया एस्थेस्टिक्स की पहली वर्षगाठ के मौके पर मरीजों को स्किनकेयर की अनेक चिकित्सा सुविधाओं में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान करने की घोषणा की है। यह छूट गाजियाबाद एवं आस-पास के लोगों को पूरे सितम्बर के दौरान प्रदान की जाएगी।

स्किनकेयर की तमाम आधुनिक सुविधाओं तथा विश्वस्तरीय तकनीकों एवं उपकरणों से सुसज्जित अकीया क्लिकिन अकिया एस्थेटिक्स की पहली वर्षगाठ के मौके पर अल्मा मेडिकल प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष श्री मधुसुदन एच के ने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनके सोपरानो आईस प्लैटिनम लेजर रिमुवल डिवाइस और हार्मोनी एक्सएल प्रो प्लेटफार्म् ङ्क अल्मा ने अकिया एस्थेटिक्स के साथ सहयोग किया है और इसके कारण गाजियाबाद के लोगों को बेहतर सेवाएं प्रदान की जा सकेगी।

इस क्लीनिक का संचालन डा. रूपिका सिंह की निगरानी में किया जा रहा है। जो अमेरिकन एकेडमी आफ एस्थेटिक मेडिसीन की फेलो हैं। डा. रूपिका सिंह ने पुणे स्थित भारतीय विद्यापीठ यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस किया है और मणिपाल यूनिवर्सिटी से एमडी। लेजर विज्ञान और लेजर चिकित्सा में विशेष दिलचस्पी होने के कारण उन्होंने बैंकाक के रामाथिबोडी हॉस्पीटल से डमेटोलॉजिक लेजर सर्जरी में फेलोशिप की है।

सुविधाओं में पाएं 50 प्रतिशत की छूट

पांच हजार खरीदारों को मिलेंगे फ्लैट

बिल्डरों से बनी सहमति, ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के बकाया 100 करोड़ रुपए मिलेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के दायरे में बिल्डरों से बरसों पहले फ्लैट खरीदकर इंतजार कर रहे पांच परिवारों के लिए अच्छी खबर है। इन को जल्दी ही उनके घर मिल जाएंगे। दूसरी ओर ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण को करीब सौ करोड़ रुपए मिलेंगे। यह धनराशि शहर के बिल्डरों पर बकाया है।

इस मुद्दे को लेकर बिल्डरों और विकास प्राधिकरण के बीच सहमति बन गई है। जल्दी ही बिल्डर्स डिपार्टमेंट की ओर से प्रस्ताव मुख्य कार्यपालक अधिकारी को भेजा जाएगा। जिस पर नरेंद्र भूषण को फैसला लेना है। खरीदारों को फ्लैट पर कब्जा दिलाने के लिए ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में बिल्डरों के साथ बैठक हुई। बैठक में शामिल बिल्डरों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत उनसे साढ़ आठ प्रतिशत की दर से पैसा लेकर कंप्लीशन सर्टिफिकेट कार्यपूर्ति प्रमाण पत्र जारी कर दें। जब इस पर फैसला आएगा, फिर उसके मुताबिक भुगतान कर देंगे। बिल्डरों ने बताया कि उनका काम पूरा है। अगर प्रमाण पत्र मिल जाएगा तो वे खरीदारों को कब्जा देना शुरू कर देंगे। प्राधिकरण ने इस पर जल्द निर्णय लेने का भरोसा दिया है। अगर प्राधिकरण इस पर तैयार हो जाता है तो करीब पांच हजार खरीदारों को राहत मिलेगी।

ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में बिल्डरों की बैठक अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी केके गुप्त की अध्यक्षता में हुई। बैठक में देविका गोल्ड होम्स, सुपरटेक, श्रीराधे कृष्ण बिल्ड होम्स, अजय इंटरप्राइजेज समेत आठ बिल्डर शामिल हुए। बिल्डरों ने कहा कि उनके फ्लैट बनकर तैयार हो गए हैं। अगर कंप्लीशन सर्टिफिकेट मिल जाए तो वे खरीदारों को कब्जा देना शुरू कर देंगे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक वे उनसे 8.50 प्रतिशत की साधारण ब्याज दर से पैसा जमा करा लें। जब अदालत को फैसला आएगा तो उसके अनुसार पैसा जमा करना होगा तो जमा कर देंगे। बिल्डरों ने इसके अलावा कई और मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक में अफसरों ने कहा कि वह इस प्रस्ताव को लेकर मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पास जाएंगे। अगर सहमति बनती है तो उसे अवगत कराया जाएगा। अगर प्राधिकरण इस पर सहमत हो जाता है तो खरीदारों को राहत मिलेगी। सर्टिफिकेट मिलते ही खरीदारों को कब्जा देना शुरू कर दिया जाएगा। इन बिल्डरों पर करीब सौ करोड़ बकाया हैं। फैसला लेने से प्राधिकरण को बकाया भी मिल जाएगा।

सीरो सर्वे : अगस्त में कोरोना से उबरे 30 फीसद लोगों में नहीं मिली एंटीबॉडी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अगस्त के पहले सप्ताह में किए गए सीरो सर्वे में कोविड-19 से उबरे 257 लोगों में से 79 के शरीर में कोरोना वायरस के खिलाफ कोई एंटीबॉडी नहीं पाई गई। दिल्ली के 11 जिलों में एक अगस्त से सात अगस्त के बीच लगभग 15 हजार प्रतिरूपात्मक नमूने लिए गए और वायरस के खिलाफ इनमें एंटीबॉडी की मौजूदगी की जांच की गई।

इसमें 257 ऐसे लोगों के खून के नमूने भी लिए गए जिन्हें कोविड-19 की बीमारी हुई थी और जो बाद में ठीक हो गए। अगस्त के सीरोलॉजिकल सर्वे की रिपोर्ट से पता चला कि इन लोगों में से 79 के शरीर में वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी नहीं थी। यह कवायद दिल्ली में कोविड-19 की स्थिति के समग्र आकलन और इसके आधार पर रणनीति बनाने के उद्देश्य से की गई। इस कवायद में विभिन्न क्षेत्रों, आयु समूह, लिंग और विभिन्न आर्थिक श्रेणियों के लोगों के नमूने लिए गए।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने पिछले महीने के अंत में इसके परिणामों की घोषणा करते हुए कहा था कि अगस्त में हुए सीरो सर्वे में राष्ट्रीय राजधानी में 29.1 प्रतिशत लोगों में कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी पाई गई। पुरुषों में इसका प्रतिशत 28.3 और महिलाओं में प्रतिशत 32.2 रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि कोविड-19 से उबरे जिन लोगों में कोरोना वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी नहीं मिली, हो सकता है कि वे कई महीने पहले कोरोना वायरस संक्रमण के शुरुआती चरण में इस महामारी की जद में आए हों लेकिन अधिकतर मामलों में स्मृति कोशिकाएं वायरस को याद रखेंगी और यदि कोविड-19 से उबरे किसी व्यक्ति पर वायरस फिर से हमला करता है तो ये रोग प्रतिरोध के रूप में जवाब देंगी।

एंटीबॉडी के जीवनकाल के बारे में जैन ने 20 अगस्त को कहा था कि विशेषज्ञों के अनुसार एंटीबॉडी का जीवन चक्र पांच से आठ महीने तक का होता है, लेकिन शरीर संक्रमण के जवाब में टी कोशिकाएं भी उत्पन्न करता है।

प्रदूषण से निपटने में जुटी दिल्ली सरकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- गोपाल राय ने अधिकारियों को 21 सितंबर तक विस्तृत एक्शन प्लान देने का दिया निर्देश

सर्दियों के मौसम में दिल्ली गैस चैंबर में तब्दील हो जाती है। सरकार की तमाम कोशिशों व एहतियात बरतने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हो पाता।

इसके मद्देनजर दिल्ली सरकार अभी से एक्शन प्लान बनाने में जुट गई है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली को प्रदूषण से बचाने के लिए मंगलवार को संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

इस बैठक में राय ने अधिकारियों को 21 सितंबर तक विस्तृत एक्शन प्लान बनाकर पेश करने का निर्देश दिया। बैठक में पौधारोपण अभियान और पड़ोसी राज्यों द्वारा सर्दियों मे पराली जलाए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा हुई। जानकारी के अनुसार, सर्दियों में दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता को स्टब बर्निंग, रोड डस्ट, निर्माण गतिविधियों, अपशिष्ट जलने, औद्योगिक और वाहनों के निकलने वाले विषैले धुएं के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। गोपाल राय ने

अधिकारियों से कहा कि हर समस्या के लिए एक विशेष योजना होनी चाहिए। दरअसल, सर्दियों में पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने से प्रदूषण काफी बढ़ जाता है।

वहीं एक अनुमान के मुताबिक पिछले वर्ष पंजाब में बीस मिलियन टन पराली जमा हो गई थी जिसमें 9.8 मिलियन टन पराली जलाई गई थी। हरियाणा में सात मिलिटन टन पराली जमा हुई थी।

हरियाणा के डॉक्टर की दिल्ली में कोरोना से मौत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में हरियाणा के हिसार के रहने वाले डॉ. विकास सोलंकी की कोरोना की वजह से मंगलवार सुबह मौत हो गई। वह झज्जर एम्स में कार्यरत थे जहां वह संक्रमित हो गए थे।

पिछले महीने कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद उनका इलाज झज्जर में ही चल रहा था। गत शनिवार को डॉ. सोलंकी को दिल्ली एम्स स्थित ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डॉ. विकास सोलंकी की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें एम्स में वेंटिलेटर पर रखा गया था। लगातार हालात बिगड़ने से उनकी मौत हो गई।

नहीं आए फेसबुक अधिकारी, अंतिम नोटिस जारी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- विस की शांति व सद्भाव समिति किया था तलब

विधानसभा की शांति व सद्भाव समिति के सामने नहीं पेश हुए फेसबुक के उपाध्यक्ष। इस पर समिति ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उसे अंतिम नोटिस जारी किया है।

इस बीच विधानसभा द्वारा भेजे गए नोटिस के जवाब में फेसबुक ने आपत्ति दर्ज की है। फेसबुक के ट्रॅस्ट एंड सेफ्टी डायरेक्टर, विक्रम लांगा ने समिति को लिखे पत्र में कहा है कि ये पूरा मामला कानून व्यवस्था का है और केंद्र सरकार के अधीन आता है।

विधानसभा की शांति एवं सौहार्द समिति के अध्यक्ष राघव चड्ढा ने सुनवाई के दौरान कहा कि फेसबुक के किसी प्रतिनिधि का समिति के सामने पेश नहीं होना न केवल विधानसभा की अवमानना है बल्कि दिल्ली के दो करोड़ लोगों का अपमान भी है। समिति ने पिछले सप्ताह फेसबुक-भारत के उपाध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक अजित मोहन को नोटिस भेजकर देश में कथित रूप से घृणास्पद सामग्री पर रोक लगाने के लिए जानबूझकर कोई कार्रवाई नहीं करने की शिकायतों के संबंध में पेश होने के लिए कहा था। चड्ढा ने कहा फेसबुक के वकील ने समिति के नोटिस के जवाब में कहा है कि मामला संसद के समक्ष विचाराधीन है। इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा समिति के समक्ष पेश होने में फेसबुक की नाकामी दर्शाती है कि वह दिल्ली दंगों में अपनी भूमिका छिपाना चाहती है। समिति के सदस्यों के साथ बातचीत के बाद फेसबुक को अंतिम नोटिस जारी करने का फैसला किया। विधानसभा समिति ने एक खबर के बाद यह कार्यवाही शुरू की थी।

राजधानी में कोविड-19 के 4263 नए मामले

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के 4,263 नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर मंगलवार को 2.25 लाख हो गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में बताया गया कि 36 और लोगों की मौत हो गई जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 4,806 हो गई। शहर में इलाज करा रहे लोगों की संख्या बढ़कर 29,787 हो गई।

इससे एक दिन पहले यह संख्या 28,641 थी। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को 62,000 से ज्यादा नमूने की जांच हुई। शहर में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 2,25,796 हो गई, रोज मामलों में तेजी देखी जा रही है।

ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षा में तेजी लाए डीयू : अदालत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय और उसके परीक्षकों से कहा कि वे ऑनलाइन ओपन बुक एक्जामिनेशन के मूल्यांकन की प्रक्रिया में तेजी लाएं और परिणाम प्राथमिकता के साथ अक्टूबर के पहले सप्ताह में घोषित कर दें।

अदालत ने विश्वविद्यालय को निर्देश दिया कि वह अपने सभी संबद्ध कॉलेजों के प्राचार्यों को पत्र जारी करके मूल्यांकन प्रक्रिया और परिणाम घोषित करने में तेजी लाने की जरूरत को रेखांकित करे।

अदालत ने साथ ही विश्वविद्यालय को यह भी निर्देश दिया कि वह एक परिपत्र जारी करे कि उन स्नातकोत्तर और स्नातक छात्रों द्वारा कम्फर्ट लेटर के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 18 सितंबर है जो विदेशी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक हैं। इसने कहा कि उन स्नातकोत्तर छात्रों के परिणाम 28 सितंबर या उससे पहले घोषित किए जाएं जो उच्च अध्ययन के लिए विदेश यात्रा करना चाहते हैं। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने कहा कि उन स्नातकोत्तर छात्रों के परिणाम उसी दिन डीयू के पोर्टल पर विश्वविद्यालय के लेटरहेड पर संबंधित प्राधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर के साथ अपलोड किए जाएं। अंतिम वर्ष के छात्रों के बारे में, जो विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश लेने के इच्छुक हैं,अदालत को अधिकारियों द्वारा आश्वासन दिया कि अंतरिम परिणाम के साथ तैयार पत्र को कटआफ तिथि से पहले विदेशी विश्वविद्यालय को सीधे भेज दिया जाएगा।

तीन सौ साल पुराना बरगद का पेड़ व तालाब मिला

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- नगर निगम पिकनिक स्पॉट के रूप में करेगा विकसित

कवि नगर थाना क्षेत्र स्थित गांव बम्हेटा में मंदिर के समीप तीन सौ वर्ष पुराना बरगद का पेड़ व पोखर मिला है। अब इस इलाके का सौंदर्यकरण कर नगर निगम इसे शहर के पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करेगा। इसे विकसित करने में नगर निगम पूरा खर्चा वहन करेगा।

मेयर आशा शर्मा और नगर आयुक्त महेन्द्र सिंह तंवर ने मौके पर पहुंचकर इसका निरीक्षण किया। निरीक्षण में तालाब की बहुत ही खराब स्थिति पाई गई जिसको देखकर महापौर एवं नगर आयुक्त ने

निरीक्षण करते मेयर व नगर आयुक्त

तत्काल तालाब की सफाई के आदेश दिए । उन्होंने अधिकारियों को इसके सौंदर्यकरण की तैयारी करने और इसके पानी की निकासी के बंदोबस्त करने को कहा ताकि बरसात के मौसम में गांव के अंदर जल भराव की स्थिति ना हो सके और तालाब सुंदर और स्वच्छ रह सके।

इसी दौरान मेयर व नगर आयुक्त ने 300 वर्ष पुराने बरगद के पेड़ के आसपास के सौंदर्यकरण का भी निर्णय लिया क्योंकि यह बहुत पुराना वृक्ष है और गांव की एक पहचान है इसलिए इस वृक्ष एव मंदिर परिसर के आस पास सुंदर किया जाएगा और आने वाले समय में इसे चैपाल की तरह पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

शुरू हुआ तहसील दिवस, डीएम ने सुनी जनसमस्याएं

नोएडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर मंगलवार को करीब छह महीने बाद तहसील दिवस का आयोजन किया गया है। गौतमबुद्ध नगर की तीनों तहसीलों में मंगलवार को तहसील दिवस लगा। जिलाधिकारी पहली बार तहसील दिवस में शामिल हुए हैं। सुहास एलवाई ने दादरी तहसील परिसर में जन समस्याएं सुनी हैं। दूसरी ओर सदर तहसील डाढा और जेवर में भी अपर जिलाधिकारी व उप जिलाधिकारी ने लोगों की फरियाद सुनी हैं। सुहास एलवाई दादरी तहसील पहुंचे। उनके साथ दादरी के उपजिलाधिकारी और तमाम दूसरे विभागों के मुखिया मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी समस्याएं बताई हैं। कुछ परेशानियों का समाधान हाथों-हाथ किया गया है।

मास्क व सैनिटाइजर बैंक की स्थापना

गाजियाबाद। मुरादनगर में दिल्ली-मेरठ रोड पर बस स्टैंड स्थित अम्बेडकर पार्क पर मास्क बैंक व सैनिटाइजर बैंक की स्थापना की गई है। इस अनोखे बैंक की स्थापना नेहरू युवा केन्द्र से सम्बद्ध महिला उन्नति प्रशिक्षण संस्थान मुरादनगर द्वारा की गई है। आजकल देश में सम्पूर्ण अनलॉक प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। ऐसी स्थिति में जन सामान्य को और अधिक सावधानी रखने की आवश्यकता है। अब सिर्फ मास्क, सैनिटाइजर और सोशल डिस्टेंस ही एक मात्र बचाव है। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए इस सैनिटाइजर और मास्क बैंक की स्थापना की गयी है। संस्था की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश ने बताया कि मास्क बैंक में समाजसेवियों द्वारा मास्क दान स्वरूप रखे जाया करेंगे और गरीब अथवा भूलवश मास्क न लाने वाले लोगों को मास्क उपलब्ध रहेंगे। मास्क बैंक को दिल्ली मेरठ मार्ग पर स्थित अम्बेडकर पार्क में स्थापित किया गया है।

राजनगर एक्सटेंशन में गंगाजल सप्लाई की मांग

गाजियाबाद। फेडरेशन ऑफ राजनगर एक्सटेंशन एओए की ओर से नगर निगम पर प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन भी नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर को सौंपा गया। ज्ञापन में संगठन की ओर से बताया गया कि राज नगर एक्सटेंशन में करीब 1 लाख लोग अलग-अलग हाउसिंग सोसायटी में रह रहे हैं। इनमें से लगभग सभी लोग नगर निगम को हाउस टैक्स दे रहे हैं। मगर इसके बावजूद भी इस एरिया में सुविधा नाम की चीज नहीं है। सफाई भी कभी-कभी होती है। अभी तक

राजनगर एक्सटेंशन के पदाधिकारी निगम मुख्यालय पर ज्ञापन देते हुए।

सभी ग्रुप हाउसिंग में अंडर ग्राउंड वाटर का यूज किया जाता है, मगर वह तेजी के साथ नीचे जा रहा है। जिसके कारण आने वाले समय में पीने के पानी की किल्लत पैदा हो सकती है।

गाजियाबाद पहुंचे एडीजी, दिए खामियां दूर करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मेरठ जोन के एडीजी राजीव सब्बरवाल अचानक गाजियाबाद पहुंचे और पुलिस लाइन और एसएसपी कार्यालय के अलावा कई और इकाईयों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने कुछ थानों की पुलिसिंग एवं दस्तावेजों के रख-रखाव और अभिलेखिकरण की प्रक्रिया में पाई गईं कुछ खामियों को दूर करने के निर्देश एसएसपी कलानिधि को दिए। सब्बरवाल ने बताया कि उन्होंने पुलिस लाइन और एसएसपी कार्यालय का वार्षिक निरीक्षण किया। उन्हें जो थोड़ी बहुत कमी दिखाई भी दीं, उन्हें दुरूस्त करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

मौके पर एसएसपी कलानिधि नैथानी, एसपी सिटी अभिषेक वर्मा, एसपी देहात नीरज कुमार जादौन, एसपी क्राइम ज्ञानेंद्र सिंह, एसपी ट्रेफिक रामानन्द कुशवाहा, एएसपी केशव कुमार, पीआरओ सोमवीर सिंह व वरूण चाहर के अलावा कई और अधिकारी मौजूद रहे।

दस्तावेजों के रख-रखाव की जानकारी लेते एडीजी राजीव सब्बरवाल व अन्य।

ईस्टर्न पेरीफेरल पर हादसों में ट्रक चालक की मौत, 4 घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

दादरी कोतवाली क्षेत्र के पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर दो अलग-अलग स्थानों पर खड़े ट्रकों में पीछे से टक्कर मारने पर एक ट्रक चालक की मौत हो गई है, जबकि एक ट्रक चालक समेत तीन लोग घायल हो गए।

हरियाणा के जनपद जींद के गांव जीवनपुर निवासी प्रीतम सिंह ट्रक में जींद से सामान लेकर इलाहाबाद जा रहा था। पेरीफेरल एक्सप्रेस वे पर पहुंचा तो ट्रक चलाते हुए नींद की झपकी लगने पर गांव बील अकबरपुर टोल कुछ दूरी पर सड़क के किनारे खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। जिसमें चालक प्रीतम सिंह , सुमित कुमार और दीनदयाल घायल हो गए। वहीं दूसरी घटना राजस्थान के झील भदौलिया निवासी शमशेद पुत्र चांव खां दिल्ली की तरफसे ट्रक को चलाकर ला रहा था।

जब वह पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर समाधिपुर के पास पहुंचा तो रात के समय नींद की झपकी आने पर सडक के किनारे खडे ट्रक में टक्कर मार दी। जिससे चालक शमशेद गम्भीर रूप से घायल हो गया। चालक शमशेद को अस्पताल लाया गया। जंहा पर उसकी मौत हो गई।

इंजीनियर्स डे : देसी तकनीक पर दौड़ रही दिल्ली मेट्रो

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- मेक इन इंडिया के तहत स्वदेशी सिग्नलिंग प्रौद्योगिकी की पहल : मंगू सिंह

दिल्ली मेट्रो की तकनीक भले विदेशी हो लेकिन आज की तारीख में मेट्रो ट्रेनों के संचालन में देशी तकनीक का ही इस्तेमाल किया जा रहा है। इंजीनियर्स-डे के मौके पर डीएमआरसी ने मंगलवार से ट्रेनों के संचालन के लिए स्वदेश निर्मित सीबीटीसी (कंप्यूटर आधारित ट्रेन कंट्रोल) आधारित सिग्नलिंग प्रौद्योगिकी की शुरूआत की है। यह सिस्टम ट्रेन चलाने के अहम कार्य सिग्नल प्रणाली का हिस्सा है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. मंगू सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की पहल के लिए मेट्रो का यह सार्थक प्रयास है।

डॉ. मंगू सिंह ने कहा कि जिस तरह से देश में मेट्रो के विकास के लिए स्वदेशीकरण को बढ़ावा दिया है। उन्हें पूरा विश्वास है कि इस स्वदेशी तकनीक देश के बाहर भी लोकप्रिय होगी। विदेशों से भी इस सिस्टम को खरीदने की मांग आएगी।

मेट्रो रेल सिस्टम के ऑपरेशन के लिए देशी तकनीक के विकास की दिशा में उठाया गया यह बड़ा कदम है। वह आश्वस्त है कि सब साथ मिलकर काम कर सकेंगे और स्वदेशी मेट्रो रेल के निर्माण और परिचालन के क्षेत्र में नई ऊचाईयों छुएंगे। ऑटोमेटिक ट्रेन सुपरविजन

(एटीएस) एक कंप्यूटर आधारित प्रणाली है जो ट्रेन ऑपरेशंस को मैनेज करती है। यह सिस्टम मेट्रो जैसे छोटे अंतराल वाले परिचालनों के लिए अति आवश्यक है जहां हर एक मिनट के बाद सेवाएं दी जाती हैं।

आई-एटीएस स्वदेशी विकसित प्रौद्योगिकी है। जिससे भारतीय मेट्रो की उन विदेशी वेंडरों पर निर्भरता काफी कम होगी जो ऐसी प्रौद्योगिकियों पर काम कर रहे हैं। सीबीटीसी जैसी प्रौद्योगिकी प्रणालियां मुख्य रूप से यूरोपीय देशों और जापान द्वारा नियंत्रित की जाती हैं। केंद्र सरकार के मेक इन इंडिया पहल के हिस्से के रूप में शहरी कार्य मंत्रालय ने सीबीटीसी प्रौद्योगिकी को स्वदेशी बनाने का निर्णय लिया है।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर बुजुर्ग महिला को पीटा

गाजियाबाद। थाना कवि नगर इलाके के रजापुर गांव में छेड़छाड़ का विरोध करना एक वृद्धा को भारी पड़ गया। विरोध से गुस्साए पड़ोसी ने वृद्ध महिला के सिर पर कुर्सी दे मारी। कुर्सी लगते ही महिला वृद्धा बेहोश हो गई पूरा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया। पुलिस ने सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

महिला के पति अशोक कुमार ने बताया कि उनके पड़ोस में सुनील चौधरी रहता है जोकि अक्सर आती-जाती महिलाओं पर फब्तियां कसता है। शनिवार को शाम के वक्त जब उसकी पत्नी मुकेश देवी वहां से निकल रही थी तो आरोपी सुनील ने महिला पर फब्तियां कसते हुए उससे छेड़छाड़ का प्रयास किया। जिसका विरोध किया तो उसकी पिटाई कर दी।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादकः चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादकः उषा श्रीवास्तव।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

प्रॉपर्टी टैक्स की अदायगी नहीं करने पर सीवरेज-पानी कनेक्शन भी होंगे कट

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स में ब्याज माफी और छूट का लाभ दिया जा रहा है। बावजूद इसके जो प्रॉपर्टी मालिक अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं करवा रहे हैं, अब उनके सीवरेज और पानी के कनेक्शन काटने की तैयारी नगर निगम गुरुग्राम कर रहा है। हरियाणा सरकार की अधिसूचना के तहत जो प्रॉपर्टी मालिक अपना संपूर्ण बकाया प्रॉपर्टी टैक्स 31 अक्टूबर तक जमा करवाएंगे, उन्हें वर्ष 2010-11 से लेकर वर्ष 2016-17 तक के प्रॉपर्टी टैक्स पर 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। प्रॉपर्टी टैक्स में लगने वाले ब्याज में भी सरकार द्वारा एकमुश्त छूट दी गई है। जिन संपत्ति मालिकों ने विगत तीन वर्षों में अपना प्रॉपर्टी टैक्स 31 जुलाई तक जमा करवाया है, उन्हें नियमित 10 प्रतिशत छूट के साथ अतिरिक्त 10 प्रतिशत छूट भी दी जाएगी। ऑटो डेबिट तरीके से भुगतान करने वालों को 5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट का लाभ मिलेगा। नगर निगम गुरुग्राम की सीमा में गांवों के लाल डोरा क्षेत्र में स्थित रिहायशी संपत्तियों पर उन संपत्ति मालिकों को 50 प्रतिशत छूट देने का प्रावधान किया है।

रामलीला के मंचन को अधिकारियों के आदेश का इंतजार

कोरोना काल : आदेश बना हुआ है नागरिक और कलाकारों के लिए सोचनीय सवाल

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

मंच पर अपनी कला का लोहा मनवाने वाले कलाकार चाहते है कि रामलीलाओं का आयोजन रुकना नहीं चाहिए। ऐसे कलाकारों की नजरें प्रशासन अधिकारियों के आदेश पर टकटकी लगाएं हुए हैं। इस वर्ष नवरात्रों में भगवान राम के जीवन पर आधारित रामलीलाओं का आयोजन होगा या नहीं। हर किसी के मन में यह असमंजस का सवाल बना हुआ है। क्या प्रशासन रामलीलाओं का मंच करने के लिए सामाजिक संगठन और रामलीला संस्थाओं को अनुमति प्रदान करें। यह सब आम नागरिक से लेकर मंच के कलाकारों के लिए बढ़ा ही सोचनीय सवाल उनके मन और दिल दिमाग को हिलाकर रखा हुआ है।

ये कहते हैं कलाकार

सोहना शहर की सैंकड़ों साल पुरानी शानदार रामलीला क्लब के कलाकार धर्मचंद अग्रवाल का कहना है कि उनके जीवन में पहला ऐसा अवसर आया है। जब रामलीला का आयोजन होने या न होने की स्थिति बनी हुई है। रामलीला के मंच पर हनुमान का किरदार निभाने वाले धर्मचंद अग्रवाल का मानना है कि सामाजिक दूरी के साथ रामलीलाओं का मंच हो। आस्था के मंच पर नागरिक अपने कलाकारों की कला को देखें।

कलाकार का उत्साह कमजोर होगा

शानदार रामलीला के मंच पर मनोरंजन कलाकार के रूप में पिछले करीब कई साल तक अपनी धाक जमाने वाले टेकचंद शर्मा का मानना है कि रामलीलाओं का आयोजन अगर नहीं होता है तो कलाकार के मनोबल कमजोर पड़ सकता है। लेकिन कोविड-19 की बीमारी ने आम नागरिक को हिला दिया है। कलाकार अपनी कला का जादू समय आने पर दिखाकर खुश रहता है।

प्रशासनिक आदेशों पर लगे हैं कान

कोविड-19 के चलते इस वर्ष उन्हें लगता है कि प्रशासन जनता से विचार करेगा और कोविड के प्रकोप से आम नागरिक की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारी रामलीलाओं के आयोजन की अनुमति न दें। इसको लेकर कलाकार और आम नागरिकों के कान प्रशासन के आदेशों की तरफ अधिक ध्यान से लगे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कृषि अध्यादेश के समर्थन में सौंपा पत्र

गुरुग्राम। किसानों के लिए तीन कृषि अध्यादेशों के समर्थन में मंगलवार को फर्रुखनगर मार्केट कमेटी के चेयरमैन विरेंद्र सिंह के नेतृत्व में किसानों ने एसडीएम को समर्थन पत्र सौंपा। जिसमें कहा गया कि यह अध्यादेश किसानों के हित में है। इसे इसी तरह से लागू किया जाना चाहिए। फर्रुखनगर क्षेत्र से काफी संख्या में किसान ट्रैक्टर-ट्रालियों में भरकर यहां लघु सचिवालय पहुंचे। जिला उपायुक्त की व्यस्तता के चलते एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। चेयरमैन विरेंद्र यादव ने कहा कि कृषि मंत्री भारत सरकार नरेंद्र तोमर ने किसानों के हित में काम किया है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से किसानों की भलाई का कार्य है। उन्होंने कहा कि कोई भी किसान विपक्ष के बहकावे में ना आए। इस मौके पर किसान मोर्चा के जिला महामंत्री बंटी नंबरदार, मंडल अध्यक्ष ज्ञानचंद, विजय पाल चौहान, प्यारे लाल सैनी, बलबीर मुबारकपुर समेत काफी संख्या में किसान पहुंचे।

तावडू शहर के समस्त दुकानदारों का होगा कोरोना टेस्ट

तावडू। अब तावडू शहर के समस्त दुकानदारों, सरकारी कार्यालयों व बैंक स्टाफ की कोरोना टेस्टिंग होगी। एसडीएम ऑफिस से इस संदर्भ में आदेश जारी कर दिए गए हैं। आदेशों के उल्लंघन पर कार्रवाई तय है। दरअसल एसडीएम ऑफिस में एक मीटिंग दौरान सीएचसी तावडू के मेडिकल ऑफिसर डॉ. देवेंद्र सोलंकी ने एसडीएम से कहा कि तावडू में कोरोना संक्रमण बहुत ही तेजी से बढ़ रहा है। अब गांवों तक भी संक्रमण तेजी से पहुंच रहा है। सामने आया है कि ज्यादा कैश की लेनदेन ज्यादा है वहां से संक्रमण का प्रसार तेजी से हो रहा है। इसलिए समस्त बैंकों के स्टाफ, सरकारी कार्यालयों व शहर के समस्त दुकानदारों की टेस्टिंग अवश्य होनी चाहिए। मेडिकल ऑफिसर ने कहा कि उक्त सभी टेस्टिंग में आनाकानी करते हैं इसलिए प्रशासनिक मदद की जरूरत है। जिस पर एसडीएम ने तुरंत अपने रीडर को इस संदर्भ में आदेश जारी करने को कहा। एसडीएम ने कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों व बैंक प्रबंधकों को मेडिकल ऑफिसर से इस संदर्भ में क्लीयरेंस लेनी होगी। वहीं मेडिकल ऑफिसर ने कहा कि गांव झामुवास की आईटीआई को आइसोलेशन सेंटर के लिए उच्च अधिकारियों ने फाइनल कर दिया है। वहां रहने वाले मरीजों के खाने व अन्य जरूरी आवश्यकताओं का प्रबंध प्रशासन को करना होगा। जिस पर एसडीएम ने इस संदर्भ में अधीनस्थ अधिकारियों को इस संदेश में कार्य करने के आदेश दिए।

अस्पताल का दौरा कर सुविधाओं का जायजा लिया

पलवल। हरियाणा राज्य महिला आयोग की सदस्य रेनू भाटिया ने नागरिक अस्पताल, वन स्टॉप क्राइसिस केंद्र व महिला थाने का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ. ब्रह्दीप सिंह व मेडिकल सुपरिटेंडेंट नागरिक अस्पताल डॉ. अजय माम ने अस्पताल में दी जाने वाली सुविधाओं से अवगत करवाया। रेनू भाटिया ने नागरिक अस्पताल के प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया। उन्होंने कोविड, लेबर रूम, डिलवरी, प्रसवोत्तर वार्ड, विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई, पूर्वप्रसव कक्ष व ब्लैड बैंक आदि गहनता से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से उनके स्वास्थ्य का हालचाल पूछा और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने वन स्टॉप क्राइसिस केंद्र का दौरा कर वहां स्टाफ से दी जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी ली और विवरण प्रस्तुत करने के लिए कहा। उन्होंने स्वच्छता, शौचालय में साफ-सफाई को देखा। उन्होंने बताया कि इस समय अस्पताल में 20 एम्बुलेंस हैं। निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां पाई गई है उनकी रिपोर्ट तैयार कर सुधार करने बारे लिखा जाएगा।

पलवल की शिक्षिका को उपराष्ट्रपति ने किया सम्मानित

पलवल। पलवल के ऑक्सफोर्ड कान्वेंट स्कूल की अध्यापिका गीता शर्मा को उपराष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया है। मधुबन प्रकाशन द्वारा आयोजित हिंदी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि एम वैंकेया नायडु उप राष्ट्रपति, सरोज शर्मा प्रोफेसर इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, डॉ उमा शर्मा प्रोफेसर एनसीईआरटी, पवन सुधीर प्रोफेसर एनसीईआरटी, विवेक रमेश प्रोफेसर दिल्ली विश्वविद्यालय, लक्ष्मी शंकर बाजपेई पूर्व उप महानिदेशक आकाशवाणी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में ऑक्सफोर्ड कान्वेंट स्कूल पलवल की हिंदी अध्यापिका गीता शर्मा को उनके हिंदी अध्यापन में विशिष्ट प्रयासों व छात्रों के हिंदी ज्ञान संवर्धन में सराहनीय योगदान के लिए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

किसान हितैषी हैं तीनों अध्यादेश: सुधीर सिंगला

विधायक सुधीर सिंगला ने किसानों के नाम जारी संदेश में कहीं ये बातें

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक सुधीर सिंगला।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पारित किए गए तीनों अध्यादेश कृषि उपज, वाणिज्य और व्यापार (संवर्धन एवं सुविधा) अध्यादेश, मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवा समझौता अध्यादेश और आवश्यक वस्तु (संशोधन) अध्यादेश पूरी तरह से किसानों के हित में हैं। विपक्ष इसके प्रति नकारात्मक बातें करके किसानों को भड़काने का काम कर रहा है। किसानों को यह अध्यादेश समझना होगा।

किसानों को जागरुक करने के उद्देश्य से अपने संदेश में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा पारित किए गए तीनों अध्यादेश ऐतिहासिक हैं। यह सीधे किसानों को फायदा देंगे। उन्होंने कहा कि पहला अध्यादेश कृषि उपज, वाणिज्य और व्यापार (संवर्धन एवं सुविधा) इसलिए है कि किसान अपनी उपज यानी फसल को देश में किसी भी व्यक्ति, संस्था को बेच सकेगा।

किसान अपने उत्पाद को खेत में या फिर व्यापारिक प्लेटफार्म पर देश में कहीं पर भी बेच सकेंगे। इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों की इस तरह से आमदनी भी बढ़ेगी। यह वन नेशन-वन मार्केट होगा। दूसरा अध्यादेश मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवा समझौता है। यह अध्यादेश अनाजों, दलहनों, खाद्य तेल, आलू और प्याज को आनिवार्य वस्तुओं की सूची से हटाकर खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को मुक्त करेगा। यह निजी उद्यमियों को भरोसा और उन्हें इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इन सभी अध्यादेशों के जरिये सरकार 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का मकसद हासिल कर सकेगी। यह अपने आप में बड़ी बात होगी।

तीसरा अध्यादेश आवश्यक वस्तु (संशोधन) है। यह (व्यावसायिक) खेती के समझौते के समय की जरूरत है। विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए, जो ऊंचे मूल्य की फसलें उगाना चाहते हैं। मगर पैदावार का जोखिम उठाते और घाटा सहते हैं। इस अध्यादेश से किसान अपना यह जोखिम कॉरपोरेट खरीदारों को सौंपकर कमाई कर सकेंगे। इसमें किसान के नुकसान का नहीं होगा। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि यही सब बातें किसानों को समझने और समझाने की जरूरत है। विपक्ष के बहकावे में ना आएं।

जिला जेल में नशीला पदार्थ समेत छह मोबाइल फोन मिलें

सोहना। भोंडसी जिला जेल की दीवार के ऊपर से फेंके गए तीन लावारिश पैकेट मिलने से हड़कंप मच गया। लावारिश पैकेटों को खोलने पर उनके अंदर नशीला पदार्थ समेत छह मोबाइल फोन व अन्य सामान मिला।

भोंडसी जिला जेल की सभी बैरिकों में क्यूआरटी टीम का गठन करके सोमवार की सुबह तलाशी अभियान चलाया गया। इस तलाशी अभियान के दौरान जेल परिसर के अंदर अलग-अलग बैरिक व बुर्ज के पास तीन लावारिश हालात में पैकेट मिले। जिनमें नशीला पदार्थ व मोबाइल फोन, बैट्री मिली। जो मोबाइल फोन में उपयोग की जाती थी। इन पैकेटों को जेल अधिकारियों समक्ष खोला गया। जिला जेल के सहायक अधीक्षक दिनेश कुमार ने भोंडसी पुलिस को बताया कि खोले गए पैकेटों में 6 मोबाइल फोन, 5 बैट्री तथा अलग-अलग रंग में 12 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद हुआ। उन्होंने पुलिस को बताया कि उक्त पैकेट कब और कहा से जेल परिसर में आए। इसकी गहराई से जांच करते हुए आरोपियों की खोज की जाए। ताकि दोषियों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया अमल में लाई जा सके।

बाल गृह से सीढ़ी लगाकर नाबालिग लड़की हुई फरार

एक व्यक्ति पर भगा ले जाने का लगा रहा है आरोप

एक बार फिर बालगृहों की सुरक्षा पर लगा सवालिया निशान

सीसीटीवी में कैद हुई फरार होने की घटना

तावडू। गांव पीपाका स्थित ऑफन इन नीड बाल गृह एक बार फिर सवालों के घेरे में है। इस बार बालगृह की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगा है। बालगृह की सीढ़ियां लगाकर एक व्यक्ति द्वारा नाबालिग लड़की को भगाकर ले जाने का मामला सामने आया है। तावडू पुलिस ने बाल गृह के इंचार्ज की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गांव पीपाका में स्थित ऑफन इन नीड बाल गृह के इंचार्ज जहीर ने बताया कि 28 जुलाई को बाल कल्याण समिति नूंह के आदेश पर उनके बाल गृह में नाबालिग लड़की को रखा गया था। उन्होंने बताया कि 14 सितंबर 2020 की सुबह उनके साथ रहने वाले अन्य लड़की ने सूचित किया कि नाबालिग लड़की कमरे में नहीं है।

उन्होंने पूरे कैंपस में नाबालिग लड़की को तलाश किया, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने सीसीटीवी कैमरे की जांच की तो पता चला कि देर रात करीब दो बजे बाल गृह की दीवार के साथ बने सर्विस गेट के नजदीक एक अज्ञात व्यक्ति सीढ़ियां डाल रहा है। जिनकी मदद से वह बाल गृह से नाबालिग लड़की को लेकर फरार हो गया। पुलिस ने इंचार्ज जहीर की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जिला बाल संरक्षण अधिकारी नूंह आबिद हुसैन का कहना है कि उनकी एसपी से इस संदर्भ में बात हुई है। एसपी ने आश्वस्त किया है कि पुलिस तीव्रता से घटना की जांच में जुटी है। वहीं एसडीएम डा. नरेश कुमार का कहा है कि वे बुधवार को बाल गृह का दौरा करेंगे। सुरक्षा व्यवस्था में किस स्तर पर कहां खामी रही, इसकी भी जांच होगी। बालगृह मैनेजमेंट में जहां खामियां निकली वहां कार्रवाई होगी।

पलवल आईटीआई को अच्छी रैंकिंग दिलाने का प्रयास : भगत

सभी आईटीआई को मिलेगी रैंकिंग, छात्र को आईटीआई चुनने में होगी आसानी

पलवल। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग में सभी संस्थानों को रैंकिंग से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत आईटीआई पलवल को भी अच्छी रैंक पर लाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

यह जानकारी आईटीआई पलवल के प्रधानाचार्य भगत सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि संस्थान के व्यवसायों को (डीएसटी) दोहरी शिक्षण प्रणाली के तहत किया जा रहा है और संस्थान की प्लेसमेंट को बढ़ाने के लिए सर्वे किए जा रहे हैं। जल्द पलवल ओद्यौगिक संघ की बैठक का भी आयोजन किया जाएगा, ताकि सरकार और विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यों को समय पर पूर्ण किया जा सके। इसी आधार पर संस्थान की रैंकिंग को ऊपर लाया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक छात्र पोर्टल पर रैंकिंग को चेक करके दाखिला ले सकें और रोजगार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री मूलचंद शर्मा ने चार सितंबर को आईटीआई रेटिंग पोर्टल का विमोचन किया। पोर्टल का उद्देश्य प्रवेश प्रक्रिया के दौरान आईटीआई के लिए चयन करते समय एक अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में शामिल होने के इच्छुक भावी उम्मीदवारों की मदद करना है।

यह पोर्टल कई मापदंडों जैसे प्लेसमेंट, ट्रेनर्स, और मशीन की उपलब्धता, पास प्रतिशत और औद्योगिक कनेक्ट के आधार पर आईटीआई रैंक करता है।

पीएम के जन्मदिन पर 71 यूनिट रक्तदान

बीजेपी जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ व भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष मनीष यादव ने किया शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के गांव धानावास में पीएम नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर रक्तदान शिविर में रक्तदान करते कार्यकर्ता।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 70वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को रक्तदान शिविर में 71 यूनिट रक्तदान हुआ। नवक्लप फाउंडेशन द्वारा रोटरी क्लब ऑफ गुड़गांव बाडव सिटी व भाजपा फर्रुखनगर मंडल के साथ मिलकर धानावास गांव के ग्राम सचिवालय में यह शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक लगाया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ बीजेपी जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष मनीष यादव ने किया।

नवक्लप फाउंडेशन के सचिव डा. सुनील आर्य ने बताया कि ग्रामीणों का इसमें विशेष सहयोग रहा। नवक्लप की ओर से कोरोना महामारी काल में यह 5वां रक्तदान शिविर रहा। थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों को रक्त की पूर्ति के लिए नवक्लप ने सदैव प्रयास किए हैं और उन पर रक्त पहुंचाया है। इस शिविर में बीजेपी कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, मीडिया कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने रक्तदान किया। शिविर में जिला परिषद के उप-प्रमुख संजीव राव व उनकी पत्नी ने संयुक्त रूप से रक्तदान करके संदेश दिया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने कहा कि युवा देश की रीड हैं। युवाओं के दम पर देश की सुरक्षा और उन्नति निर्भर करती है। यह सौभाग्य की बात है कि हमारे देश के युवाओं को देश भक्ति का जज्बा, संस्कार कूट-कूट कर भरे हैं। रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, मनीष यादव के अलावा विशिष्ट अतिथि किसान नेता राव मानसिंह, डा. दयाराम यादव, फर्रुखनगर मंडल अध्यक्ष दौलतराम गुर्जर, जिला युवा अध्यक्ष महेश यादव, उपाध्यक्ष मनीष गुर्जर, दीपक तुलसी राम खंडेवला आदि अतिथियों ने रक्तदाताओं को सम्मान पत्र, मेडल देकर सम्मानित किया। शिविर में वाटिका आरडब्ल्यू महासचिव लोकेश यादव, समाजसेवी सतीश सिंगला, मुकेश गुप्ता, नवीन गुप्ता, सुरेंद्र चौधरी का अहम योगदान रहा।

यूपीएचसी और पीएचसी क्षेत्रों में लगाए जा रहे एंटीजन टेस्टिंग कैंप

गुरुग्राम। जिले में कोरोना पर नियंत्रण के लिए विशेष एंटीजन टेस्टिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत जिला के विभिन्न यूपीएचसी और पीएचसी क्षेत्रों में एरिया वाइज एंटीजन टेस्टिंग कैंप लगाए जा रहे हैं जहां पर जाकर कोई भी व्यक्ति अपना टेस्ट निःशुल्क करवा सकता है। सिविल सर्जन डॉ. वीरेंद्र यादव के मुताबिक कोरोना को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि कोरोना संक्रमित व्यक्ति की पहचान जल्द से जल्द की जा सके। यह केवल टेस्टिंग के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि कोरोना के लक्षण दिखाई पड़ने पर लापरवाही कतई ना बरतें और जल्द से जल्द अपना टेस्ट करवा लें। उन्होंने कहा कि कोरोना के टेस्ट करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा तिथिवार शेड्यूल बनाया गया है जहां पर कोरोना के निःशुल्क टेस्ट किए जाएंगे। इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों की क्षेत्रवार टीमें लगाई। सभी संक्रमण को रोकने में मदद करें।

बदलते हालात में बढ़ सकती है वैरिकोज वेन की परेशानी : डॉ. अजय कौल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना महामारी ने सामाजिक, आर्थिक और सेहत हर लिहाज से नई चुनौतियां पेश की हैं। इससे जुड़ी कुछ मुश्किलें ऐसी भी हैं, जिनका अंदाजा सामान्य तौर पर लोगों को नहीं है। ऐसी ही एक चुनौती का नाम है वैरिकोज वेन। वैरिकोज वेन नसों से जुड़ी परेशानी है। इसमें नसें खिंचाव के कारण फूल जाती हैं। इन्हें बहुत गंभीर तो नहीं माना जाता है, लेकिन यह बहुत दर्दभरी परेशानी जरूर है।

बीएलके सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के सीटीवीएस विभाग के प्रमुख एवं चेयरमैन डॉ. अजय कौल बताते हैं कि कोरोना के कारण बहुत से लोगों का काम करने का तरीका बदला है। घर से बाहर निकलना कम हो गया है। लोगों के लिए जिम जाना संभव नहीं रह गया है। लाइफस्टाइल में आए इस ठहराव से वैरिकोज वेन जैसी परेशानियां बढ़ने का खतरा जोर पकड़ने लगा है। वैरिकोज वेन की परेशानी महिला या पुरुष दोनों को हो सकती है। इसमें उम्र और प्रोफेशन के हिसाब से भी कोई खास अंतर नहीं दिखा है। हां, ऐसा जरूर देखने में आया है कि ज्यादा देर तक खड़े या बैठे रहने वालों को यह खतरा ज्यादा होता है। इसके अलावा बहुत अंतर्मुखी होकर जीने वालों में, मोटापे के शिकार लोगों में या परिवार में किसी को पहले से यह समस्या होने पर भी खतरा बढ़ जाता है। नसों में खून के बहाव को नियंत्रित करने वाले वॉल्व के सही तरह से काम नहीं करने से खून का दबाव बढ़ जाता है और नसें फूल जाती हैं। आमतौर पर पैर के निचले हिस्से में यह समस्या ज्यादा देखी जाती है। इसमें नसें फूल कर ऊपर उभर जाती हैं। यह समस्या हाथों एवं अन्य हिस्सों में भी उभर सकती है।

डॉ. कौल बताते हैं कि ये उभरी हुई नसें तकलीफ तो देती है, साथ ही देखने में भी बहुत अनाकर्षक लगती हैं। नीले रंग में गांठ जैसी उभरी हुई ये नसें कई बार सेहत पर भारी भी पड़ जाती हैं। इन पर ध्यान न दिया जाए या इलाज न हो तो इनके फटने और अल्सर बनने का खतरा भी होता है।

ये नसें खून का थक्का जमने का भी कारण बन जाती हैं। ऐसे थक्के कई बार दिल की ओर पहुंचकर स्थिति को गंभीर बना देते हैं। फेफड़े की ओर इन थक्कों के पहुंचने से सांस में दिक्कत हो सकती है। डॉ. कौल ने कहा कि सामान्य तौर पर आंखों से देखकर ही इस बीमारी का पता चल सकता है। बाद में डॉपलर रिपोर्ट के आधार पर डॉक्टर इसके इलाज के तरीके पर काम करते हैं। वेनासील, फ्लेबेक्टोमी और स्क्लेरोथेरेपी से इसका इलाज हो सकता है। इंडोवेनस लेजर ट्रीटमेंट भी इसमें कारगर पाया गया है। देश में कुछ ही जगहों पर वैरिकोज वेन के पर्याप्त इलाज की व्यवस्था है।

जनता ने मौका दिया तो करूंगा भरपूर सेवा: खालिद हिरवाडी

हिरवाडी ने वार्ड 17 से जिला पार्षद के चुनाव के लिए किया ऐलान

पायनियर समाचार सेवा। नूंह

प्रदेश में जिला परिषद् चुनाव भले ही अभी दूर हों, लेकिन प्रत्याशियों ने अभी से ही अपनी जड़ों को मजबूत करना शुरु कर दिया है। इसी कड़ी में लंबे समय से लोगों के सुख दुख व संकट के दौर में गरीबों के लिए मसीहा के रूप में काम कर रहे खालिद खान हिरवाडी ने भी वार्ड 17 से जिला पार्षद के चुनाव के लिए ऐलान कर दिया है। उनका कहना है कि चुनाव लड़ने का उनका मकसद केवल लोगों की सेवा करना है।

भावी प्रत्याशी खालिद खान हिरवाडी ने बताया कि वह कई संस्थाओं के साथ लंबे समय से लोगों की सेवा में जुड़े हुए हैं, मजदूर पंजीकरण, जॉब कार्ड, सुकन्या योजना, पीएम आवास योजना जैसी सरकारी योजनाओं को वह संस्था के माध्यम से लोगों तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वार्ड 17 के अधीन आने वाले गावों में बिजली, पानी, पक्की सडकें जैसी सुविधाओं से आज भी लोग महरूम हैं। यदि जनता ने मौका दिया तो इन सभी समस्याओं का समय पर समाधान कराया जाएगा और लोगों तक उनके हक को पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा। खालिद खान हिरवाडी ने कहा कि अब लोग ऐसे नेताओं को पहचान चुकी है, जो चुनाव के दौरान तो बडे बडे दावे और वादे करते हैं, लेकिन चुनाव जीतने के बाद अपनी ही जबान से किए गए वादों से मुकर जाते हैं। अबकी बार जनता कुछ नए करने के मूंड में है। उनका कहना है कि चुनाव लड़ने के लिए उनका स्वयं का मन नहीं है, लेकिन जनता की भलाईयों को देखते हुए लोग उन्हें चुनाव के लिए तैयार कर रहे हैं।

प्रदेश सरकार से किसान ऋण और उस पर लगे ब्याज को माफ करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

कोरोना काल में हुआ लॉकडाउन के बाद आर्थिक कमी आने से परेशान किसान प्रदेश सरकार से कृषि पर लिए गए बैंकों से ऋण और उस पर लगे ब्याज को माफ करने की मांग कर रहे हैं।

किसान आर्थिक हालत कमजोर होने के कारण बैंकों को किस्त तक जमा नहीं असमर्थ हो रहे हैं। कोरोना काल में किसानों की हालत आर्थिक रुप से बहुत कमजोर पड़ जाने से बैंकों से लिया गये ऋणों की किश्त और ब्याज जमा नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि वर्तमान बिगड़ी आर्थिक हालत के कारण किसान अपने घरेलू खर्चे भी जैसे तैसे करके चलाने को मजबूर हो रहे हैं। बैंकों से किसानों के घर कर्मचारी किश्त लेने के लिए जा जरूर रहे हैं, लेकिन किसानों के हाथ खड़ा कर देने से बैंक कर्मी खाली हाथ लौट रहे हैं।

बाजरे की फसल बरसात से खराब : किसान गांव खेड़ाखलीलपुर निवासी जगदीश का कहना है कि उनका इलाका की मिट्टी चिकनी व काली है। जहां पर बारिश पानी जल्द से मिट्टी शौकती नहीं है। ऐसे में बाजरे की फसल में पानी दो से तीन तक जमा रहने से भारी नुकसान हो जाता है। इस बार बारिश का पानी बाजरे की फसल में करीब सप्ताह भर तक जमा रहा। बाजरे की फसल बरबाद होने से किसान की कमाई नहीं हुई। अब किसान अपने परिवार का गुजारा उधार पैसे लेकर चला रहा है। ऐसे में किसान उधार लिया पैसे को चुकता करेगा या बैंक से लिया हुआ ऋण को जमा करेगा।

खेत बेचने को मजबूर किसान : किसान एवं गांव बाईखेड़ा के सरपंच श्याम बीर ने बताया कि किसानों की आर्थिक हालत काफी माली हो चुकी है। किसान को यदि बैंकों से लिया हुआ पैसा चुकाना है। उसके लिए किसान अपने खेतों को बेचकर ही चुका सकता है। क्योंकि इस कोरोना काल में किसान अपना और अपने परिवार को दो वक्त की रोटी का समाधान करना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। अब क्षेत्र के किसान के पास अधिक जमीन नहीं है।

आगामी फसल की बिजाई की चिंता : भोलूराम सैनी का कहना है कि हाल में खरीफ की फसल कटाई शुरू हो गई है। अक्टूबर के बाद रवि की फसलों बिजाई होनी है। किसान के पास पहले से ही पैसे की कमी हो गई है।

बीके : चिकित्सकों की संख्या बढ़ने पर टूट रही सोशल डिस्टेंसिंग

सोशल डिस्टेंसिंग की रोजाना उड़ रही हैं ओपीडी के आर्थो कक्ष के बाहर धज्जियां

एक कक्ष में तीन चिकित्सक बैठे होने के बाद भी हो रहा हंगामा

कविता। फरीदाबाद

कोरोना महामारी के बीच जहां एक तरफ बीके सिविल अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञों की कमी पूरी हो गई। लेकिन वहीं दूसरी तरफ यहां आने वाले मरीजों की परेशानियां अभी तक दूर होने का नाम नही ले रही है। यहां रोजाना परेशान मरीजों द्वारा हंगामा किया जाना आम बात हो चुकी है। कोरोना काल में सोशल डिस्टेंसिंग की अस्पताल में रोजाना धज्जियां उड़ रही है। मरीजों को चिकित्सकों न होने की परेशानियां घंटों झेलनी पड़ती है।

हुआ हंगामा

हड्डी रोग विशेषज्ञ चिकित्सक के कक्ष के बाहर मंगलवार को मरीजों की लम्बी लाइन लगी हुई थी। उसी दौरान यहां घंटों लाइन में खड़े मरीजों ने हंगामा शुरू कर दिया। उनका कहना था कि सुबह से लम्बी लाइनों में खड़े होने के बाद भी यहां उनका नम्बर नहीं आ रहा है और पीछे से आ रहे लोग अंदर जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कोई स्टाफ तो कोई चिकित्सक से मिलने की बात कहकर अंदर चला जाता है। ऐसे में उनका नम्बर ही नहीं आ रहा है।

बिना सोशल डिस्टेंसिंग के बीके की ओपीडी के रूम नम्बर 19 के बाहर हंगामा करते मरीज

पहले था एक डॉक्टर

अस्पताल में पिछले करीब 7-8 साल से एक ही हड्डी रोग विशेषज्ञ तैनात था। बीच में डेपुटेशन पर चिकित्सक आ आने से मरीजों को थोड़ी राहत मिली। लेकिन वह भी सप्ताह में तीन दिन तक। वहीं अब कोरोना महामारी के बीच अस्पताल में नए चिकित्सक आ गए। जिसमें ओर्थो के दो चिकित्सक तैनात किए गए। जिससे यहां एक के बजाय तीन हड्डी रोग विशेषज्ञ की तैनाती हो गई।

नहीं हुआ सुधार

अस्पताल में तीन चिकित्सक आने से सुधार होने के बजाय स्थिति बद से बदतर होने लगी है। यहां तीन चिकित्सकों के एक ही कक्ष में होने से भी ओपीडी समय तक भीड़ समाप्त नहीं हो पाती। और तो और ओपीडी में कभी-कभी तो एक ही चिकित्सक तैनात रहते हैं। जिससे यहां हंगामे और मरीजों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग के नियम टूट जाते हैं।

नहीं है सुविधा

अस्पताल प्रबंधन की तरफ से यहां न तो किसी सुरक्षाकर्मी को तैनात किया गया है और न ही यहां सोशल डिस्टेंसिंग के प्रति लोगों को जागरूक किया जा रहा है। कोरोना महामारी के बीच अस्पताल के रूम नम्बर-19 में लगातार कोविड-19 की धज्जियां उड़ रही है। यहां कुछ लोग बिना मास्क के भी आ रहे हैं।

पड़ोसी को फंसाने वाला आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर-48 ने वारदात के मुख्यारोपी मन्नी को सूरजकुंड में पेट्रोल पंप के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी मन्नी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर रंजिश के तहत अपने पड़ोसी को गांजे के साथ फंसाने की साजिश रची थी। दोनों आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं। लक्कड़पुर निवासी मन्नी इससे पहले हत्या और लड़ाई झगड़े के मुकदमे में दो बार जेल जा चुका है। आरोपी अभी हत्या के मुकदमे में पैरोल पर बाहर आया हुआ था। आरोपी नें अपने 2 दोस्तों जितेन्द्र उर्फ गुड्डू व मोहन को अपने दुश्मन जगदीश को फंसाने के लिए दिल्ली से गांजा लाकर जगदीश की गाड़ी में रखने के लिए पैसे दिए थे किन्तु क्राइम ब्रांच ने उनके इरादों पर पानी फेरते हुए दोनों आरोपियों को रास्ते में ही गांजे समेत धर दबोचा था। आरोपी मन्नी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कोरोना विस्फोट: 2 मौतें, 270 पॉजिटिव से आंकड़ा 16,407

24 घंटे में 256 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं मृतकों की संख्या की संख्या भी हर रोज बढ़ रही है। मंगलवार को 270 मामलों की पुष्टि होने से कोविड-19 का आंकड़ा 16,407 पर पहुंच गया। वहीं दो मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या का आंकड़ा 195 पर पहुंच गया। राहत की बात यह रही कि पिछले 24 घंटे में 256 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 88.0 प्रतिशत पर पहुंच गया।

मृतक और पॉजिटिव

कोरोना पॉजिटिव दो मरीजों ने मंगलवार को दम तोड़ दिया। जिसमें एनएच-एक निवासी 62 वर्षीय एक महिला और जवाहर कालोनी निवासी 78 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति शामिल था। नोडल अधिकारी की माने तो दोनों ही कोरोना के अलावा अन्य कई बीमारियों से ग्रस्त थे।

यह है आंकड़े

कुल सैम्पल जांच	169993
रिपोर्ट आई नेगेटिव	153251
रिपोर्ट आनी है शेष	335
अब तक पॉजिटिव आये	16407
अब तक कुल ठीक हुए	14446
अब तक जिले में कुल मौते	195
गंभीर हालत में भर्ती	60
आईसीयू में भर्ती	09

वहीं 270 पॉजिटिव में एनएच-दो, त्रिखा कालोनी, भीकम कालोनी, भूदत्त कालोनी, सेक्टर-88, 2, 37, सिकरौना, समयपुर, एसी नगर, एसजीएम नगर, शास्त्री कालोनी, पुरी प्रणायाम, हाउंसिंग बोर्ड कालोनी से 1-1 मरीज शामिल रहे। फतेहपुर चंदीला, मच्छगर, गडखेड़ा, एनएच-3, पल्ला, बासनपुर, मौजपुर, बड़ौली, बसेलवा कालोनी, ओल्ड फरीदाबाद, भाटिया कालोनी, सेक्टर-62, आदर्श नगर से 2-2 मरीज शामिल रहे। दयालपुर, सेक्टर-86, 76, 84, 29, 11, 15, 7, जवाहर कालोनी, मेवला, शिव कालोनी, अनखीर, अनंगपुर से 3-3 मरीज शामिल है। एनएच-1 और 5, गांधी कालोनी, सेक्टर-28, 9, पर्वतीया कालोनी, संजय कालोनी, डबुआ कालोनी से 4-4 मरीज है। भनकपुर, अमर नगर से 5-5 मरीज है। सेक्टर-30, 45 से 8-8 मरीज है।

मानवता : दुर्घटना से बचाने को एसआई ने बनवाई दीवार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के फरीदाबाद कार्यभार संभालने के बाद पुलिस महकमे में लगातार बदलाव नजर आ रहा है। जहां पुलिस कर्मचारी अपराधियों को पकड़ने में त्वरित कार्यवाही कर रहे हैं, वहीं वह सामाजिक कार्यो में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। ऐसा ही एक उदाहरण एनएच दो पुलिस चौकी प्रभारी प्रकाश चंद ने प्रस्तुत किया। जिन्होंने अपने खर्चे से एनएच दो की पंचकुईया रोड के नाले की दीवार बनवाई है। इस दीवार के बनने से जहां वाहन चालकों का यहां से गुजरना सुरक्षित होगा, वहीं रात के अंधेरे में आवारा पशु भी हादसे का शिकार होने से बच पाएंगे। दरअसल कोई सपोर्ट नहीं होने के कारण अक्सर इस नाले में संतुलन बिगड़ने से वाहन चालक गिरकर जख्मी हो जाते थे। कई बार तो दोपहिया वाहन सवारों को गंभीर चोटें आ चुकी है। जिनकी शिकायतें नगर निगम को की गई, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। बाद में लोगों की असुविधा को देखते हुए चौकी प्रभारी प्रकाश चंद ने स्वयंसेवियों के सहयोग से इस नाले के साथ दीवार का निर्माण करवाया।

40 अवैध निर्माण और झुग्गियां हुईं धराशायी

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

गुरुग्राम नहर के किनारे स्थित सेक्टर चार स्थित पटेल नगर में बने हुए 40 अवैध निर्माण और कई झुग्गियों को सिंचाई विभाग के तोड़फोड़ दस्ते ने गिरा दिया। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मौके पर एसीपी, बल्लभगढ़ जयवीर सिंह राठी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात था। तोड़फोड़ के दौरान सिचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता वीएस रावत ड्यूटी मजिस्ट्रेट रहे। वहीं इस तोड़फोड़ की कार्रवाई को रूकवाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलजीत कौशिक मौके पर पहुंचे, लेकिन तोड़फोड़ की जारी रही।

जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुग्राम नहर के ऊपर छह लेन का पुल बनाने का काम चल रहा है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने सिंचाई विभाग से पुल बनाने के लिए यहां पर जमीन का अधिग्रहण किया है। जिसका मुआवजा भी दे दिया है। पुल निर्माण में ये झुग्गी और अवैध निर्माण बाधा बने हुए थे।

सिचाई विभाग ने पटेल नगर में नोटिस चस्पा करके सभी लोगों को बता दिया गया था कि 14 सितंबर तक स्वयं अपने निर्माण हटा लें। निर्माण नहीं हटाने पर अब विभाग ने यह कार्रवाई की है। सिचाई विभाग का दस्ता पांच अर्थमूवर मशीनों के साथ मंगलवार सुबह 11 बजे मौके पर पहुंच गया और तोड़फोड़ की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने मौके पर ज्यादा भीड़ नहीं जुटने दी। महिला थाना प्रभारी माया सिंह, थाना सेक्टर-7 प्रभारी दिनेश कुमार, थाना शहर प्रभारी सुदीप कुमार, अतिरिक्त थाना प्रभारी रणधीर सिंह भी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद थे। तोड़फोड़ की कार्रवाई शाम साढ़े तीन बजे तक जारी रही। ड्यूटी मजिस्ट्रेट एवं सिंचाई विभाग के कार्यकारी अभियंता वीएस रावत ने बताया कि पटेल नगर की 40 झुग्गियों और अन्य अवैध निर्माणों को तोड़ने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग और रेलवे लाइन के बीच बने अवैध कब्जों को भी जल्दी ही हटा दिया गया है।

ई-लोक अदालत का आयोजन 18 सितंबर को

फरीदाबाद। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव मंगलेश चौबे ने बताया कि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकण द्वारा 18 सितम्बर 2020 को ई-लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में विभिन्न अदालतों में चल रहे मामलों को निपटान के लिए रखा जाएगा।

THE VALLEY

The Valley License No.- 45 of 2018, Dated 29/06/2018

फ्लैटों का ड्रा

सूचित किया जाता है कि मैसर्स रिवाइटल रियलिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा विकसित अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग कॉलोनी, दी वैली, जो कि सेक्टर-78, गुरुग्राम, हरियाणा के लाइसेंस प्राप्त क्षेत्र में स्थित है, के 721 फ्लैट का ड्रा 36 आवेदकों के लिए किया जायेगा। ड्रा शुक्रवार, 18 सितंबर, 2020 को शाम 4:00 बजे निर्वाना पैटिओ क्लब, सेक्टर 50, साउथ सिटी-।।, गुरुग्राम में सरकारी अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। सभी आवेदकों को फ्लैटों के ड्रा में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है।

यदि कोई आवेदक सूची में अपना नाम जांचना चाहता है, तो वह लॉट ड्रॉ करने से पहले एसटीपी कार्यालय, गुरुग्राम अथवा कॉलोनाइजर के कार्यालय से संपर्क कर सकता है।

प्रवेश के लिए, कृपया अपनी पावती या कोई भी मान्य आवेदक पहचान पत्र लेकर जाएं।

RERA NO.: RC/REP/HARERA/GGM/2018/20

M/S REVITAL REALITY PVT. LTD.
Corp. Off.: Supertech E Square, Plot No. C2,
Sector 96, Noida - 201303 | www.supertechlimited.com

पुराने गांवों को संभालें फिर नये गांव शामिल करें निगम

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

26 गांवों को नगर निमग में शामिल करने के बाद इन गांवों के ग्रामीण अब जागरूक हो गये हैं।उन गांवों का विकास देखने निकल पडे हैं। जिन गांवों को वर्षो से निगम ने अपने अतर्गत शामिल किया हुआ है। गांव चंदावली के ग्रामीण और युवा महापंचायत करने वाले जसवंत पवार ने सबसे पहले गांव अजरोंदा में जाकर निगम का विकास कार्य देखा तो उनके होश उड़ गये, लोगों में नगर निगम के खिलाफ कूट-कूट कर गुस्सा भरा पड़ा है। पिछले कई सालों से सड़कों की जर्जर हालत हुई पड़ी है। लोगों ने नगर निगम के खिलाफ आक्रोश जताते हुए कहा कि नगर निगम के अंतर्गत आने से पहले उनका अजरोंदा गांव नंबर वन गांव था और कभी वहां की पंचायत के विकास कार्यों को देख कर रूस के राजा ने उन्हें उपहार के रूप में बेलारूस ट्रैक्टर दिया था लेकिन नगर निगम की छत्रछाया में आते ही गांव की खस्ता हालत हो गई।

पति की हत्यारी महिला गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल की गई कार को भी बरामद कर लिया है। क्राइम ब्रांच सेक्टर 85 की टीम द्वारा मृतक की पत्नी आरोपी महिला को गिरफ्तार किया गया और हत्या में प्रयोग किए गया मोबाइल व खून से सने कपड़े बरामद किए गए। हत्या आरोपी 23 वर्षीय नरेंद्र को अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। जिसमें आरोपी से रिमांड के दौरान हत्या में इस्तेमाल गाड़ी, तेजधार हथियार, खून से सने कपड़े व तकिया तथा मोबाइल फोन और कार को बरामद किया गया।

समयबद्ध सेवाएं नागरिकों का अधिकार : एसडीएम

उपमंडल अधिकारी ने सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं की समीक्षा के दौरान दिए निर्देश

सरल केंद्रों के माध्यम से दी जाने वाली 55 से अधिक सेवाओं की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपमंडल अधिकारी जितेंद्र कुमार ने कहा कि सभी विभाग आम नागरिकों को दी जाने वाली विभिन्न सरकारी सेवाओं को समयबद्ध ढंग से उपलब्ध करवाएं। यह नागरिकों का अधिकार है और सरकारी विभागों का कर्तव्य। ऐसे में अगर कोई भी विभाग सेवाएं देने में देरी करता है तो इसमें पेनल्टी का प्रावधान भी है। उपमंडल अधिकारी मंगलवार को लघु सचिवालय के छठे तल स्थित कॉन्फ्रेंस हाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ सरकार की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे।

जितेंद्र कुमार ने मीटिंग में सबसे पहले सरल केंद्रों के माध्यम से दी जाने वाली 550 से अधिक सेवाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा पिछले कुछ दिनों में हमने सरल केंद्र के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं में अच्छा कार्य किया है और हमारे जिला का स्कोर 5.8 से 6.2 हुआ है और रैंकिंग भी प्रदेश में नवें स्थान से आठवें स्थान पर आई है। उन्होंने कहा कि अब इन सभी योजनाओं की महीने में दो बार समीक्षा की जाएगी और सभी विभाग अपने स्तर पर प्रत्येक सप्ताह अपने विभाग की समीक्षा मीटिंग अवश्य आयोजित करें। मीटिंग में उन्होंने बताया कि जिला में इस समय हाउसहोल्ड सर्वे का 96 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है जो बेहतरीन है। इस कार्य के लिए उन्होंने शिक्षा विभाग, बीएलओज व आंगनवाड़ी वर्करों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक 15 दिन में होने वाले समीक्षा मीटिंग में टॉप पांच में आने वाले विभागों को प्रोत्साहित किया जाएगा और अच्छा प्रदर्शन न करने वाले विभागों से कारण भी पूछा जाएगा।

उन्होंने कहा कि लाईसेंस, वाहन रजिस्ट्रेशन, राशन कार्ड, विभिन्न प्रमाण पत्र, बिजली निगम की सेवाएं, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग सभी सेवाओं के लिए समय सीमा निर्धारित है और सभी विभागाध्यक्ष सिटीजन चार्टर के जरिए यह जानकारी जरूर लें कि उन्होंने समयसीमा के अंदर सेवा दी है या नहीं। उन्होंने कहा कि अगर कोई जरूरी कारण न हो तो किसी भी फाईल को न रोकें।

आमजन की शिकायतों के निवारण को लेकर शुरू की गई सीएम विंडो, पीएम पोर्टल और सोशल मीडिया ग्रिवांस ट्रैकर (एसएमजीटी) की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि इन सभी पर आने वाले शिकायतों को भी गंभीरता से लें। उन्होंने कहा कि तीनों शिकायत निवारण प्लेटफार्म अति महत्वपूर्ण हैं और हमें इनके जरिए प्राप्त जनता की शिकायतों को निवारण समय से करना है। मीटिंग में कुछ विभागों द्वारा शिकायतों के निपटारे में आ रही दिक्कतों को लेकर इनके समाधान भी बताए। उन्होंने कहा कि जिस शिकायत पर पहले से ही किसी अदालत में मुकदमा लंबित है तो उसकी जानकारी अपलोड करवाकर इसका जवाब समय से दें ताकि वह लंबित शिकायतों में न दिखे। मीटिंग में मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी रूपाला सक्सेना सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

KAVYAM

"KAVYAM"-AFFORDABLE HOUSING PROJECT

Applications are invited from general public for Part booking of Residential Apartments in the Affordable Group Housing Project proposed to be developed as per terms and conditions of the policy prescribed by the Town & Country Planning Department, Government of Haryana vide notification no PF-27/48921 dated 19.08.2013 & amendments thereof (details available at the Department website, i.e. tcpharyana.gov.in).

Project Details

1.	Project Approvals	Coloniser/Developer: Agrante Realty Ltd License No/ Year: 101/2017, Building Plan Approved on 06.07.2018 Haryana RERA Registration No. RC/REP/HARERA/GGM/2018/23 dated 22.11.2018.
2.	Location	Sector 108, Gurugram. Haryana
3.	Provisions	**Project Area :** 5 acres comprising a total 723 no. of apartments. **Community Facilities :** One Community Hall of 2000 sqft and One Anganwadi-cum-Creche of 2000 sqft.
4.	Apartment Details	**Category 1:** Part Draw of 48 no. of apartments of 512.50 sqft (approx.) carpet area and balcony(ies) with an aggregated area of 130.30 sq.ft (approx.) with a two-wheeler parking. **Category 3:** Part Draw of 25 no. of apartments of 488.30 sq.ft (approx.) carpet area and balcony(ies) with an aggregated area of 79.73 sq.ft (approx.) with a two-wheeler parking.
5.	Allotment Rate of Apartment (all inclusive)	**Category 1: Rs. 21 lakhs/ apartment, Category 3: Rs. 19.93 lakhs / apartment.** The above rate is an all-inclusive cost of apartment as per rates prescribed under the policy notified vide no. PF-27/48921 dated 19.08.2013 & amendments thereof (details available at the Department website, ie. tcpharyana.gov.in). *** Statutory & government taxes are as applicable.**
6.	Payment Terms	i. With application:Booking amount, i.e., 5% of cost of flat. ii. On allotment:Additional 20% of cost of flat. iii. Balance 75% of the amount in six equal monthly instalments over three year period. No interest shall fall due before the due date of payment. Any default in payment shall invite interest as provided in rule 15 of the Haryana Real Estate Regulatory Authority. Rules, 2017
7.	Broad Specifications of the Apartment	2 BHK + 3 Balconies 2 BHK + 2 Balconies (Detailed specifications are provided, in application form)
8.	Applications Timelines	i. Applications can be procured from: 704 DLF Tower-B, Jasola, New Delhi by paying an application fee of Rs 1000/- starting from 16.09.2020. ii. Last Date of submission of Applications: 01.10.2020. iii. All Applicants who have already applied and the prospective applicant are also directed to submit an affidavit declaring "weather applicant is or not identified beneficiary under Pradhan Mantri Awas Yojna and relevant documents.

Eligibility:-

1. Any person can apply, however, the PMAY beneficiaries, which include their spouse or dependent children, identified by the Urban Local Bodies Department, Haryana under "Pradhan Mantri Aawas Vojna-Housing for All" programme shall be granted preference in allotment. First priority shall be given to the identified beneficiaries of the said town followed by other PMAY beneficiaries of the State of Haryana. Thereafter, for the remaining flats, persons which include their spouse or dependent children who do not own any flat/plot in any HUDA developed colony/sector or any licenced colony in any of the Urban areas in Haryana, UT of Chandigarh and NCT Delhi shall be given next preference in allotment of flats.
2. Any applicant can make only one application. Any successful applicant under this policy shall not be eligible for allotment of any other flat under this policy in any other colony. In case, he/she is successful in more than one colony, he/she will have choice of retain only one flat.

Allotment Criteria:-

1. The allotment of apartments shall be done through draw of lots in the presence of a committee consisting of Deputy Commissioner or his representative (at least of the cadre of Haryana Civil Services), Senior Town Planner (Circle office), DTP of the concerned district and the representative of coloniser concerned.
2. After fixation of date for draw of lots, an advertisement shall be issued by the Developer informing the applicants about the details regarding date/time and venue of the draw of lots in the same newspapers in which the original advertisement was issued.
3. For detailed criteria and time-frame to be adopted for scrutiny and allotment, the applicants may also refer to the details in the Affordable Housing Policy 2013 notified vide no. PF-27/48921 dated 19.08.2013 & amendments thereof (available at the Department website, i.e., tcpharyana.gov.in).

Agrante Realty Ltd 704 7th floor DLF Tower-B, Jasola, New Delhi., CIN: U70101DL2013PLC248731

Contact at: - website: www.kavyamhomes.com; 011-41924100-199, 8800499674.

दिल्ली दंगे

विपक्षी नेताओं पर आरोप

वर्तमान विमर्श में संभवत: अर्ध सत्य या कल्पना के आधार पर कुछ लोगों को राज्य का दुश्मन बताया जाता है। यह काम इतनी निरंतरता से होता है कि विचारशील या सिविल सोसाइटी के कुछ लोग अपने विरोधी विचारों के कारण व्यवस्था के दुश्मन में बदलते दिखते हैं। दिल्ली पुलिस ने पूरक आरोप पत्र में फरवरी में हुए दंगों का कुछ विपक्षी नेताओं, विद्वानों व सामाजिक कार्यकर्ताओं पर आरोप लगा कर इस अवधारणा को मजबूत किया है। उसने दावा किया है कि केवल यह खुलासे ही भावी कार्रवाई का कारण नहीं हैं और इनके लिए अन्य प्रमाणों तथा सूचनाओं के परीक्षण की आवश्यकता है। लेकिन सवाल है कि फिर ऐसे लोगों का नाम क्यों शामिल किया गया है जिनको कभी आपराधिक गतिविधि के योग्य नहीं समझा गया था? यह आरोप तीन छात्रों द्वारा बताए खुलासों पर आधारित हैं जिन पर स्वयं समस्या पैदा करने के आरोप हैं। दूसरे वैचारिक ध्रुव वाले माकपा नेता सीताराम येचुरी पर दंगे उकसाने का आरोप है। इसी प्रकार अर्थशास्त्री व प्रोफेसर जयति घोष तथा स्वराज अभियान के योगेन्द्र यादव पर छात्रों को विरोध के लिए उकसाने का आरोप है। इससे स्पष्ट है कि मुक्त अभिव्यक्ति के संवैधानिक अधिकार का प्रयोग कर लोकतांत्रिक भावना से विरोध करने या भिन्न राजनीतिक दृष्टिकोण रखने वाले के लिए खतरा हो सकता है। पूरा मामला इसलिए चिन्ताजनक हो जाता है कि इसमें विरोधी विचार रखने वाले व दंगाई के बीच अंतर समाप्त कर विरोधी को षडयंत्रकारी तथा बहस करने वाले को विवाद पैदा करने वाला बता दिया जाता है। इस प्रकार दंगों पर तथ्यों व कल्पना के बीच विभाजक रेखा धुंधली हुई है तथा शायद जनता से सच्चाई के अनेक आयाम छिपाए गए हैं। इस प्रकार सरकारी विमर्श में दंगों को एक प्रकार के सांप्रदायिक गुस्से की अभिव्यक्ति बताया गया है।

दिल्ली पुलिस गहराई से जांच करने में सक्षम है, पर शायद उसे एक खास विमर्श पर चलने का दबाव डाला जा रहा है। यदि पुलिस ऐसे दबाव में है तो यह परिघटना प्रदर्शनकारियों के प्रति अन्य राज्यों में भी दिख सकती है। आधिकारिक विमर्श के कारण पुलिस जेएनयू में हिंसा पर भी स्पष्ट निर्णय नहीं ले सकी है। इस प्रकार उसकी संगठनात्मक निष्ठा तथा संविधान द्वारा दिए अधिकार के क्रियान्वयन पर सवाल उठते हैं। ऐसा इस तथ्य के बावजूद है कि दंगों के अनेक चश्मदीद तथा वीडियो रिकार्ड मौजूद हैं। उदाहरण के लिए, गुस्सा भीड़ को जेएनयू परिसर में छात्रों की पिटाई करते हुए देखा गया है। इससे घटनाक्रम तथा स्वयं सरकार की अपनी रिपोर्टों व आंकड़ों पर सवाल उठते हैं कि इन दंगों से अल्पसंख्यक सर्वाधिक प्रभावित हुए थे। पुलिस ने उन लोगों पर निशाना लगाया है जो संभवत: न्याय के लिए संघर्ष कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि केन्द्र के प्रतिनिधि के रूप में तत्कालीन उप राज्यपाल अनिल बैजल ने दिल्ली पुलिस द्वारा सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय में पैरवी करने वाले वकीलों के बारे में दिल्ली कैबिनेट का निर्णय खारिज कर दिया था। आप सरकार बार-बार कह चुकी है कि दिल्ली पुलिस उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है और वह जन-आलोचना के बावजूद दंगों पर पुलिस या गृह मंत्रालय के दृष्टिकोण का विरोध नहीं करती है। उसका तर्क था कि अदालतों द्वारा दंगों की जांच पर दिल्ली पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाने के बाद पैरवी करने वाले वकीलों को सरकार-समर्थक नहीं होना चाहिए। दिल्ली सरकार इसमें अपनी कानूनी टीम लगाना चाहती थी। क्या इसका अर्थ है कि केन्द्र सरकार सुनवाई व जांच की दिशा तथा जनता के सामने पेश की जाने वाली तस्वीर के बारे में अपना दृष्टिकोण थोपने का प्रयास कर रही थी? क्या वह प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए उनको देशद्रोही के रूप में पेश करना चाहती थी? ऐसे में दिल्ली पुलिस को पूरी सच्चाई सामने ला कर कानून का शासन स्थापित करने का काम निर्भय होकर करना चाहिए।

सोनिया गांधी की निरंतरता

सोनिया गांधी को स्वीकार करना चाहिए कि चाटुकार कार्यकर्ताओं का युग बीत गया और इसका कारण भी समझना चाहिए। केवल पार्टी में विभाजन से ही अब गांधी परिवार का नेतृत्व बच सकता है।

संध्या जैन
(लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं)

सोनिया गांधी की निरंतरता व प्रतिबद्धता आश्चर्यजनक है। वे राजनीति में वंशवाद के सिद्धान्त की पक्की समर्थक हैं। उन्होंने पहले अपने बेटे राहुल गांधी को जनवरी, 2013 में पार्टी का उपाध्यक्ष बना कर अपनी गोपनीय इच्छा प्रकट कर दी थी। इसके बाद 2014 के आम चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन के बावजूद दिसंबर, 2017 में उनको कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया गया। इसका पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पूरी तरह समर्थन किया जिनमें वरिष्ठ नेता भी शामिल थे। थोड़े समय के लिए लगा कि पार्टी में सब कुछ ठीक हो गया है। अब बंद हो चुकी कंपनी कैम्ब्रिज एनालिटिका की सलाह पर पार्टी ने 2013 में जल्दी-जल्दी कर्नाटक, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में चुनाव भी जीत लिए थे।

लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव में भयानक पराजय के पश्चात भावनाओं में आ कर राहुल गांधी द्वारा पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफे के बाद चीजें बिगड़ने लगीं। परंपरागत रूप से पद पर लौटने की अपीलों के बावजूद राहुल द्वारा इस्तीफा वापस न लेने तथा सोनिया गांधी के लंबे समय तक पार्टी का अंतरिम अध्यक्ष बने रहने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं दिख रहा है। इस कारण असंदिग्ध रूप से अनेक अन्य लोगों के समर्थन के साथ 23 वरिष्ठ नेताओं ने दृश्यमान व प्रभावी नेतृत्व की मांग की जो नेताओं की पहुंच में हो तथा केवल एक छोटे गिरोह द्वारा संचालित न हो।

समस्या समाधान के लिए 24 अगस्त, 2020 को आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति-सीडब्लूसी की बैठक में गांधी परिवार की प्रमुख चिन्ता पार्टी पर अपना कब्जा बनाए रखने के रूप में सामने आई। कल्पना थी कि इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने के खिलाफ सोनिया गांधी ने 'एक शेरनी की तरह संघर्ष किया' था। समर्थकों द्वारा प्रचारित यह कल्पना इस तथ्य के बावजूद थी कि इंदिरा गांधी की हत्या से पहले ही राजीव गांधी कांग्रेस सांसद थे और वे तीन साल तक इस तरह काम कर चुके थे। इसके बाद सीताराम केसरी की अपमानजनक विदाई हुई। इसी प्रकार 'सत्ता जहर है' कथन की समाप्ति इस तथ्य से हुई कि सत्ता ही राजनीतिक जीवन का अमृत है।

राज्यसभा में पार्टी के उप-नेता आनन्द शर्मा ने बताया कि कैसे 2019 में पराजय के बाद आत्मावलोकन नहीं हुआ, राहुल गांधी द्वारा इस बात पर जोर दिए जाने के बावजूद कि परिवार से कोई पार्टी अध्यक्ष नहीं होगा तथा 10 अगस्त को सोनिया गांधी का कार्यकाल समाप्त होने के बावजूद उनको कैसे एक रणनीति के अंतर्गत इस पद पर बने रहना पड़ा। हालांकि, इसे कभी सार्वजनिक रूप से नहीं कहा गया, पर राहुल गांधी का अमेठी से पलायन कर केरल की वायनाड सीट के चयन व संसद पहुंचने के लिए इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग पर पूर्ण निर्भरता ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को बता दिया है कि वे कांग्रेस को चुनावी वनवास से वापस नहीं ला सकते हैं। यदि उनकी माताजी परिदृश्य से हट जाती हैं तो वे दोबारा वायनाड या रायबरेली से चुनाव नहीं जीत सकते हैं।

सीडब्लूसी की बैठक में किसी ने वायनाड सांसद को वापस आने के लिए नहीं कहा। इससे सोनिया गांधी ने समझ लिया कि अब राहुल गांधी को शिखर पर लाने में और देर करना ठीक नहीं होगा। 27 अगस्त को उनके द्वारा उठाए कदमों से उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट होती है। जयराम रमेश को राज्यसभा में मुख्य सचेतक व गौरव गोगोई को उप-नेता तथा लोकसभा में रवनीत सिंह बिट्टू को सचेतक बनाया गया। इसके साथ ही अहमद पटेल व के.सी. वेणुगोपाल को एक समिति में शामिल किया गया जो संसद में कांग्रेस की रणनीति बनाएगी।

अपने भावी वारिस के साथ चिकित्सा जांच के लिए विदेश जाने से एक दिन पहले सोनिया गांधी ने बड़े फेरबदल की घोषणा की जिसका उद्देश्य राहुल गांधी को स्थापित करना है। कम से कम वर्तमान समय में विरोधी वरिष्ठ नेताओं को उखाड़ दिया गया है। पार्टी अध्यक्ष के चुनाव के लिए केन्द्रीय चुनाव अथारिटी-सीईए का पुनर्गठन किया गया है। मधुसूदन मिस्त्री के नेतृत्व में इसके सदस्यों में राजेश मिश्रा, कृष्ण बायरे गौड़ा, एस. जोतिमानी व अरविंदर सिंह शामिल हैं।

पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले गुलाम नबी आजाद, आनन्द शर्मा, मुकुल वासनिक व जितिन प्रसाद को सीडब्लूसी में बनाए रखा गया है, पर सदस्यों के नामांकन के बजाय इस संस्था में चुनाव की मांग खारिज कर दी गई है। 22 सदस्यों वाली सीडब्लूसी में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, राहुल गांधी, ए.के. एंटनी, अहमद पटेल, अंबिका सोनी व पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम शामिल हैं जिनकी आश्चर्यजनक यप से स्थाई आमंत्रित से पदोन्नति हुई है। आमंत्रितों में दिग्विजय सिंह, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, प्रमोद तिवारी व चिन्ता मोहन शामिल हैं। ये सभी खुशी से राहुल गांधी के पीछे खड़े होंगे।

जितिन प्रसाद को पश्चिम बंगाल तथा अंडमान व निकोबर द्वीपसमूह में पार्टी का इन्चार्ज बनाया गया है। संभवत: यह दूर हो चुके राहुल गांधी समर्थकों को वापस लाने का प्रयास है। लेकिन गुलाम नबी आजाद व मल्लिार्जुन खड़गे को महासचिव पद से हटाया गया है तथा रणदीप सुरजेवाला को कर्नाटक, जितेन्द्र सिंह को असम तथा तारिक अनवर को केरल व लक्षद्वीप से शामिल किया गया है। महासचिव बनाए रखे गए अन्य लोगों में पंजाब से हरीश रावत, उत्तर प्रदेश से प्रियंका गांधी वाड्रा, आंध्र प्रदेश से ओमन चांडी, राजस्थान से अजय माकन तथा संगठन से के.सी. वेणुगोपाल शामिल हैं। इनमें से शायद किसी पदाधिकारी का चुनावी महत्व नहीं है।

कांग्रेस ने हमेशा उच्च पदों पर नियुक्ति का अधिकार सौंपा है। सोनिया गांधी ऐसे समय अपना पद नहीं छोड़ेंगी जब परिवार पार्टी के भीतर अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रहा है। उन्होंने 6 महीने के भीतर अखिल भारतीय कांग्रेस समिति-एआईसीसी के अगले सत्र तक दिन-प्रतिदिन के काम में सहायता के लिए पांच सदस्यों वाली विशेष टीम बनाई है। इसमें ए.के. एंटनी, अहमद पटेल, अंबिका सोनी, के.सी. वेणुगोपाल, रणदीप सुरजेवाला व मुकुल वासनिक शामिल हैं।

स्वाभाविक रूप से इन कदमों ने विरोधियों को और निराश किया है। पूर्व मंत्री कपिल सिब्बल ने दुख प्रकट किया कि 'नामांकन नियम है और चुनाव अब अपवाद भी नहीं रहा।' विरोधियों ने मीडिया को बताया कि अंतरिम अध्यक्ष द्वारा किए गए परिवर्तन 'किसी प्रकार' 7 अगस्त को पत्र में लिखे गए मुद्दों को संबोधित नहीं करते हैं और इनसे पार्टी पुनर्जीवित नहीं होगी। वास्तव में 12 सितंबर, 2020 की बैठक में अनेक नए लोग शामिल हुए जो पार्टी में सोनिया गांधी के तानाशाही नियंत्रण के लिए शुभ संकेत नहीं है।

प्रेक्षकों का मानना है कि हालिया उलटफेर का लाभ राहुल गांधी समर्थकों, जैसे रणदीप सिंह सुरजेवाला, अजय माकन व जितेन्द्र सिंह जैसे लोगों को मिला है। इसका एकमात्र उद्देश्य सोनिया गांधी की वापसी के बाद वायनाड सांसद का कांग्रेस अध्यक्ष पद पर पुन: आगमन आसान बनाना है। लेकिन तथ्य यह है कि अल्पसंख्यकों के पक्ष में गलत वैचारिक झुकाव को संबोधित करने के लिए कुछ नहीं किया गया है। इसके साथ ही ऐसे नेताओं को आकर्षित करने में पार्टी की अक्षमता भी अनेक लोगों की नजरों में स्पष्ट है जो मतदाताओं को देश की सबसे पुरानी पार्टी के साथ वापस ला सकते हों।

सोनिया गांधी की अनुपस्थिति में विरोधियों ने संसद के मानसून सत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार पर निशाना लगाने व प्रतीक्षा करने का फैसला किया है। कांग्रेस संस्कृति से एकदम अलग हटते हुए उन्होंने किसी मुद्दे पर अपना दृष्टिकोण नरम नहीं किया है, न वे इससे पीछे हटे हैं। उन्होंने अपनी शक्ति भी बढ़ाई है। सोनिया गांधी को यह तथ्य स्वीकार करना होगा कि अब चाटुकार कार्यकर्ताओं का युग बीत गया है। आलाकमान को इसका कारण समझना चाहिए। ऐसे में केवल कांग्रेस पार्टी में विभाजन ही गांधी परिवार के नेतृत्व को बचा सकता है।

कोविड से निबटने के भारतीय तरीके

> "विनियमन के देसी प्रतिरूप की बेजोड़ विशेषताएं होती है कि सामग्री मूर्खतापूर्ण होने के बावजूद भी देखी जाती है।"

विनयशील गौतम
(लेखक जाने-माने प्रबंध परामर्शदाता हैं)

पिछले छह महीनों में संचार के उद्देश्य से इंटरनेटयुक्त मंचों के इस्तेमाल में चरघातांकीय वृद्धि हुई है। शायद प्रतिमाह होने वाले सम्मेलनों की तुलना में प्रति सप्ताह वेब सम्मेलन ज्यादा हुए हैं, पूर्व वर्षों में प्रत्येक में, जहां किसी भी महीने का उदाहरण के तौर पर लिया जा सकता है। यह समझ में आता है क्योंकि लाकडाउन की शुरुआती गंभीरता क्षीण होना प्रारम्भ हो गई तथा विनियमनों के अतिउत्साह के चलते आवश्यक सहायता के बगैर दीर्घकालीन नुकसान हुए, धीरे-धीरे यथार्थवादिता का भाव परिदृश्य का हिस्सा बन गया। ऐसी बीमारी से निबटना जहां बचाव ही एकमात्र रणनीति थी तथा निष्ठुर व्यक्तिगत त्रासदी एक वास्तविक संभाव्यता, ऐसे में कथित नवीन सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने की शुरुआत करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं था। यदि इस प्रक्रिया में संक्रमण कई गुना बढ़ जाते हैं और नियंत्रण से बाहर का जोखिम पैदा होता है, तो यह ऐसी कीमत थी जिससे बचा नहीं जा सकता।

खान-पान की सुविधाएं खुलने लगीं और सार्वजनिक परिवहन वापस पटरी पर आ गया। जो लोग हवाई यात्रा के बगैर काम नहीं कर सकते वे वापस विमानों में उड़ने लगे। मानक लागू किए जाने के बजाए सिर्फ जुबानी रह गए। खबरों से पता चला कि दो जुड़े हवाई अड्डे, जिन्हें सिस्टर एयरपोर्ट कहा जाता है और मिलती-जुलती एजेंसियों व मानव शक्ति द्वारा उनका प्रबंधन किया जाता है तथा एकसमान एयरलाइनों द्वारा सेवा प्रदान की जाती है, कम से कम 10 सितम्बर को, उन्होंने दो पूर्णत: विपरीत दृश्य प्रस्तुत किए। जम्मू हवाई अड्डे पर लंबी कतारें, जबकि श्रीनगर हवाई अड्डे पर ज्यादा संगठित व्यवस्था। जम्मू हवाई अड्डे पर, लोगों को कंधे से कंधा जोड़कर खड़े होने पर विवश होना पड़ा। इस प्रक्रिया में यदि वे वायरस संक्रमित हो जाएं अथवा दूसरे को संक्रमित कर दें, तो बचाव कैसे होगा? व्यवस्था, मोबाइल नंबर समेत निजी विवरण जानना चाहती थी। यह कैसे पता चलेगा कि दिया गया मोबाइल नंबर वास्तविक है?

विनियमन के भारतीय प्रतिरूप की कई अद्वितीय विशेषताएं हैं, जैसे कि स्वरूप का अवलोकन करना

होगा भले ही मूर्खतापूर्ण लगे। यह वाकई समझने योग्य दृष्टिकोण है क्योंकि परिस्थितियों की मांग है कि प्रक्रियाओं को अवलोकन हेतु दर्शाया जाए। यदा कदा कोई विस्तारित रूप में चिकित्सा साक्षरता बढ़ाने की बात करता है और कोई सार्वजनिक स्वास्थ्य रक्षा प्रणालियों के बारे में बोलता है। कभी कभार, कोई चिकित्सा शिक्षा पाठ्यक्रम में संशोधन किए जाने का सुझाव देता है। सच कहें तो ऐसा कदापि नहीं लगता कि कोई गंभीरतापूर्ण प्रयास किया गया हो। यह लेख लिखते समय, उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों को पुन: खोले जाने संबंधी दिशा निर्देश जारी किए जा रहे थे। कक्षा संबंधी गतिविधियों को पृथक-पृथक रूप से किया जाना है जिससे शारीरिक दूरी बनाए रखी जा सके और कक्षाओं को विसंक्रमित किया जाएगा, आदि। यह निर्देशित किया गया है कि डेस्कों के बीच छह फीट की दूरी रखी जाए। यह अनिवार्य है कि अकादमिक समय सारिणी में नियमित कक्षा अध्यापन तथा आनलाइन शिक्षण का सम्मिश्रण रहेगा। मगर यह कोई नहीं देखता है कि एक औसत शिक्षण संस्थान में कितने वर्ग मीटर की जगह उपलब्ध है? अस सत्ता की आत्मसंतुष्टि के लिए सबकुछ हो रहा है। लोग इसका सराहना करने को तैयार हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि कुछ सुविधाएं मिल जाएंगी। दिशा निर्देशों के दस्तावेज में लिखा गया है : ''कौशल तथा उद्यमिता प्रशिक्षण प्रदान करने वाली संस्थाएं, उच्चतर शिक्षा संस्थान जो चिकित्सीय एवं परास्नातक पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं वे आनलाइन तथा दूरस्थ शिक्षा सुनिश्चित करेंगे।'' दस्तावेज में तो यहां तक सुझाव दिया गया है कि किसी भी प्रकार के बाहरी स्थान का इस्तेमाल किया जाए और उपकरणों को वहां पर रखा जाए। ऐसी बुद्धिमत्ता टिप्पणी करने योग्य भी नहीं है।

स्थिति की सच्चाई यह है कि किसी भी प्रकार की रोकथाम के मानकों के अभाव में, पुष्टिकारी तौर पर, कोई नहीं जान सकता कि भविष्य कैसा होने वाला है। प्रयास केवल एक खांचे तक सीमित हैं। थोड़े आश्चर्य की बात है कि 9 सितम्बर को, भारत में कोविड संक्रमण के मामले इस ग्रह पर मौजूद किसी भी देश की तुलना में सर्वाधिक थे। आधिकारिक प्रतिक्रिया बड़ी तेजी से आई कि होने वाली मौतों का प्रतिशत कम है। यह बहस तो शुरू भी नहीं किया जानी चाहिए थी। यथार्थ में, बहुत से स्थानों पर किसी भी प्रकार का शिक्षण प्रारम्भ नहीं हुआ है। केवल मिश्रित दृष्टिकोण का डंका पीटा जा रहा है लेकिन पाठ्यक्रम की सामग्री को छुआ तक नहीं गया है।

एक क्षेत्र के रूप में शिक्षा कोई अनुसरण का क्षेत्र मात्र नहीं है जहां हर कोई अधिकार तथा विश्वास के साथ चल सकता है। यह एक विशेषज्ञ व्यवस्था का प्रबंधन है तथा पर्याप्त संख्या में नियोजन, विकास एवं क्रियान्वयन करने हेतु विशेषज्ञों की पहचान किया जाना इसकी पूर्वापेक्षा है। शक्तियां दावा करती हैं कि शिक्षा नीति पर दो लाख से अधिक लोगों की टिप्पणियां आई हैं। यह शानदार है। मुख्य लोगों का समूह कहां है, कैसी विशेषज्ञता रखते हैं जिससे कि वे प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन कर सकें? कुछ भी हो एक अच्छा आकांक्षामूलक दस्तावेज उभरकर आया है। अब आवश्यकता है उसे कियात्मक स्तर पर रूपांतरित करने की। यदि दूरदृष्टि स्पष्ट हो और प्रक्रिया का मुद्दा स्पष्ट हो तो पुनर्जन्म संभव है।

आप की बात

राहुल गांधी के सवाल

नेहरू-गांधी खानदान के चश्मे-चिराग तथा कांग्रेस के पूर्व (और भावी) अध्यक्ष राहुल गांधी ने नरेन्द्र मोदी से पूछा है कि वे चीन से अपनी खोई भूमि कब वापस ले रहे हैं? यदि राहुल जी कार्टून नेटवर्क या पोगो देखने से समय बचाकर कुछ समाचार चैनल देख लेते तो उन्हें जानकारी मिल गयी होती कि नेहरु के समय में जो जमीन भारत ने चीन के हाथों गवां दी थी, वह मोदी सरकार वापस लेना शुरू कर चुकी है। पेंगोंग झील के दक्षिण तथा पूर्व में ब्लैक टॉप, हेलमेट टॉप, फिंगर 4 से फिंगर 8 तक की सामरिक रूप से महत्वपूर्ण चोटियां सब हमारी सेना कब्ज़ा कर चीनी फौज में दहशत पैदा कर चुकी है। इसकी तुलना 1984 में हमारी सेना द्वारा सियाचिन पर अधिकार करने से की जा सकती है। अब स्थिति ये है कि तिब्बत-शिनजियांग राजमार्ग संख्या 219, जो चीन ने 1952-59 में भारतीय भूमि पर बनाया था, उस पर भारत पुन: अधिकार कर सकता है। यानी नेहरु के पापों का निरंतर दंड भुगतना भारत बंद कर देगा। इससे बढ़कर हिंदुस्तान के लिए हर्ष की बात क्या होगी? तो पप्पूजी, जरा आप भी हर्षित हो जाइए। भारत के गौरव में वृद्धि पर नहीं तो इस बात पर कि आपके परदादा को मिलने वाली गालियां जल्दी ही कम हो जाने वाली हैं।

– **आस्था गर्ग,** मेरठ

राफेल से बढ़ी ताकत

आज दुनिया भले ही कोरोना के कारण संकट से जूझ रही है मगर संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति मंडराते खतरों से रक्षा के लिए अत्याधुनिक सुरक्षा उपकरणों का सहारा लेना ही पड़ेगा। अच्छे खासे सद्भाव के चलते उसमें कब खलल पड़ जाए कहा नहीं जा सकता। भारत चीन के बीच मई और सितंबर माह में सीमा पर हुई झड़पों नें कम से कम एक संदेश तो दे दिया कि भाई-भाई का नारा देने वाली मानसिकता अपने स्वार्थ के लिए किसी भी पल विनाश को आमंत्रण दे सकती है। गनीमत यही रही कि भारत ने संयम बरता। अंदर से मजबूत हमारी सुरक्षा ताकत के बावजूद राफेल की खरीदी से चीन को चिंता जरूर हुई है। फ्रांस से करार के अनुसार राफेल की आपूर्ति हमारी वायुसेना की अत्याधुनिक युद्धक शक्ति में बढ़ोतरी के रूप में हुई है। राफेल का भारतीय वायुसेना में शामिल होना हमारी सीमाओं की कड़ी निगरानी और दुश्मन देशों को चेतावनी है। डबल इंजन प्रणाली से संचालित राफेल की शक्ति भी अपार है। इसमें 1 मिनट में 60 हजार फीट ऊंचा उड़ने की क्षमता है तो यह 17000 किलोग्राम फ्यूल की क्षमता रखता है। राफेल में परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता तो है साथ ही इसमें हवा से हवा में मार करने वाली आधुनिक क्षमता भी है।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

एक कदम समानता की ओर

जो तुझसे लिपटी बेड़िया, समझना उनको वस्तु तुम, ये बेड़िया पिघाल के बना ले उनको शस्त्र तू ! हाल ही में प्रधानमंत्री ने महिलाओं के विवाह सम्बन्धी उम्र को 18 से 21 तक वृद्धि करने पर विचार का प्रावधान रखा जो बेहद प्रशंसनीय कदम है। यूनीसेफ की रिपोर्ट के अनुसार भारत देश में हर वर्ष करीब 15 लाख नाबालिग लड़कियां छोटी सी उम्र में विवाह के हत्थे चढ़ जाती है। ऐसी नाजुक अवस्था में उसके मासूम कंधो पर जिम्मेदारी का बोझ डालकर जीवन में कई बंदिशे लगा दी जाती हैं। एक सर्वे के अनुसार जिन लड़कियों का विवाह 18 वर्ष से कम उम्र में तय की जाती है उनमें लगभग 45 प्रतिशत अत्यंत निर्धन परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नाबालिग अवस्था में विवाह होने के कारण वे शारीरिक तथा मानसिक दोनों ही रूप में अपरिपक्व होती है। यदि हालिया रिपोर्ट पर गौर किया जाए तो देश में 10,0000 शिशु पर मातृत्व मृत्यु डर करीब 145 है जो बेहद चिंता का विषय है। भारत की शिशु मृत्यु दर की रिपोर्टानुसार 1000 में करीब 30 अबोध शिशु 1 वर्ष की आयु पूर्ण करने के पश्चात ही जान गवां देते है।

– **आस्था मुकुल**, रांची

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

तकनीक ने सदैव मुझे नए स्वरूपों को अपनाने का अवसर दिया है और अब मैं प्रशंसकों के लिए नए ध्वनि अनुभव सृजित करने को लेकर रोमांचित हूं।

– **अमिताभ बच्चन**
अभिनेता

ये तीन अध्यादेश काले कानून हैं जो सोची समझी रणनीति के तहत कृषि को दरबारी पूंजीवाद का बंधक बनाने के लिए लाए गए हैं।

– **रणदीप सुरजेवाला**
कांग्रेस नेता

कल हम वापस स्कूल जाने वाले लाखों बच्चों का स्वागत करेंगे। यह सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता व जिम्मेदारी है कि प्रत्येक बच्चा सुरक्षित स्कूल पढ़ने जाए।

– **इमरान खान**
पाकिस्तानी प्रधानमंत्री

संचारी रोगों के नियंत्रण में चौकसी बरतें: सीएम

● प्रदेश में 1 से 31 अक्टूबर तक चलेगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जेई, एईएस तथा अन्य संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पूरी तैयारी समयबद्ध ढंग से किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि संचारी तथा विषाणुजनित रोगों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता न बरती जाए। सभी सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें। विदित हो कि 1 से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान् एवं 1 से 15 अक्टूबर तक दस्तक अभियान पूरे प्रदेश में संचालित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने लोक भवन में एईएस, जेई तथा अन्य संचारी रोगों के नियंत्रण के पर सम्बंधित विभागों के साथ बैठक करते हुये कहा कि अभी से कार्य योजना बनाकर कोरोना महामारी के दृष्टिगत सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए संचारी रोगों के नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 में जेई व एईएस से 466 बच्चों की मृत्यु हुई थी, वहीं वर्ष 2020 में यह संख्या 7 रही। जो दर्शाती है कि प्रदेश सरकार की संचारी रोगों के प्रति अपनायी गयी रणनीति कितनी सफल रही। उन्होंने कहा कि पिछले 3 वर्षों के दौरान राज्य सरकार द्वारा किए गए प्रयासों से जेई व एईएस के नियंत्रण पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, जो देश व दुनिया के लिए उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में पूरा विश्व वैश्विक महामारी कोविड.19 से त्रस्त है। ऐसे में कोरोना के कारण इस वर्ष जिन बच्चों का नियमित टीकाकरण छूट गया है, ऐसे वंचित शिशुओं का चिन्हीकरण कर उनका टीकाकरण कराया जाए। मुख्यमंत्री ने सम्बन्धित विभागों से इन रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के सम्बन्ध में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने इन रोगों के उपचार व नियंत्रण के लिए प्रशिक्षण पर बल देते हुए कहा कि संचारी रोगों के नियंत्रण में प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में, सभी जनपदों में स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण करते हुए आवश्यक उपकरणों एवं स्टाफ की व्यवस्था समयबद्ध ढंग से पूरी तैयारी के साथ उपलब्ध होनी चाहिए। कालाजार, डेंग, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि संचारी रोगों के सम्बन्ध में नियंत्रण एवं बचाव के साथ-साथ जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। योगी ने कहा कि जेई व एईएस वेक्टर जनित रोग हैं। इसलिए इनकी रोकथाम के लिए विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए किए जा रहे सैनिटाइजेशन से जेई व एईएस तथा संचारी रोगों के नियंत्रण में भी मदद मिलेगी। आंगनबाड़ी तथा आशा वर्करों की मदद से बच्चों एवं महिलाओं को इन रोगों के सम्बन्ध में जागरूक किया जाए तथा उनके पोषण की भी व्यवस्था हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा विभाग आनलाइन क्लासेज के माध्यम से विद्यार्थियों को जेई व एईएस के सम्बन्ध में जागरूक करे। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के छात्र, जो एनसीसी, एनएसएस अथवा स्काउट में प्रतिभाग कर रहे हैं, उनसे कोविड वालेन्टियर्स के रूप में सेवाएं ली जाएं। उन्होंने कहा कि जेई व एईएस के कारण शारीरिक व मानसिक दिव्यांगता उत्पन्न होती है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। वह इसकी पूरी मानीटरिंग करे।

देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करें इंजीनियर: केशव

● उपमुख्यमंत्री ने किया विश्वेश्वरैया द्वार व मल्टी लेवल पार्किंग का शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा है कि इंजीनियर विश्वेश्वरैया के जीवन से सीख और प्रेरणा लेकर देश व प्रदेश के शैक्षिक, सामाजिक व आर्थिक उत्थान में महत्वपूर्ण योगदान दें और देश को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का काम करें। उन्होंने इंजीनियरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इंजीनियर विश्वेश्वरैया, श्रीधरन और भाभा जैसे इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की परंपरा के वाहक हैं। उपमुख्यमंत्री मंगलवार को लोक निर्माण विभाग मुख्यालय स्थित विश्वेश्वरैया हाल में भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की 160वीं जयंती पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पीडब्ल्यूडी मुख्यालय पर विश्वेश्वरैया के नाम से एक करोड़ नौ लाख की लागत से बनने वाले भव्य द्वार और 19 करोड़ की लागत से बनने वाली मल्टी लेवल पार्किंग का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि विकास के प्रथम चरण में रोड कनेक्टिविटी होना बहुत जरूरी है। वर्तमान सरकार ने इस दिशा में उत्साहजनक परिणाम दिए हैं। उपमुख्यमंत्री ने सभी कार्यरत व सेवानिवृत्त अभियंताओं को शिल्पकार की संज्ञा देते हुए अभियन्ता दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान विश्वेश्वरैया के जीवन दर्शन पर आधारित एक डाक्यूमेन्ट्री फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। विभागीय पत्रिका का और उसके ई.संस्करण का और उत्तर प्रदेश इंजीनियर्स एसोसिएशन की पत्रिका न्यूज लेटर का विमोचन भी हुआ। उप मुख्यमंत्री ने उल्लेखनीय कार्य करने वाले इंजीनयरों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सौ कार्मिकों को यह सम्मान दिया गया। प्रमुख सचिव नितिन रमेश गोकर्ण ने कहा कि विश्वेश्वरैया ने सामाजिक क्षेत्र में भी बहुत बड़ा योगदान किया था। समारोह को सचिव रंजन कुमार व समीर वर्मा, विभागाध्यक्ष राजपाल सिंह, प्रमुख अभियन्ता एके जैन ने संबोधित किया।

इंजीनियर विकास की धुरी: महेन्द्र सिंह

● सिंचाई विभाग की जमीनों पर एक इंच भी अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा: जलशक्ति मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

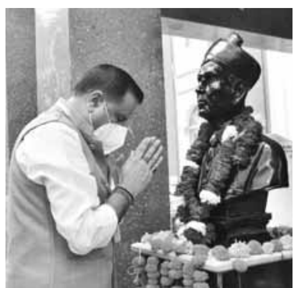

प्रदेश के जलशक्ति मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह ने भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की 160वीं जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर अभियन्तागण सिंचाई विभाग को देश का नंबर-1 विभाग बनाने का संकल्प लें। उन्होंने कहा कि इंजीनियर विकास की धुरी हैं और देश के निर्माण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए उनका दायित्व है कि अपनी दक्षता का अधिकतम उपयोग करते हुए सिंचाई विभाग की समस्त योजनाओं का लाभ आमजनता तक पहुंचाने का हर संभव प्रयास करें।

जलशक्ति मंत्री मंगलवार को सिंचाई विभाग के मुख्यालय पर विश्वेश्वरैया की जयंती पर आयोजित अभियन्ता दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि की हैसियत से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अभियन्ताओं को दायित्व एवं कर्तव्यबोध का स्मरण कराते हुए श्रीमद्भगवत गीता एवं रामचरित मानस का उदाहरण देते हुए कहा कि अपने कार्यों से विश्वेश्वरैया की तरह एक अलग पहचान बनाने का प्रयास करें। डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि अभियन्ताओं को काम करने के मामले में पूरी छूट एवं संरक्षण प्रदान किया जायेगा। बशर्ते अपने कार्यों में पूरी पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का हर स्तर पर अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अधिशासी अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता की डीपीसी, मृतक आश्रितों की नियुक्ति तथा पेंशन संबंधी आदि देयों का समय भुगतान सुनिश्चित कराया जायेगा। किसी को भी कहने जरूरत नहीं पड़ेगी।

डॉ. महेन्द्र सिंह ने कहा कि सिंचाई विभाग की जमीनों पर एक इंच भी अवैध कब्जा नहीं होने दिया जाएगा। अभियान चलाकार 1900 हेक्टेयर जमीन खाली करायी गयी है। आगे कोई अवैध कब्जा न कर सके इसकी जिम्मेदारी संबंधित अभियन्ता की होगी। उन्होंने सींचपालों व जूनियर अभियन्ताओं को अपने तैनाती स्थल पर हर समय मौजूद रहने की हिदायत दी। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि जहां तक संभव हो नहरों की सफाई के लिए मानव संसाधन का उपयोग किया जाए। जेसीबी से नहर की खूबसूरती बिगड़ जाती है एवं पर्यावरण को क्षति पहुंचती है।

सीआईएसफ की तर्ज पर काम करेगा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल: अवस्थी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अपर मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा नव गठित उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल अधिनियम-2020 के अंतर्गत कोई नया प्राविधान नहीं किया गया है, बल्कि केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसफ) को प्रदत्त शक्तियों की तर्ज पर उत्तर प्रदेश में गठित इस विशेष सुरक्षा बल को भी शक्तियां प्रदान की गयी है।

अपर मुख्य सचिव ने मंगलवार को बताया कि उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल को मेट्रो रेल, न्यायालय, एयरपोर्ट, बैंक व अन्य वित्तीय संस्थानों आदि की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाएगा। उन्होंने बताया कि सरकारी गजट में प्रकाशित इस अधिनियम की धारा-10 के अनुसार बल का कोई सदस्य, किसी मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना तथा किसी वारण्ट के बिना ऐसे किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकता है, जो एक्ट की धारा-8 के अन्तर्गत उल्लिखित बल के सदस्यों के कर्तव्यों के निर्वहन में बाधा पहुंचाए, हमला करे, हमले की धमकी दे या आपराधिक बल आदि का प्रयोग करेगा। अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया है कि शासन की अधिसूचना में उल्लिखित धारा-10 में निर्दिष्ट यदि कोई अपराध किया गया है तो अपराधी को निकल भागने या अपराध के साक्ष्य को छिपाने का अवसर दिए बिना उसकी तलाशी बिना वारण्ट के ली जा सकती है तथा यह विश्वास होने पर कि उसके द्वारा अपराध किया गया है, तो उसकी गिरफ्तारी भी की जा सकती है।

इस अधिनियम के अधीन गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को पुलिस अधिकारी को सौंपना होगा या किसी पुलिस अधिकारी की अनुपस्थिति में गिरफ्तारी की परिस्थितियों को वर्णित करती हुई रिपोर्ट के साथ निकटस्थ पुलिस थाने पर ले जाने की व्यवस्था की जाएगी।

मोदी का राजनीतिक जीवन आदर्श राजनीति का सूत्रपात: स्वतंत्र देव

● सेवा सप्ताह के दूसरे दिन लोगों में बांटे गए चश्मे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर चलाये जा रहे सेवा सप्ताह के दूसरे दिन प्रदेश में कमजोर नेत्र दृष्टि वालों के लिए आंखों की जांच व चश्मे वितरित करने का कार्य किया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने लखनऊ की उत्तर विधानसभा में पार्टी द्वारा आयोजित आई चेकअप कैम्प में पहुंचकर जरूरतमंदों को चश्मे वितरित करके चश्मा वितरण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नरेन्द्र मोदी एक तपस्वी के रूप में कार्य कर रहे हैं जिनके परिवार का कोई भी सदस्य न तो किसी भी तरह की सरकारी सुविधा ले रहा है और न ही प्रधानमंत्री आवास में ही कोई रहता है। यह आदर्श राजनैतिक परम्परा का सूत्रपात है और वंशवादी राजनीति पर कठोर प्रहार भी है। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म गरीब परिवार में हुआ इसलिए वह गरीब, वंचित, शोषित, पिछड़े, दलित, उपेक्षित वर्ग का दर्द समझते हैं। वह जानते हैं कि एक गरीब के लिए पक्के मकान, शौचालय, गैस कनेक्शन, बिजली-पानी, बैंक के खाते तथा किसान के लिए सम्मान निधि की अहमियत क्या है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी को आप सभी लोगों का स्नेह और शक्ति के रूप में आशीर्वाद प्राप्त हो ताकि देश का विकास, गरीब की खुशहाली, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प और भी तेज गति से पूर्ण हो तथा मां भारती का विश्व में जयगान हो। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर को पार्टी सेवा सप्ताह के रूप में 14 से 20 सितम्बर तक मना रही है। प्रदेश के सभी जनपदों में रक्तदान के साथ ही प्लाज्मा डोनेट किया गया।

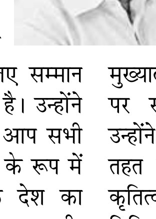

पार्टी के कार्यकर्ताओं ने लगभग 6000 यूनिट रक्तदान किया। प्रदेश के सभी जिलों में नेत्र परीक्षण के साथ चश्मा वितरण भी किया जा रहा है। बुधवार को पार्टी के कार्यकर्ता जिला मुख्यालय के 70 सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाएंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी सेवा सप्ताह के तहत नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को बेबिनार के माध्यम से डिजिटल प्लेटफार्म पर विभिन्न वर्गों के बीच लेकर पहुंचेगी।

प्रदेश में पुन: प्रभावी किया जाएगा व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ: डीजीपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने मंगलवार को डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस मौके पर संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय गुप्ता ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में सर्राफा व्यापारियों के साथ घटित घटनाओं के खुलासे की मांग की। इसके अलावा भविष्य में सर्राफा व्यापारियों के लिए सुरक्षा के विशेष प्रबंध करने की मांग की। उन्होंने साइबर अपराध के माध्यम से होने वाली घटनाओं में भुक्तभोगी की रकम की रिकवरी के उपाय करने की भी मांग की। डीजीपी ने व्यापारियों से उत्तर प्रदेश में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ को पुन: प्रभावी किए जाने का आश्वासन दिया। डीजीपी ने प्रतिनिधिमंडल को जानकारी दी कि प्रदेश के महानगरों में मॉकड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चुस्त दुरुस्त किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में पंकज अरोड़ा, अशोक बाजपाई व मनिंद्र सोनी शामिल थे।

पांच वर्षीय संविदा प्रस्ताव को लेकर कर्मचारी-शिक्षक करेंगे विधानसभा का घेराव

लखनऊ। कर्मचारी शिक्षक अधिकारी एवं पेंशनर्स अधिकार मंच ने सरकारी नौकरी की शुरुआत में पांच वर्ष की संविदा के प्रस्ताव पर आक्रोश जाहिर करते हुए कहा कि सरकार निरन्तर ऐसे कदम उठा रही है जिससे कर्मचारी-शिक्षक वर्ग को आर्थिक तथा मानसिक पीड़ा का समाना करना पड़ रहा है। कर्मचारी शिक्षक समाज को नकारा घोषित कर सरकार कर्मचारी शिक्षक संवर्ग की सामाजिक प्रतिष्ठा से भी खिलवाड़ कर रही है। ऊर्जा सहित कई विभागों को निजी करण की ओर ले जाने के लिए सरकार इस तरह के दमनात्मक कदम उठा रही है। मंच ने सरकार के सामने पॉच सवाल भी रखे हैं। इस सम्बंध में मंच की वीडियों कांफ्रेंसिंग में कर्मचारी शिक्षक नेताओं ने सरकार के इन मनमाने रवैये के खिलाफ अक्टूबर में विधानसभा घेराव से लेकर प्रान्त व्यापी आन्दोलन का निर्णय लिया है। विडियों कांफ्रेंसिंग के दौरान सुशील त्रिपाठी, इं. हरिकिशोर तिवारी, डा दिनेश चन्द्र शर्मा, यादवेन्द्र मिश्रा, सतीश कुमार पाण्डेय ने महत्वपूर्ण सुझाव रखे।

प्रत्येक मंडल में फैसिलिटेशन काउंसिल की स्थापना

● एमएसएमई इकाइयों के लम्बित भुगतान के कारण कार्यशील पूंजी में आने वाली समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए उठाया गया कदम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने एमएसएमई इकाइयों के लम्बित भुगतान के कारण कार्यशील पूंजी में आने वाली समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए प्रत्येक मण्डल में एक फैसिलिटेशन काउंसिल की स्थापना का निर्णय लिया है। इसके क्रियान्वयन के लिए मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय फैसिलिटेशन काउंसिल का गठन किया गया है। काउंसिल के स्वरूप, शक्तियां, कार्य प्रक्रिया आदि का निर्धारण करते हुए इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उद्योगों को सभी प्रकार की सुविधा हर स्तर पर देने के प्रयास किये जा रहे हैं। इसी क्रम में प्रत्येक मण्डल पर फैसिलिटेशन काउंसिल के गठन का फैसला लिया गया है।

अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम डा. नवनीत सहगल ने बताया कि काउंसिल में इण्डियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं लघु उद्योग भारती द्वारा नामित प्रतिनिधि तथा मण्डल मुख्यालय के लीड बैंक मैनेजर को सदस्य नामित किया गया है। मण्डल के संयुक्त आयुक्त, उद्योग काउंसिल के सदस्य सचिव होंगे। उन्होंने बताया कि फैसिलिटेशन काउंसिल को यथा संशोधित सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम की सभी शक्तियां प्राप्त होंगी। सभी मण्डलीय फैसिलिटेशन काउंसिल केन्द्रीय अधिनियम के अंतर्गत दी गई प्रक्रिया के अधीन कार्य करेंगे। सहगल ने बताया कि प्रदेश स्तरीय फैसिलिटेशन काउंसिल तथा मण्डल स्तरीय फैसिलिटेशन काउंसिल द्वारा दिये गये निर्णयों के विरूद्ध को भी संस्था अपील दायर करती है तथा अपील के अंतर्गत फैसिलिटेशन काउंसिल के आदेश पर स्थगन प्राप्त नहीं हुआ है तो ऐसी स्थिति में काउंसिल जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से भू-राजस्व के बकाये की वसूली के लिए वसूली-प्रमाण पत्र जारी कर सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रत्येक संयुक्त आयुक्त उद्योग कार्यालय में इस संबंध में एक रजिस्टर रखा जायेगा। इसमें प्रत्येक फैसिलिटेशन काउंसिल को प्राप्त होने वाले सभी प्रार्थना पत्रों को दर्ज किया जायेगा। प्रार्थना-पत्र प्राप्त होने पर दोनों पक्षों को सुनवाई के लिए मण्डलायुक्त द्वारा तिथि निर्धारित की जायेगी। दोनों पक्षों की सुनवाई के पश्चात अधिनियम में दी गई प्रक्रिया का पालन करते हुए अंतिम निर्णय लिया जायेगा। उद्यमियों की समस्याओं को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी मण्डलों में फैसिलिटेशन काउंसिल के स्थापना का निर्णय लिया है।

निर्बाध व सस्ती बिजली के लिए लाइन लॉस 15 प्रतिशत से नीचे लाना जरूरी: श्रीकांत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● ऊर्जा मंत्री ने की वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये हाई लाइन लॉस वाले शहरी व ग्रामीण उपकेंद्रों की समीक्षा

ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये जिलों के हाई लाइन लॉस वाले शहरी व ग्रामीण उपकेंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने हाई लॉस वाले उपकेंद्रों को रेड कैटेगरी से ग्रीन कैटेगरी में लाने और सस्ती व निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस कार्य में लापरवाही पाये जाने पर जवाबदेही तय की जाए। यूपीपीसीएल चेयरमैन इस लक्ष्य की लगातार मॉनिटरिंग करें।

ऊर्जा मंत्री ने रायबरेली के रोहनिया व इंदिरा नगर, शाहजहांपुर के मीरानपुर कटरा व काकरा, श्रावस्ती के भंगहा व इकौना, सीतापुर के मछरेहटा व ओल्ड सीतापुर, सुल्तानपुर के अलीपुर व कैम्पबूथ, उन्नाव के कालूखेड़ा व पीडी नगर हाई लॉस उपकेंद्रों की समीक्षा की। उन्होंने हाई लाइनलॉस फीडर्स वाले विद्युत उपकेंद्रों को रेड कैटेगरी से ग्रीन कैटेगरी में लाने और सस्ती बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सभी उपभोक्ताओं को सही बिल व समय पर बिल मिले। साथ ही सभी चिह्नित उपकेंद्रों की लाइन हानियों को 15 प्रतिशत से नीचे ले आएं। जिससे सस्ती, पर्याप्त और निर्बाध विद्युत आपूर्ति का संकल्प पूरा करने में आसानी हो। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि लाइन लॉस कम करने के लिये बिजली चोरी पर रोक लगना और समय पर बिल जमा करना बेहद जरूरी है। इसलिए यह संकल्प जन सहयोग से ही पूरा हो सकता है। इसके लिये स्थानीय जन प्रतिनिधियों का सहयोग लेकर आमजन को प्रेरित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि ईमानदार उपभोक्ता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। उन्हें सही व समय पर बिल मिले। अधिक बिल आने की शिकायतों को गंभीरता से लें, उनका समाधान करें और उपभोक्ता को संतुष्ट करें।

महिलाओं को उचित मंच दिए बिना देश का विकास संभव नहीं: आराधना मिश्रा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पार्टी कार्यालय में मनाया गया महिला कांग्रेस का 37वां स्थापना दिवस

कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने कहा है कि महिलाओं को उचित मंच दिये बिना भारत का विकास संभव नहीं है। महिलाओं की देश के विकास में भागीदारी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज के परिवेश में महिलाओं को अन्याय के खिलाफ डटकर मुकाबला करना होगा।

मोना मंगलवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित महिला कांग्रेस के 37 वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहीं थीं। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी को याद करते हुए उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस की स्थापना आज के 37 साल पहले इन्दिरा जी ने की थी।

इससे पहले महिला कांग्रेस के 37वें स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू, आराधना मिश्रा मोना एवं महिला कांग्रेस मध्य जोन की अध्यक्ष ममता चौधरी के नेतृत्व में झण्डारोहण किया गया। जिसमें भारी संख्या में महिला कांग्रेस की पदाधिकारी और कार्यकर्ता सम्मिलित रहीं। इस मौके पर अजय कुमार लल्लू ने सबसे पहले मौजूद महिलाओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यहां एकत्र प्रत्येक महिला कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के संदेश को जन-जन तक पहुंचा रही हैं। प्रदेश की गिरती कानून व्यवस्था और बढ़ते महिला अपराधों के विरुद्ध सड़क पर संघर्ष कर रही हैं।

उन्होने महिलाओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि महिला कांग्रेस की प्रत्येक महिला राहुल और प्रियंका के संदेश को अमलीजामा पहना रही हैं और अन्याय के खिलाफ जमकर लड़ रही हैं, डटी हुई हैं और पीछे नहीं हट रही हैं। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ममता चौधरी ने इस मौके पर मौजूद सभी महिलाओं को स्थापना दिवस पर बधाई दी और कहा कि जिस प्रकार महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध और अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है यह लड़ाई अनवरत जारी रहेगी।

चुनावी घोषणा पत्र बनाने के लिए जन अभियान चलाएगी कांग्रेस

● प्रियंका गांधी ने मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए की बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश कांग्रेस की प्रभारी राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्यों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बैठक कीं। बैठक में चुनावी घोषणा पत्र बनाने को लेकर मजबूत रणनीति तैयार हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था, किसानों के मुद्दे, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बिगड़ते आर्थिक हालात पर गंभीर चर्चा हुई।

कांग्रेस प्रवक्ता ने बताया कि बैठक में तय हुआ कि पूरे प्रदेश में जनअभियान चलाकर कांग्रेस पार्टी अपना घोषणा पत्र बनाएगी। इस अभियान में विधानसभावार 'बैठकें' करके जन सरोकार से जुड़े मुद्दों को घोषणा पत्र में शामिल किया जाएगा। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुई मीटिंग में तय हुआ कि सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए भी जनता से रायशुमारी की जाएगी। प्रदेश भर के बौद्धिक वर्ग और जन संगठनों से लिखित रूप से भी सलाह मांगी जाएगी। चुनावी घोषणा पत्र के लिए विधानसभा वार आम लोगों से भी इस तरह के सुझाव और मुद्दे आमंत्रित किए जाएंगे।

बैठक में मेनिफेस्टो कमेटी के सदस्य सलमान खुर्शीद, राज्यसभा सांसद पीएल पुनिया, सुप्रिया श्रीनेत्र, विवेक बंसल, अमिताभ दुबे के साथ उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और विधायक दल नेता आराधना मिश्रा मोना उपस्थित थे।

भर्ती प्रक्रिया में बदलाव के प्रस्ताव पर प्रियंका ने उठाया सवाल

लखनऊ। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी में सरकारी भर्ती प्रक्रिया में बदलाव के प्रस्ताव पर सवाल उठाया है। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार युवाओं के दर्द पर मरहम न लगाकर उनका दर्द बढ़ाने वाली योजना ला रही है। प्रियंका ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि संविदा का मतलब है कि नौकरियों से सम्मान विदा हो जाएगा। पांच साल की संविदा युवा अपमान कानून की तरह है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय पहले भी इस तरह के कानून पर तीखी टिप्पणी कर चुका है। फिर इस सिस्टम को लाने का उद्देश्य क्या है।

पंचायत चुनाव को लेकर पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बिहार में विधान सभा और देश की सभी 62 सीटों पर उप चुनाव को लेकर चुनाव आयोग की कवायद तेज करने के बाद अब प्रदेश में पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने भी कसरत शुरू कर दी है। आयोग ने पंचायत चुनाव को पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया है। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कोविड-19 प्रोटोकाल का पालन करते हुए एक अक्टूबर से मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू होगा। 5 सितंबर से बीएलओ तथा पर्यवेक्षकों को काम बांटने के साथ स्टेशनरी वितरण का काम शुरू कर दिया गया है। यह दोनों काम 30 सितंबर तक खत्म कर लेने होंगे।

मौजूदा समय में कोविड के कारण कई विभागों का स्टाफ इसी काम में लगा हुआ है। ऐसे में पुनरीक्षण कार्य के लिए आयोग को सरकारी कर्मचारी जुटाना किसी चुनौती से कम नहीं होगा। फिलहाल आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार एक अक्टूबर से 12 नवंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर गणना तथा सर्वेक्षण का काम करेंगे। एक अक्टूबर से पांच नवंबर में मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने या फिर संशोधन का काम ऑनलाइन होगा। छह नवंबर से 12 नवंबर तक बीएलओ घर-घर जाकर ऑनलाइन से प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच करेंगे। इसके बाद 13 नवंबर से पांच दिसंबर तक ड्राफ्ट नामावलियों की कम्पयूटर से पांडुलिपि तैयार की जाएगी। छह दिसंबर से ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन होगा। छह से 12 दिसंबर तक ड्राफ्ट के रूप में प्रकाशित नामावली का निरीक्षण किया जाएगा। छह से 12 दिसंबर के बीच में ही दावा तथा आपत्ति प्राप्त की जाएगी। 13 से 19 दिसंबर तक दावा तथा आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। इसके बाद 20 से 28 दिसंबर तक पांडुलिपि को मूल स्थान में समाहित करने की कार्यवाही होगी।

विभिन्न मुद्दों को लेकर सपा 21 को राज्यपाल को देगी ज्ञापन

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर आगामी 21 सितम्बर को समाजवादी पार्टी सभी जनपदों में तहसील स्तर पर शारीरिक दूरी बनाए रखते हुए कोरोना संकट काल में स्वास्थ्य सेवाओं में अनियमितता, भ्रष्टाचार और सरकारी उत्पीड़न में वृद्धि, बेहाल किसान, बेरोजगारी और ध्वस्त कानून व्यवस्था के विरोध में जिला प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन सौपेंगी। समाजवादीपार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने बताया कि भाजपा सरकार की जनहित विरोधी और दमनकारी नीतियों के खिलाफसमाजवादी अपनी आवाज उठाते रहे हैं। राज्य सरकार की गलत नीतियों और विरोध को कुचलने के रवैये से अराजकता की स्थिति उत्पन्न हो रही है। समाजवादी पार्टी राज्यपाल को ज्ञापन देकर सरकारी मनमानी, तानाशाही और ध्वस्त कानून व्यवस्था, शिक्षा-स्वास्थ्य क्षेत्र में गड़बड़ी आदि समस्याओं पर संवैधानिक दायित्व का निर्वहन करते हुए प्रभावी कार्रवाई करने का आग्रह करेगी। कोरोना का कहर विकराल रूप धारण करता जा रहा है। भाजपा की राज्य सरकार इसकी रोकथाम में असफल साबित हुई है। कोरोना संक्रमण के शिकार लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं तथा उपचार नहीं मिल पा रहा है।

कोर्ट ने पंजाब के पूर्व डीजीपी सैनी को हत्या के मामले में गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने पंजाब के पूर्व पुलिस महानिदेशक सुमेध सिंह सैनी को 1991 में एक जूनियर इंजीनियर बलवंत सिंह मुलतानी की कथित हत्या के मामले में मंगलवार को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान कर दिया। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने सैनी की अपील पर पंजाब सरकार से जवाब मांगा है। सैनी ने इस मामले में उन्हें अग्रिम जमानत देने से इंकार करने के पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस मामले की सुनवाई के दौरान पीठ ने पंजाब सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा से जानना चाहा कि 29 साल पुराने मामले में सैनी को गिरफ्तार करने की जल्दी क्या है। लूथरा ने जवाब दिया कि जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त पूर्व पुलिस महानिदेशक फरार हैं। पीठ ने इस मामले को चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए कहा कि सैनी को अगले आदेश तक गिरफ्तार नहीं किया जाएगा और वह जांच में सहयोग करेंगे।

उच्च न्यायालय ने इस कथित हत्या के मामले में आठ सितंबर को सैनी की अग्रिम जमानत की याचिका सहित दो याचिकाएं खारिज कर दी थीं। इससे पहले, तीन सितंबर को पंजाब पुलिस ने दावा किया था कि सैनी फरार हैं जबकि उसने इस पूर्व अधिकारी की सुरक्षा वापस लिए जाने के उनकी पत्नी के दावे का खंडन किया था। मोहाली की एक अदालत ने 21 अगस्त को पुजाब पुलिस को इस मामले में सैनी के खिलाफ हत्या का आरोप जोड़ने की अनुमति दी थी। यह आदेश चंडीगढ़ पुलिस के दो कार्मिक पूर्व पुलिस इंस्पेक्टर जागीर सिंह और पूर्व एएसआई कुलदीप सिंह , जो इस मामले में सह आरोपी हैं, के सरकारी गवाह बनने के बाद आया।

सैनी की ओर वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि वह एक सम्मानित अधिकारी हैं जिन्होंने गोलियां भी खाईं हैं। सैनी पुलिस अधीक्षक के पद से तरक्की करते हुए पुलिस महानिदेशक के पद पर पहुंचे ओर उन्होंने पंजाब में आतंकवाद के दौर में बेहद सराहनीय काम किए थे। उन्होंने कहा कि सैनी अब सेवानिवृत्त हो चुके हैं ओर उन्हें निचली अदालत से अग्रिम जमानत भी मिल गई थी और जब एक बार अग्रिम जमानत मिल गई तो सुनवाई पूरी होने तक यह बरकरार रहनी चाहिए थी।

रोहतगी ने कहा कि सैनी ने राज्य के वर्तमान मुख्यमंत्री के खिलाफ चार प्राथमिकी दर्ज की थी, लेकिन उनके जैसे अधिकारी को इस तरह से हैरान परेशान नहीं किया जाना चाहिए था। यह मामला एक ऐसे अपराध के बारे में जो कथित रूप से 29 साल पहले हुआ था और यह अग्रिम जमानत के लिए सर्वथा उपयुक्त मामला है। लूथरा ने कहा कि मुलतानी को उसके घर से उठाया गया था और शिकायतकर्ता कई साल तक अदालत जाने का साहस नहीं जुटा पाया क्योंकि आरोपी उस दौरान अनेक महत्वपूर्ण पदों पर आसीन था। 13-14 दिसंबर, 1991 को चंडीगढ़ के थाने में मुलतानी को यातनाएं दी गईं थी ओर बाद में सैनी के इशारे पर उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पीठ ने कहा कि इस मामले में नोटिस जारी कर रही है और याचिका पर राज्य का जवाब जानना चाहती है।

पश्चिम बंगाल के नादिया में सब्जियों की बढ़ी कीमत के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए भाजपा कार्यकर्ता।

एसीबी ने अमरावती जमीन घोटाले में पूर्व महाधिवक्ता के खिलाफ मामला दर्ज

भाषा। अमरावती

आंध्रप्रदेश के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कथित अमरावती जमीन घोटाले में मंगलवार को पूर्व महाधिवक्ता दम्मलापति श्रीनिवास और 12 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया। एक दिन पहले श्रीनिवास ने याचिका दायर करके उच्च न्यायालय से सरकार को वर्तमान जांच के सिलसिले में गिरफ्तारी जैसी जबरन कार्वाई नहीं करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। पूर्व महाधिवक्ता ने अदालत से यह भी दरख्वास्त की थी कि वह राज्य की किसी भी एजेंसी द्वारा की जा रही जांच से संबंधित सारे रिकार्ड मंगाए तथा मुख्यमंत्री एवं पुलिस महानिदेशक समेत सभी प्रतिवादियों को पेश होने का आदेश दे। एसीबी ने मंगलवार को प्रेस नोट जारी करके कहा कि पुलिस महानिदेशक एवं एसीबी की शिकायत एवं प्राथमिक जांच के आधार पर भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की विभिन्न संबंधित धाराओं तथा भादंसं की धारा 120 बी के तहत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। यह तत्कालीन महाधिवक्ता श्रीनिवास द्वारा अपने पद का दुरूपयोग करने और जून - दिसंबर 2014 के बीच अपने ससुर, साले और अपने सहयोगियों एवं परिचितों के लिए जमीन के रूप में मौद्रिक लाभ अर्जित करने का मामला है। एसीबी ने विज्ञप्ति में कहा, और बाद में उन्होंने 2015 और 2016 के बीच उनमें से कुछ संपत्तियां खरीद कर, खुद को और अपनी पत्नी को मौद्रिक लाभ पहुंचाया।

आदिवासी की मौत, वन मंत्री ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जताया ऐतराज

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के वन मंत्री मोहम्मद अकबर ने छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र में मछली पकड़ने गए आदिवासी की मौत के मामले में मध्यप्रदेश शासन द्वारा कोई कदम नहीं उठाने पर ऐतराज जताया है। राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि वन मंत्री अकबर ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है। अकबर ने पत्र लिखकर कहा है कि कवर्धा जिले के एक आदिवासी झाम सिंह धुर्वे की मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा हत्या करने को उन्होंने संज्ञान में नहीं लिया।

अधिकरियों ने बताया कि छह सितंबर को कबीरधाम जिले के बोड़ला ब्लॉक में दो आदिवासी झामसिंह ध्रुर्वे तथा नेमसिंह ध्रुर्वे मछली पकड़ने जंगल गए थे। मध्यप्रदेश पुलिस ने उन्हें पकड़ने की कोशिश की तब दोनों वहां से भागने लगे बाद में पुलिस ने उन्हें गोली मार दी। इस घटना में झाम सिंह की मौके पर ही मौत हो गई जबकि नेम सिंह किसी तरह जान बचा पाया। उन्होंने बताया कि इस बीच नेम सिंह ने स्थानीय थाने में इसकी शिकायत की। जिसके बाद मामले की हकीकत सामने आई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सामने आने के बाद छत्तीसगढ़ के वन मंत्री और स्थानीय विधायक मोहम्मद अकबर ने कलेक्टर से मामले की रिपोर्ट तलब की। कलेक्टर ने जांच में कई ऐसे सबूत पाए जिससे पता चलता है कि मामला निर्दोष आदिवासी की हत्या का है।

उन्होंने बताया कि वन मंत्री अकबर ने इसके बाद 12 सितंबर को मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री को पत्र लिखकर इस मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने तथा दोषियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्वाई करने का आग्रह किया था। बाद में अकबर ने 14 सितंबर को एक और पत्र मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को लिखा। अकबर ने 12 सितंबर को लिखी गई चिट्ठी का हवाला देते हुए कहा है यह मामला बेहद गंभीर है अभी तक मध्यप्रदेश सरकार द्वारा इसे लेकर कोई कदम नहीं उठाया गया है।

वन मंत्री अकबर ने कहा पत्र में कहा है कि छह सितंबर को मध्यप्रदेश पुलिस ने छत्तीसगढ़ के एक निर्दोष आदिवासी की हत्या कर दी और दूसरे आदिवासी की हत्या का प्रयास किया, जो बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा है कि इससे छत्तीसगढ़ के आदिवासी समाज में गुस्सा बढ़ता जा रहा है।

वन मंत्री अकबर ने उनके द्वारा पहले लिखी गई चिट्ठी पर कार्वाई न होने पर निराशा जाहिर की। उन्होंने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री चौहान से अनुरोध किया है कि इस संवेदनशील प्रकरण में उच्च स्तरीय जांच तत्काल की जाए और छत्तीसगढ़ सरकार को इसकी जानकारी मुहैया कराई जाए।

प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध के निर्णय पर केंद्र को पुनर्विचार करना चाहिएः शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर कहा कि प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के अचानक लिए गए निर्णय पर केंद्र को पुनर्विचार करना चाहिए। पवार ने ट्वीट किया कि गोयल ने उन्हें आश्वासन दिया है कि इस मुद्दे पर वाणिज्य, वित्त और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालयों के बीच यदि सहमति बनती है तो सरकार निर्णय पर पुनर्विचार करेगी। राकांपा अध्यक्ष ने मंत्री से कहा कि निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्याज के भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता की भारत की छवि को नुकसान पहुंचेगा। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में प्याज की उपलब्धता बढ़ाने और कीमत पर लगाम लगाने के उद्देश्य से इसके निर्यात पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री पवार ने गोयल से कहा कि इस निर्णय से महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक काफी नाराज हैं। पवार ने ट्वीट किया, भारत से निर्यात होने वाले प्याज की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अच्छी मांग है और हम हमेशा से प्याज निर्यात करते रहे हैं। लेकिन केंद्र के अचानक लिए गए निर्णय से, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत की छवि को नुकसान होगा।

गुमशुदा लड़की की तलाश

कुमकुम

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की नाम **कुमकुम पुत्री श्री सुरेन्द्र शाह निवासी मकान नं. 103, चौथा तल, भारत नगर, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।** उम्र : 18½ साल, कद : 5फीट 4इंच, सांवला रंग, चेहरा गोल, पतला शरीर, घुघराले बाल, जिसने पीली सूट–सलवार, काली मास्क, नीली चप्पल पहनी है जो दिनांक 11.08.2020 को थाना क्षेत्र न्यू फ्रेंड्स कालोनी, दक्षिणी–पूर्वी जिला, नई दिल्ली से लापता है।

इस संदर्भ में **DD No. 46-A दिनांक : 13.08.2020** थाना न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली में दर्ज है। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश करने के बावजूद भी इस लड़की का पता नहीं चल सका है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस गुमशुदा लड़की के बारे में कोई भी जानकारी/सूचना हो तो निम्नलिखित को सूचित करने की कृपा करें।

ई–मेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-230111334
फोन: 011-23014046
011-23015218

थानाध्यक्ष,
थाना, न्यू फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली
फोन : 011-26834563, 26934863

DP/207/SE/20

कैमेक कॉमर्शियल कम्पनी लिमिटेड

कार्पोरेट पहचान संख्या : एल70109डीएल1980पीएलसी169318
पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9–10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002
फोन : 7303495374, ई–मेल : camaccommercial@gmail.com,
वेबसाइट : www.camaccommercial.com

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु
अलेखापरीक्षित पृथक्कृतवित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रूपए लाख में, सिवाय प्रति शेयर डेटा)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 30–06–2020 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30–06–2019 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्त 31–03–2020 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	115.57	261.50	528.72
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर तथा अपवाद मदों से पूर्व)	107.65	217.69	461.13
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व (अपवाद मदों के बाद)	107.65	217.69	461.13
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	90.16	176.24	386.69
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है]	147.10	(55.33)	(1,377.70)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	88.28	88.28	88.28
7	अन्य इक्विटी			149,725.64
8	रू. 10/–प्रत्येक के शेयर पर प्रति शेयर अर्जन			
	1. मूल (रू. में)	10.21	19.96	43.80
	2. तनुकृत (रू. में)	10.21	19.96	43.80

1. जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु उपरोक्त वित्तीय परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित तथा निदेशक मंडल द्वारा 15 सितम्बर, 2020 को आयोजित उनकी संबंधित बैठक में अनुमोदित एवं अभिलेखबद्ध किए गए हैं। सांविधिक लेखापरीक्षकों ने 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु उपरोक्त वित्तीय परिणामों का सीमित पुनरीक्षण किया है।
2. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। कम्पनी के वित्तीय परिणामों का पूर्ण विवरण कम्पनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा 15 सितम्बर, 2020 को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को भी भेजा गया है।

बोर्ड के आदेश द्वारा
वास्ते कैमेक कॉमर्शियल कम्पनी लिमिटेड
हस्ता./–
(स्वाति श्रीवास्तव)
निदेशक
डीआईएन : 08529225

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकित : 15–09–2020

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मंत्री की पत्नी के ट्रस्ट के खिलाफ सीबीआई ने मामला दर्ज

जम्मू। सीबीआई ने जम्मू–कश्मीर के पूर्व मंत्री लाल सिंह की पत्नी द्वारा संचालित कठुआ स्थित शैक्षणिक ट्रस्ट और कुछ सरकारी अधिकारियों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। सीबीआई ने यह मामला ट्रस्ट की स्थापना के लिए जमीन की खरीद में अनियमितताओं की जांच के लिए दर्ज किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी।

एजेंसी के अधिकारियों ने मामले के संबंध में मंगलवार को नौ -जम्मू में तीन और कठुआ में छह- स्थानों पर छापेमारी की। सिंह ने कहा, सीबीआई अपना काम कर रही है। प्राथमिकी आर बी एजुकेशनल ट्रस्ट के खिलाफ उसकी अध्यक्ष एवं सिंह की पत्नी कांता अंदोत्रा, कठुआ के पूर्व उपायुक्त अजय सिंह जामवाल, मारहीन के पूर्व तहसीलदार अवतार सिंह एवं अन्य के जरिए दर्ज की गई है। अधिकारियों ने कहा कि यह प्राथमिकी इस आरोपों पर दर्ज की गई है कि ट्रस्ट को अधिकतम सीमा से अधिक जमीन हासिल करने में सुविधा प्रदान की गई और इसके समर्थन में एक झूठा हलफनामा दायर किया गया जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ।

केंद्रीय जांच ब्यूरो ने गत जून में ट्रस्ट और अज्ञात लोक सेवकों के खिलाफ एक प्रारंभिक जांच (पीई) दर्ज की थी। सीबीआई ने प्रारंभिक जांच करने के बाद अब प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने कहा कि ट्रस्ट भूमि पर एक स्कूल, बीएड एवं नर्सिंग कॉलेज संचालित करता है जिसके लेनदेन की जांच जमीन की खरीद में कथित अनियमितताओं के लिए केंद्रीय एजेंसी द्वारा की जा रही है। सीबीआई की प्रारंभिक जांच में आरोप लगाया गया है कि ट्रस्ट को ऐसे अवैध कृत्यों से लाभ हुआ और जम्मू कश्मीर कृषि सुधार कानून, 1976 के तहत निर्धारित अधिकतम सीमा के घोर उल्लंघन के साथ जमीन के बड़े हिस्से पर अब भी उसका कब्जा है।

असाम के नागौन में भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति को अंतिम रूप देता हुआ कलाकार।

राज्यपाल से मिले पूर्व नौसैनिक मदन शर्मा कहाः अब से भाजपा-आरएसएस के साथ

मुंबई। हाल ही में शिवसेना के कार्यकर्ताओं के हमले के शिकार हुए पूर्व नौसैनिक मदन शर्मा ने मंगलवार को कहा कि वह अब से भाजपा और आरएसएस से जुड़ जाएंगे। शर्मा ने स्थानीय भाजपा नेताओं-- मंगल प्रभात लोढा और अतुल भाटखालकर के साथ महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी से राजभवन में मुलाकात करने के बाद कहा कि वह चाहते हैं कि जिन लोगों ने उन पर हमला किया उनके विरूद्ध कड़ी कार्वाई की जाए।

शर्मा (62) ने संवाददाताओं से कहा, आज से मैं भाजपा–आरएसएस के साथ हूं। जब मुझे पीटा गया था तब उन्होंने मुझपर आरोप लगाया था कि मैं भाजपा–आरएसएस के साथ हूं। इसलिए मैं अब से भाजपा–आरएसस के साथ हूं। कोश्यारी को सौंपे पत्र में उन्होंने कहा कि उन्हें महाराष्ट्र सरकार से इंसाफ नहीं मिला, इसलिए उन्होंने राज्यपाल से इस मुद्दे पर उनकी नाखुशी मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे तक पहुंचा देने का अनुरोध किया।

पत्र में उन्होंने यह भी दावा किया कि शिवसैनिकों के हमले में उनकी आंखों और पीठ में चोट पहुंची। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावरों पर कार्वाई करने के बजाय पुलिस इस घटना के एक घंटे बाद उन्हें ही गिरफ्तार करने पहुंची थी। शर्मा ने कहा कि इस घटना के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फोन पर उनसे बातचीत की और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले मेरा हालचाल जानने के लिए उनके घर आए। लेकिन महाराष्ट्र (सरकार) के किसी भी मंत्री या नेता ने उन्हें फोन नहीं किया या उनके प्रति सहानुभूति नहीं दिखाई।

शर्मा ने यह भी दावा किया कि शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा था कि वह नौसैनिक नहीं हैं, इसतरह उन्होंने उनका और अन्य पूर्व सैनिकों का अपमान किया। उन्होंने इस घटना का बचाव किया और अब वे मुझे धमकी दे रहे हैं। यह दर्शाता है कि मुझे महाराष्ट्र सरकार से कोई न्याय नहीं मिलेगा। हमले के सिलसिले में शिवसेना के छह कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए हैं। इसलिए मै आपसे अनुरोध करता हं कि आप इस घटना को लेकर नाशुशी से मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अवगत कराएं और उन्हें हमलावरों के खिलाफ कड़ी कार्वाई का निर्देश दें ताकि मुझे इंसाफ मिले।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे का मजाक उड़ाने वाला एक कार्टून कथित रूप से सोशल मीडिया पर फॉरवार्ड करने पर शुक्रवार को मुंबई में शिवसेना के कार्यकर्ताओं ने 62 वर्षीय शर्मा पर हमला किया था। हमले के बाद शर्मा ने मांग की थी कि मुख्यमंत्री उनसे और देश से माफी मांगें। यदि ठाकरे राज्य में कानून व्यवस्था बनाए रखने में अक्षम हैं, तो उन्हें अपना पद छोड़ देना चाहिए।

केरल के कोझिकोड में मंत्री केटी जलील के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे केरल स्टूडेंट यूनियन कार्यकर्ता को पीटती हुई पुलिस

पीएनबी फाइनैंस ऐण्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड

कार्पोरेट पहचान संख्या : एल65929डीएल1947पीएलसी001240
पंजीकृत कार्यालय : प्रथम तल, एक्सप्रेस बिल्डिंग, 9–10, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002
फोन : 7303495375, ई–मेल : pnbfinanceindustries@gmail.com,
वेबसाइट : www.pnbfinanceandindustries.com

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु
समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण

(रू. लाख में सिवाय प्रति शेयर डेटा)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 30–06–2020 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30–06–2019 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्त 31–03–2020 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	181.88	723.83	1,651.69
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	167.88	662.98	1,530.39
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पूर्व (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	167.88	662.98	1,530.39
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	139.51	564.48	1,314.94
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है]	4,227.51	9,511.48	1,271.81
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10 प्रति शेयर)	320.00	320.00	320.00
7	रू. 10/–प्रत्येक के शेयर पर प्रति शेयर अर्जन			
	1. मूल (रू. में)	4.36	17.64	41.09
	2. तनुकृत (रू. में)	4.36	17.64	41.09

1. उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम कम्पनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा सीमित पुनरीक्षित, लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित तथा निदेशक मंडल द्वारा 15 सितम्बर, 2020 को आयोजित उनकी बैठक में अनुमोदित किए गए हैं।
2. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। कम्पनी के तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण विवरण कम्पनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है तथा 15 सितम्बर, 2020 को कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को भी भेजा गया है।
3. 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु अलेखापरीक्षित पृथक्कृत वित्तीय परिणामों की प्रमुख संख्या नीचे दी गई हैं :

(रू. लाख में सिवाय प्रति शेयर डेटा)

विवरण	तिमाही समाप्त 30–06–2020 (अलेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30–06–2019 (अलेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्त 31–03–2020 लेखापरीक्षित
परिचालन से कुल आय	133.33	596.02	1,328.28
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले	120.12	535.98	1,210.22
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात	100.09	463.07	1,048.59
अवधि हेतु कुल समावेशी आय	4,127.73	1,511.32	-5,853.19

4. संगत तिमाही के आंकड़े, जहां आवश्यक है, चालू तिमाही के वर्गीकरण/प्रस्तुति के अनुरूप बनाने के लिए पुनर्समूहित/पुनर्व्यवस्थित किए गए हैं।

निदेशक मंडल के आदेश द्वारा
वास्ते पीएनबी फाइनैंस ऐंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड
श्वेता सक्सेना
निदेशक एवं कम्पनी सचिव
डीआईएन : 03120958/सदस्यता सं. : ए18585

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकित : 15 सितम्बर, 2020

भारत में कोरोना वायरस के करीब 92 फीसद मामले हल्के लक्षण वाले: हर्षवर्धन

भाषा। नई दिल्ली

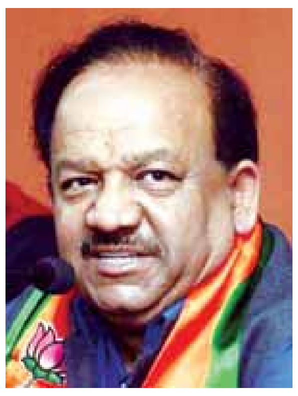

देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि भारत में करीब 92 प्रतिशत मामले हल्के लक्षण वाले हैं और केवल 5.8 प्रतिशत मामलों में ऑक्सीजन थैरेपी की जरूरत पड़ी।

हर्षवर्धन ने कोरोना वायरस संकट से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में राज्यसभा में एक बयान देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि महामारी से निपटने के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाने सहित सरकार द्वारा समय पर लिए गए फैसलों से संक्रमण के करीब 14-29 लाख मामलों को रोकने में और 37,000-38,000 लोगों को मौत से बचाने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 92 प्रतिशत मामले हल्के लक्षण वाले हैं और 5.8 प्रतिशत मामलों में ऑक्सीजन थैरेपी की जरूरत पड़ी वहीं 1.7 प्रतिशत मामले आईसीयू वाले रहे। उन्होंने कहा कि भारत में 11 सितंबर तक नोवेल कोरोना वायरस के कुल 45,62,414 मामले आए और 76,271 लोगों की संक्रमण से मृत्यु हो चुकी थी। उन्होंने बताया कि संक्रमण से मृत्यु दर 1.67 प्रतिशत है। उन्होंने कहा, अनुमान है कि सरकार के लिए गए फैसलों से संक्रमण के करीब 14-29 लाख मामलों को रोकने में और 37,000-38,000 लोगों को मौत से बचाने में मदद मिली। हर्षवर्धन ने कहा कि अब तक 35,42,663 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं और यह संख्या कुल मामलों का 77.65 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि सरकार देश में कोविड-19 के प्रकोप की रोकथाम के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है।

उन्होंने कहा कि संक्रमण और उससे मौत के सर्वाधिक मामले मुख्यत: महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा, असम, केरल और गुजरात से आए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पूरी सरकार और संपूर्ण समाज के सहयोग से कोरोना वायरस से निपटने के प्रयासों के कारण भारत संक्रमण के मामलों और उससे जान गंवाने वाले रोगियों की संख्या को प्रति दस लाख आबादी पर 3,328 मामले और 55 लोगों की मौत तक सीमित रखने में सफल रहा है। यह , इसी तरह प्रभावित अन्य देशों की तुलना में दुनिया में सबसे कम दरों में से एक है। उन्होंने कहा कि संक्रमण के माध्यम और बिना लक्षण वाले संक्रमण जैसे महामारी के अनेक कारकों पर अब भी अनुसंधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा, एक समय था जब पीपीई का स्वदेशी उत्पादन नहीं हो रहा था। आज हम इस मामले में आत्म-निर्भर हैं और निर्यात करने की भी स्थिति में हैं।

मंत्री ने कहा, मेरी अध्यक्षता में एक मंत्रिसमूह ने तीन फरवरी, 2020 को इसके गठन से लेकर अब तक 20 बार बैठक की हैं। इस मंत्रिसमूह में विदेश मंत्री, नागर विमानन मंत्री हैं। हर्षवर्धन ने कहा कि कोविड-19 रोगियों के लिए पुन: उपयोग में लाए जा सकने वाली दवाओं के 13 क्लीनिकल परीक्षण तथा आधुनिक चिकित्सा उपचार की पद्धति का इस्तेमाल करते हुए परंपरागत ज्ञान का उपयोग कर उपचार के विकल्पों की सूची तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि भारत में प्रमुख रूप से ध्यान कोविड-19 के टीके के विकास पर रहा है और 30 से अधिक टीकों को समर्थन दिया गया है जो विकास के विभिन्न स्तरों पर हैं।

उन्होंने कहा कि इम्युनोमॉड्यूलेटर सेप्सिवाक के दूसरे चरण के क्लीनिकल परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा पहली जड़ी-बूटी आधारित (फाइटोफार्मास्युटिकल) दवा एसीक्यूएच का दूसरे चरण का क्लीनिकल परीक्षण चल रहा है। हर्षवर्धन ने कहा कि अश्वगंधा का एक रोगनिरोधक परीक्षण और गुडूची प्लस पिप्पली , यष्ठिमधु तथा पॉलीहर्बल आयुष औषधि (आयुष-64) के तीन परीक्षण मामूली रूप से अस्वस्थ कोविड-19 रोगियों पर करने की योजना है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई में प्रभावी टीका निश्चित ही कारगर साबित होगा। हर्षवर्धन ने यह भी कहा कि आयुष मंत्रालय ने कोविड-19 के प्रबंधन और उसे कम करने के लिए अनेक उपायों के जरिए योगदान दिया है।

कराड में मंगलवार को एक बाजार में प्याज की छटाई करते मजदूर

सुशांत सिंह राजपूत मादक पदार्थ मामला

एनसीबी ने दो और व्यक्तियों को किया गिरफ्तार

भाषा। मुंबई

नारकोटिक्स नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मादक पदार्थ कोण से संबंधित जांच के सिलसिले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है।

जांच एजेंसी राजपूत की लिव-इन पार्टनर एवं अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को भी इस मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। एनसीबी ने सोमवार को रिया के भाई शौविक चक्रवर्ती के स्कूल के दोस्त सूर्यदीप मल्होत्रा को मुंबई से गिरफ्तार किया। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, एनसीबी ने शनिवार को गोवा से क्रिस कोस्टा को हिरासत में लिया है। उसे मुंबई लाया गया और पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। इसी के साथ एनसीबी कुल 18 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। वह राजपूत की मौत में मादक पदार्थ कोण की जांच कर रही है। चौतीस साल के अभिनेता 14 जून को मुंबई के बांद्रा इलाके में स्थित अपने फ्लैट में फंदे से लटके मिले थे। मादक पदार्थ मामले की जांच कर रही एनसीबी की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने रिया, उनके भाई शौविक, राजपूत के प्रबंधक सैमुयल मिरांडा, घरेलू सहायक दीपेश सावंत और अन्य को गिरफ्तार कर चुकी है।

एनसीबी ने सूर्यदीप मल्होत्रा और क्रिस कोस्टा को किया गिरफ्तार

वे अभी न्यायिक हिरासत में हैं। मामले से संबंधित धनशोधन की तहकीकात कर रहे प्रवर्तन निदेशालय ने रिया के फोन से मिली सोशल मीडिया चैट को एनसीबी के साथ साझा किया था जिसमें प्रतिबंधित मादक पदार्थ के इस्तेमाल का संकेत मिलता है। इसके बाद एनसीबी ने मामले की जांच शुरू की। सीबीआई राजपूत को खुदकुशी के लिए उकसाने के आरोप पर रिया और अन्य के खिलाफ अलग से जांच कर रही है।

पहली किसान रेल 19 से कर्नाटक से चलेगी

भाषा। बेंगलुरु

बेंगलुरू और दिल्ली के बीच पहली किसान रेल कर्नाटक से 19 सितंबर से लेकर 19 अक्टूबर तक चलेगी। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने मंगलवार को यह जानकारी दी। किसान रेल ऐसी ट्रेने है, जिनमें विभिन्न वस्तुओं की ढुलाई होगी। दक्षिण पश्चिम रेलवे ने एक विज्ञप्ति में बताया कि यह ट्रेन मैसुरू, हुबली और पुणे के रास्ते चलेगी।

यह निर्धारित स्थानों के बीच चलेगी और रास्ते में ठहराव होंगे जहां सामानों को उतारने और चढ़ाने की अनुमति होगी। विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन में 10 वीपीएच (उच्च क्षमता वाली पार्सल वैन), एक ब्रेक कम जेनरेटर कार और एक द्वितीय श्रेणी लगेज कम ब्रेक वैन होंगे। उसमें 12 एलएचबी डिब्बे होंगे। इस ट्रेन को चलाने का फैसला केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा दूध, मांस और मछलियों समेत जल्द नष्ट होने वाले खाद्य पदार्थों के लिए निर्बाध राष्ट्रीय प्रशीतन आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए 2020-21 के बजट में की गई घोषणा के अनुरूप है।

पटना में बनेगा एशिया का पहला डॉलफिन अनुसंधान केंद्र: सुशील

भाषा। पटना

बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने प्रोजेक्ट डॉलफिन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देते हुए मंगलवार को कहा कि पटना विश्वविद्यालय के दो एकड़ परिसर में 30.52 करोड़ रुपए की लागत से एशिया के पहले डॉलफिन अनुसंधान केन्द्र की स्थापना की जा रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम नमामि गंगे परियोजना और अमृत मिशन के तहत राज्य में विभिन्न परियोजनाओं का उद्‌घाटन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने कहा, 2018-19 के सर्वेक्षण के अनुसार पूरे देश में 3031 डॉलफिन हैं और उनमें से करीब आधी 1455 बिहार में हैं।

सुल्तानगंज-कहलगांव के 60 किमी क्षेत्र को बिक्रमशिला गांगेय डॉलफिल अभयारण्य घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि गंगा किनारे के 57 ऐसे सर्वाधिक प्रदूषण पैदा करने वाले उद्योगों की पहचान की गई हैं जहां जीरो लिक्विड डिस्चार्ज और एक-एक एफ्लूएंट ट्रीटमेंट

प्लांट स्थापित कर औद्योगिक कचरे के बहाव को रोका गया है जिसके परिणामस्वरूप गंगा बिहार में औद्योगिक प्रदूषण से मुक्त है उन्होंने बताया कि 34 स्थलों से संग्रहित गंगा जल की जांच में उसे जलीय जीवन के अनुकुल पाया गया है मगर मल-जल व सीवेज के पानी के कारण गंगा जल पीने और स्नान करने योग्य नहीं है।

सुशील ने कहा कि 155.88 करोड़ की लागत से गंगा किनारे के 12 जिलों... जिनमें बक्सर, भोजपुर, वैशाली, छपरा शामिल हैं.... और पटना में 103 कलस्टर में जैविक खेती की जा रही है।

98 वर्ष की आयु में एमए करने वाले राजकुमार वैश्य का निधन

भाषा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा मुक्त विश्वविद्यालय से 98 वर्ष की आयु में अर्थशास्त्र से स्नातकोत्तर करने वाले राजकुमार वैश्य के निधन पर गहरी शोक-संवेदना व्यक्त की है। वह 101 वर्ष के थे। नीतीश ने अपने शोक-संदेश में कहा है, दिवंगत राजकुमार वैश्य ने 98 वर्ष की आयु में नालन्दा मुक्त विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में एमए किया, जिसके लिए उनका नाम लिमका बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। मैंने उनके घर जाकर उन्हें बधाई दी थी। उनका आशीर्वाद लिया था। उन्होंने कहा, उनके पुत्र संतोष कुमार बिहार कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पटना में मेरे प्रोफेसर थे। दिवंगत राजकुमार वैश्य मेरे लिए पिता तुल्य थे। मैं उन्हें नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। सीएम ने प्रोफेसर संतोष कुमार से दूरभाष पर बात कर उन्हें सांत्वना दी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की चिर शांति तथा उनके परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

रास में उठी सामाजिक दूरी के बजाय शारीरिक दूरी कहने की मांग

नई दिल्ली। राज्यसभा में मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस के एक सदस्य ने कोविड-19 महामारी के सिलसिले में उपयोग किए जा रहे शब्द सामाजिक दूरी को संदर्भ से पूरी तरह प्रतिकूल बताते हुए कहा कि इसकी जगह शारीरिक दूरी शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उच्च सदन के सभापति एम वेंकैया नायडू ने इसे एक महत्वपूर्ण सुझाव बताते हुए कहा कि सुरक्षित दूरी कहना भी बेहतर होगा।

जम्मू-कश्मीर में पिछले छह महीने में 138 आतंकी मारे गए

भाषा। नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि इस साल एक मार्च से 31 मार्च तक जम्मू कश्मीर में 138 आतंकवादी मारे गए और इस अवधि में सीमापार से गोलीबारी में 50 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने लोकसभा में एकेपी चिनराज और एस जगतरक्षकण के प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि जम्मू कश्मीर पिछले तीन दशक से भी अधिक समय से सीमापार से प्रायोजित और समर्थित आतंकवाद से प्रभावित है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई है। इसके परिणाम स्वरूप इस साल एक मार्च से 31 अगस्त तक जम्मू कश्मीर में 138 आतंकवादी मारे गए। रेड्डी ने कहा कि इस छह माह की अवधि में जम्मू कश्मीर में आतंकवाद से संबंधित घटनाओं और युद्ध विराम उल्लंघन की घटनाओं या सीमापार से गोलीबारी में 50 सुरक्षाकर्मी मारे गए। एंटो एंटनी के एक अन्य प्रश्न के लिखित उत्तर में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि पिछले साल अगस्त से लेकर इस साल जुलाई तक जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ के 176 प्रयास किए गए और अनुमान है कि 111 बार आतंकियों ने घुसपैठ की।

पेज एक का शेष

चीन ने...

सभी परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार है। सिंह ने अप्रैल के बाद से पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ गतिरोध के हालात और सीमा पर शांति के लिए कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर किये गये प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लद्दाख दौरे से संदेश दिया गया कि समस्त देशवासी जवानों के साथ खड़े हैं। सिंह ने अपने लद्दाख दौरे का जिक्र करते हुए कहा, 'मैंने भी जवानों के अदम्य साहस, शौर्य और पराक्रम को महसूस किया।' उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच सीमा निर्धारण का प्रश्न अभी अनसुलझा है और दोनों पक्ष मानते हैं कि सीमा जटिल मुद्दा है तथा शांतिपूर्ण बातचीत के जरिये समाधान निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि द्विपक्षीय संबंधों का विस्तार किया जा सकता है और सीमा मुद्दे पर बातचीत की जा सकती है, लेकिन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर किसी भी उल्लंघन वाली गतिविधि का द्विपक्षीय रिश्तों पर असर पड़ेगा। सिंह ने कहा कि समझौते में यह भी है कि सीमा मुद्दे का पूर्ण समाधान नहीं होने तक वास्तविक नियंत्रण रेखा का उल्लंघन किसी सूरत में नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमने चीन को कूटनीतिक और सैन्य चैनलों से अवगत करा दिया है कि यथास्थिति को एकतरफा तरीके से बदलने का प्रयास कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच इन प्रमुख सिद्धांतों पर सहमति बनी है कि दोनों पक्षों को एलएसी का सम्मान करना चाहिए और कड़ाई से उसका पालन करना चाहिए, किसी भी पक्ष को यथास्थिति के उल्लंघन का प्रयास नहीं करना चाहिए और दोनों पक्षों को सभी समझौतों का पालन करना चाहिए। सिंह ने कहा कि मौजूदा स्थिति के अनुसार चीनी सेना ने एलएसी के अंदर बड़ी संख्या में जवानों और हथियारों को तैनात किया है और क्षेत्र में दोनों देशों के सैनिकों के बीच टकराव के अनेक बिंदु हैं। उन्होंने कहा, 'हमारी सेना ने भी जवाबी तैनातियां की हैं ताकि देश के सुरक्षा हितों का पूरी तरह ध्यान रखा जाए। हमारे सशस्त्र बल इस चुनौती का डटकर सामना करेंगे। हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है।' सिंह ने कहा कि वास्तविक नियंत्रण रेखा का सम्मान करना और उसका कड़ाई से पालन किया जाना, सीमा क्षेत्रों में शांति और सद्भाव का आधार है और इसे 1993 एवं 1996 के समझौतों में स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे सशस्त्र बल इसका पूरी तरह पालन करतें हैं, चीनी पक्ष की ओर से ऐसा नहीं हुआ है।

पीएम की...

के बयान के बाद आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने पर सदन से वाकआउट किया और संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने धरना देकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कुछ सांसदों ने हाथों में तख्तियां ले रखीं थी जिन पर 'मन की बात बहुत सुनी, अब चीन की बात हो' लिखा हुआ था। लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, 'कांग्रेस के लिए देश सर्वोच्च है। हमारी सेना का हौसला और बहादुरी हमारे लिए गर्व का विषय होता है। जब सदन में लद्दाख का जिक्र करते हुए सरकार की तरफ से बात रखी गई तो हमने अपने जवानों के प्रति सम्मान जताने के लिए एक मिनट का समय मांगा।' उन्होंने दावा किया, 'सवाल बहुत हैं, लेकिन हम जानते हैं कि सरकार इन सवालों का जवाब नहीं देना चाहती है।कांग्रेस नेता के मुताबिक, 1962 के युद्ध के समय अटल बिहारी वाजपेयी के आग्रह पर तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने चर्चा पर सहमति दी थी और संसद में चर्चा हुई। 'लेकिन इस सरकार ने हमारा कोई निवेदन नहीं माना।' चौधरी ने कहा कि हम जानते हैं कि सरकार हमारे सवालों से डरती है।' उन्होंने सवाल किया, 'राजनाथ सिंह ने सदन में जवानों के सम्मान में प्रस्ताव रखा तो प्रधानमंत्री को सदन में होना चाहिए था। वह सदन में मौजूद क्यों नहीं थे?' चौधरी ने आरोप लगाया कि सरकार चर्चा से डरती है क्योंकि उसके पास कोई जवाब नहीं है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने रक्षा मंत्री से सवाल किया, 'चीन ने हमारी सरज़मीं पर क़ब्ज़े का दुस्साहस कैसे किया? मोदी जी ने चीन द्वारा हमारे क्षेत्र में घुसपैठ न करने बारे गुमराह क्यों किया? चीन को हमारी सरज़मीं से वापस कब ख़देड़ेंगे? चीन को लाल आंख कब दिखाएंगे?'

नोएडा पुलिस...

दो जोन बनाकर डीसीपी की नियुक्ति की जाएगी। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट में एक ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर की नियुक्ति भी की जाएगी। अभी लखनऊ में यह पद है। गौतमबुद्ध नगर में एडिशनल पुलिस कमिश्नर का पद है। जैसा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गौतमबुद्ध नगर और लखनऊ में यह व्यवस्था लागू करते हुए घोषणा की थी कि अगर प्रयोग सफल रहा तो उत्तर प्रदेश के बाकी बड़े जिलों में भी पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की जाएगी। परिणाम बेहतर आने पर इस सिस्टम को आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। लखनऊ से मिली जानकारी के मुताबिक दो और जिलों वाराणसी व कानपुर में पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम लागू किया जाएगा। वाराणसी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संसदीय क्षेत्र है। वीवीआइपी और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का केंद्र भी। उत्तर प्रदेश सरकार पूर्वांचल में वाराणसी को एक बडे औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित करना चाहती है। ठीक इसी तरह मध्य उत्तर प्रदेश में स्थित कानपुर को पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में शामिल किया जा रहा है। कानपुर को इंडिया के मैनचेस्टर के नाम से भी जाना जाता है। कानपुर में हजारों की संख्या में औद्योगिक इकाइयां हैं। अधिकांश के बंद होने के बावजूद आज भी देश के बड़े उद्योगपतियों की पसंद कानपुर शहर है, लेकिन निवेश नहीं आने, खराब कानून.व्यवस्था और आधारभूत ढांचे के जर्जर होने के कारण कानपुर औद्योगिक परिदृश्य से बाहर होता जा रहा था। योगी सरकार कानपुर की खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस लौटने का प्रयास कर रही है। इसी सिलसिले में कानपुर को भी एक बड़े औद्योगिक केंद्र के रूप में दोबारा विकसित करने की योजना है। सूत्रों के अनुसार, वाराणसी और कानपुर में नए पुलिस कमिश्नर कमिश्नरी बनाने के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरी झंडी दिखा दी है। साथ ही गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के विस्तार के प्रस्ताव को पर भी सहमति दे दी गई है।

मोदी ने...

पानी जैसी समस्याओं को या तो नजरअंदाज कर दिया गया या फिर उनसे जुड़े काम घोटालों की भेंट चढ़ गए। प्रधानमंत्री ने कहा, 'पीने का पानी और नालियों की कमी का दर्द सबसे ज्यादा हमारी माताओं, बहनों, गरीब दलितों, पिछडों और अति पिछड़ों को महसूस होता है। गंदगी में रहने और मजबूरी में अस्वच्छ पानी पीने से बीमारियां होती हैं। इलाज के चक्कर में लोग कर्ज में डूब जाते हैं।' उन्होंने कहा कि सरकारों की गलत प्राथमिकताओं के कारण समाज के बड़े तबके को बहुत तकलीफें हुई हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले 15 साल में नीतीश जी, सुशील जी और उनकी टीम समाज के इस सबसे कमजोर वर्ग के आत्मविश्वास को लौटाने का भरपूर प्रयास कर रही है। विशेष तौर पर जिस प्रकार बेटियों की शिक्षा, पंचायती राज सहित स्थानीय निकाय में वंचित एवं शोषित समाज की भागीदारी को प्राथकिता दी गयी, उससे उनका आत्मविश्वास बढ रहा है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '2014 के बाद से बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं का लगभग पूरा नियंत्रण ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों को सौंप दिया गया। उनके प्रयासों से शहरों में पेयजल और सीवेज जैसी मूल सुविधाओं के ढांचे में निरंतर सुधार हो रहा है।' उन्होंने कहा, 'अमृत मिशन और राज्य सरकार की योजनाओं के तहत पिछले चार-पांच साल में लाखों लोगों को पेयजल मिला है। भविष्य में सभी के घर में स्वच्छ पेयजल पहुंचेगा।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'अमृत योजना के तहत बिहार में करीब 12 लाख परिवारों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने का लक्ष्य है। इसमें से 50 प्रतिशत लक्ष्य पा लिया गया है।' डॉक्टर भीम राव आंबेडकर को शहरीकरण का समर्थक बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने इसे कभी समस्या नहीं माना। 'उन्होंने ऐसे शहरों की कल्पना की थी जहां गरीब से गरीब व्यक्ति को भी अवसर मिलेगा। उसके पास अपने जीवन स्तर को सुधारने का अवसर होगा।' आत्मनिर्भर भारत के बारे में बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस मिशन को तेजी से आगे बढ़ाने के लिए देश के छोटे से छोटे शहरों को भी कमर कसकर जरुरतों के हिसाब से तैयार रहना होगा। स्वच्छ गंगा, निर्मल गंगा की बात करते हुए उन्होंने कहा, 'इस पवित्र नदी से बिहार का जीवन बहुत हद तक प्रभावित होता है। ऐसे में नदी के जल को निर्मल बनाए रखने के लिए बिहार में 6,000 हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं स्वीकृत की गयी हैं।' उन्होंने कहा कि नमामि गंगे मिशन के तहत बिहार सहित पूरे देश में 180 से अधिक घाटों का निर्माण होना है, जिनमें से 130 घाटों का काम पूरा हो चुका है। गंगा में छठ पूजा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आशा है कि घाटों के निर्माण से व्रतियों को सहूलियत होगी। उन्होंने गंगा डॉल्फिन योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इससे गंगा में जैव विविधता बढ़ेगी और पर्यटन भी बढ़ेगा। समारोह को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने भी संबोधित किया। बिहार के राज्यपाल फागू चौहान और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और बिहार के मंत्री सुरेश शर्मा भी वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कार्यक्रम से जुडे हुए थे। बिहार में अक्टूबर -नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

सुदर्शन टीवी...

करने से रोका जा रहा है। सुदर्शन टीवी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान ने दलील दी कि चैनल इसे राष्ट्रीय सुरक्षा में खोज परक खबर मानता है और इसकी 10 कड़ियां हैं। दीवान ने कहा, अगर चैनल इस कार्यक्रम में कुछ गलत करेगा तो इसके नतीजों के लिए पूरी व्यवस्था है लेकिन मैं महसूस करता हूं कि इसमें प्रसारण नियमों से भटकाव नहीं है। इस मामले में शीर्ष अदालत के पहले के आदेश का जिक्र करते हुए दीवान ने दलील दी कि यह सही कहा गया था कि कार्यक्रम पर प्रसारण से पूर्व कोई प्रतिबंध नहीं हो सकता है। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा, हम परसों बैठेंगे और इस दौरान आप आज की कड़ी का प्रसारण मत कीजिए। दीवान ने इसका विरोध किया ओर कहा, यह विदेशी फंडिंग का मामला है और मैं यह कहना चाहूंगा कि अगर प्रसारण रोका गया तो मैं प्रेस की स्वतंत्रता का सवाल उठाऊंगा। पीठ ने टिप्पणी की कि इंटरनेट को नियमित करना मुश्किल है लेकिन अब इलेक्ट्रानिक मीडिया का नियमन करने की आवश्यकता है।

देश में...

में अमेरिका के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। वहीं, संक्रमण से मौतों की संख्या के लिहाज से दुनिया में अमेरिका, ब्राजील के बाद भारत तीसरे नंबर पर है। देश में पिछले 24 घंटे में 1,054 लोगों की मौत हुई, जिनमें से सबसे ज्यादा 363 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई। कर्नाटक में 119, पंजाब में 68, उत्तर प्रदेश में 62, आंध्र प्रदेश में 60, पश्चिम बंगाल में 58, तमिलनाडु में 53, मध्य प्रदेश में 29, दिल्ली में 26, हरियाणा में 25, छत्तीसगढ़ में 18, गुजरात और जम्मू में 17-17, केरल और उत्तराखंड में 15-15 और राजस्थान और गोवा में 14-14 लोगों की मौत हुई। वहीं असम में 13, ओडिशा में 11, तेलंगाना में 10, बिहार और पुडुचेरी में नौ-नौ, त्रिपुरा में सात, झारखंड में छह, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में पांच-पांच, सिक्किम में दो और अरुणाचल प्रदेश, अंडमान निकोबार द्वीपसमूह, मेघालय और लद्दाख में एक-एक मरीज की मौत हुई। देश में अब तक संक्रमण से 80,776 लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र में अब तक 29,894, तमिलनाडु में 8,434, कर्नाटक में 7,384, आंध्र प्रदेश में 4,972, दिल्ली में 4,770, उत्तर प्रदेश में 4,491, पश्चिम बंगाल में 4,003, गुजरात में 3,227, पंजाब में 2,424 और मध्य प्रदेश में ।,791 लोगों की मौत हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि संक्रमण की वजह से मरने वाले 70 फीसदी से ज्यादा लोग दूसरी बीमारियों से भी ग्रसित थे। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा, हमारे आंकड़ों का मिलान आईसीएमआर से किया जा रहा है।

कोरोना के...

बीच इस अध्यादेश को 6 अप्रैल को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिली थी और यह 7 अप्रैल को लागू हुआ था। चर्चा में भाग लेते हुए अधिकतर विपक्षी सदस्यों ने कहा कि सांसदों के वेतन में कटौती से उन्हें कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन सरकार को सांसद निधि के निलंबन पर पुनर्विचार करना चाहिए। संसदीय मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने निचले सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि कोविड-19 के कारण उत्पन्न अभूतपूर्व स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यह कदम उनमें से एक है। उन्होंने कहा कि परोपकार की शुरूआत घर से होती है, ऐसे में संसद के सदस्य यह योगदान दे रहे हैं और यह छोटी या बड़ी राशि का सवाल नहीं है बल्कि भावना का है।

कंगना, रवि...

हकदार है। केवल कुछ लोगों की वजह से आज मनोरंजन उद्योग आलोचना का शिकार हो रहा है जो हर दिन करीब पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष और करीब 50 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार देता है। मनोरंजन उद्योग का तिरस्कार करना सही नहीं है और ऐसी भाषा पर रोक लगाई जानी चाहिए। राष्ट्रीय आपदा के दौरान इस उद्योग ने हरसंभव मदद की है। यहां अत्यधिक कर देने वाले लोग रहते हैं। इस उद्योग ने अपना एक नाम और पहचान अपने बूते हासिल किया है। उनका मानना है और यह अत्यंत आवश्यक भी है कि सरकार इस उद्योग का समर्थन करे। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म उद्योग से तरह तरह के वादे किए गए लेकिन उसे उसका बकाया नहीं मिला।

बॉलीवुड के...

छापेमारी, बरामदगी, गिरफ्तारी की कार्रवाई की। कोविड 19 महामारी रोकने को लागू लॉकडाउन के दौरान एनसीबी को बॉलीवुड और ड्रग तस्करों में मिलीभगत को पुष्ट करने वाली कोई जानकारी नहीं मिली है।

मरे को फ्रेंच ओपन में वाइल्ड कार्ड

पेरिस। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी ब्रिटेन के एंडी मरे को फ्रेंच ओपन में वाइल्ड कार्ड मिला है। तेरह दिन बाद शुरू हो रहे ग्रैंडस्लैम में वाइल्ड कार्ड पाने वाले आठ खिलाड़ियो में में अकेले गैर फ्रांसीसी है। चोटो के कारण उनकी रैंकिंग खिसककर 129 तक जा पहुंची है। उन्हे अमेरिकी ओपन में भी वाइल्ड कार्ड मिला था लेकिन वह दूसरे दौर मे हार गए। वह 2016 में फ्रेंच ओपन फाइनल में पहुंचे थे। महिला वर्ग में कनाडा की यूजीनी बूचार्ड और बुल्गारिया की स्वेताना पिरोंकोवा को वाइल्ड कार्ड मिले है।

एसएएससीओसी के साथ सीएसए की बैठक सकारात्मक

जोहानिसबर्ग। देश की ओलंपिक संस्था द्वारा कुप्रशासन के कारण निलंबित क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका खेल महासंघ और ओलंपिक समिति (एसएएससीओसी) के साथ उसकी बैठक सकारात्मक रही। सीएसए में प्रशासनिक ढांचा अस्त-व्यस्त है और उसे भ्रष्टाचार तथा नस्ली भेदभाव के आरोपों का सामना करना पड़ा रहा है।

ईसीबी 20 प्रतिशत कर्मचारियों को हटाएगा

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) कोविड-19 महामारी के कारण हुए 10 करोड़ पाउंड (लगभग साढ़े नौ अरब रुपए) का नुकसान झेलने के कारण 20 प्रतिशत कार्यबल कम करने की योजना बना रहा है। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरिसन ने बजट की व्यापक समीक्षा करने के बाद कहा कि अगर महामारी का प्रकोप अगले साल भी जारी रहा तो यह राशि 20 करोड़ पाउंड (लगभग 19 अरब रुपए) तब बढ़ सकती है।

नेट अभ्यास पर लौटे स्मिथ, खेल सकते हैं आखिरी वनडे

मैनचेस्टर। आस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर ने मंगलवार को कहा कि स्टीव स्मिथ मंगलवार को नेट अभ्यास पर लौटेंगे और इंग्लैंड के खिलाफ तीसरा और आखिरी वनडे खेलेंगे। आस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्मिथ को अभ्यास के दौरान कोचिंग स्टाफ का एक थ्रो सिर पर लगा था। वह पहले दो मैच नही खेल पाए। स्मिथ ने सोमवार को रनिंग की और वह रिकवरी की राह पर है बशर्ते मैच की पूर्व संध्या पर पर्याप्त अभ्यास कर लें। तीसरा और आखिरी वनडे बुधवार को खेला जाएगा।

कोविड–19 ने मानसिक रूप से मजबूत बनाया: हॉकी कप्तान मनप्रीत

बेंगलुरू। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा है कि कोरोना वायरस से उबरते हुए पृथक्वास में बिताए तनावपूर्ण समय ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत खिलाड़ी बनाया जो अब मैदान पर किसी भी स्थिति से निपटने में सक्षम है। मनप्रीत उन छह हॉकी खिलाड़ियों में शामिल थे जो पिछले महीने राष्ट्रीय शिविर के लिए बेंगलुरू में टीम के ट्रेनिंग केंद्र पर पहुंचने पर कोविड-19 पॉजिटिव पाए गए थे।

थॉमस और उबेर कप स्थगित

- शीर्ष टीमों के नाम वापिस लेने से लिया फैसला
- डेनमार्क ओपन होगा

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी के बीच शीर्ष टीमों के नाम वापिस लेने के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ ने डेनमार्क में होने वाले थॉमस और उबेर कप टूर्नामेंट मंगलवार को अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिए। भारत ने तीन से 11 अक्टूबर तक डेरमार्क के आरहस में होने वाले टूर्नामेंट के लिए महिला और पुरूष दोनों टीमों की घोषणा कर दी थी। कोरोना महामारी के कारण हालांकि थाईलैंड, आस्ट्रेलिया, चीनी ताइपै और अल्जीरिया के बाद शुक्रवार को इंडोनेशिया और दक्षिण कोरिया ने भी नाम वापिस ले लिया जिसकी वजह से बीडब्ल्यूएफ ने रविवार को आपात वर्चुअल बैठक बुलाई। महासंघ ने एक बयान में कहा , बैडमिंटन विश्व महासंघ मेजबान बैडमिंटन डेनमार्क की सहमति से थॉमस और उबेर कप 2020 स्थगित करने का कठिन फैसला ले रहा है। कई प्रतियोगी टीमों के नाम वापिस लेने के कारण यह फैसला किया गया है। संशोधित बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर के यूरोपीय चरण के कारण अब इसके लिए 2021 से पहले वैकल्पिक कार्यक्रम बनाना भी मुश्किल है। बीडब्ल्यूएफ ने सिंगापुर और हांगकांग को शामिल करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ऐसी खबरें हैं कि चीन और जापान भी नाम वापिस लेने की सोच रहे थे। भारत की स्टार खिलाड़ी साइना नेहवाल ने भी ऐसे समय में टूर्नामेंट के आयोजन पर चिंता जताई थी। साइना और पी वी सिंधू महिला टीम की अगुवाई कर रहे थे जबकि पुरूष टीम में दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत शामिल थे। टीम की तैयारियां भी पुख्ता नहीं थी क्योंकि भारतीय खेल प्राधिकरण के पृथकवास प्रोटोकॉल का पालन करने से खिलाड़ियों के इनकार के बाद प्रस्तावित शिविर रद्द हो गया था। बीडब्ल्यूएफ ने यह भी कहा कि डेनमार्क ओपन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 13 से 18 अक्टूबर तक ओडेंसे में होगा लेकिन 20 से 25 अक्टूबर तक होने वाला विक्टर डेनमार्क मास्टर्स रद्द कर दिया गया है। संशोधित कैलेंडर में बीडब्ल्यूऊ ने नवंबर में एचएसबीसी विश्व टूर फाइनल के अलावा एशिया में दो सुपर 1000 टूर्नामेंट कराने का भी फैसला लिया है। रपटों के अनुसार बीडब्ल्यूएफ इंडोनिशया में तीनों टूर्नामेंट कराना चाहता है लेकिन इंडोनेशिया ने कोरोना महामारी के कारण इरादा बदल दिया। थॉमस और उबेर कप के जरिए मार्च के बाद अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की बहाली होनी थी लेकिन बीडब्ल्यूएफ ने स्वीकार किया कि मौजूदा हालात में उच्च स्तर का टूर्नामेंट करा पाना संभव नहीं है और इसी वजह से टूर्नामेंट स्थगित करने का फैसला लिया गया।

नाम वापस लेने वाले एशियाई देश दोषी: विमल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बैडमिंटन कोच विमल कुमार ने थॉमस और उबेर कप फाइनल के स्थगित होने के लिए मंगलवार को एशियाई देशों को दोषी ठहरते हुए कहा कि प्रतियोगिता से उनके हटने के कारण खेल को बड़ा झटका लगा है। कोरोना वायरस महामारी के बीच शीर्ष टीमो के नाम वापिस लेने के कारण विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने डेनमार्क में होने वाली थॉमस और उबेर कप प्रतियोगिता को अगले साल तक के लिए स्थगित कर दिया है। विमल ने कहा, इन एशियाई देशों ने जो किया है, वह वास्तव में निराशाजनक है। इन देशों में कोई बड़ी समस्या नही है, वे वहां स्थानीय टूर्नामेंटो का आयोजन कर रहे है, इसलिए उनका इस तरह से नाम वापस लेना, खेल के लिए एक बड़ा झटका है। थॉमस और उबेर कप के जरिए मार्च से कोविड-19 के कारण बंद अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन की बहाली होनी थी। इस टूर्नामेंट का आयोजन डेनमार्क के आरहस में तीन से 11 अक्टूबर तक होना था। भारत ने टूर्नामेंट के लिए महिला और पुरूष दोनों टीमो की घोषणा कर दी थी।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सदाशिव रावजी पाटिल का निधन

मुंबई। एक टेस्ट मैच में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व क्रिकेटर सदाशिव रावजी पाटिल का मंगलवार को कोल्हापुर में उनके आवास पर निधन हो गया। वह 86 बरस के थे और उनके परिवार में पत्नी के अलावा दो बेटियां है। कोल्हापुर जिला क्रिकेट संघ के पूर्व पदाधिकारी रमेश कदम ने बताया, उनका (पाटिल का) कोल्हापुर की रुईकर कॉलोनी में अपने आवास पर मंगलवार तड़के सोते हुए निधन हो गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पाटिल के निधन पर शोक जताया और उनके क्रिकेट सफर को याद किया जो मुख्य रूप से घरेलू क्रिकेट तक सीमित रहा। बीसीसीआई ने विज्ञप्ति में कहा, मध्यम गति के गेंदबाज पाटिल ने 1952-53 सत्र में महाराष्ट्र के लिए प्रथम श्रेणी पदार्पण करते हुए तुरंत प्रभाव छोड़ा। मुंबई के खिलाफ खेलते हुए उन्होंने एक ही स्पैल में गेंदबाजी करते हुए घरेलू चैंपियन टीम को 112 रन पर ढेर करने में अहम भूमिका निभाई जबकि इससे पहले महाराष्ट्र की टीम 167 रन पर सिमट गई थी।

रोटोग्राफिक्स (इंडिया) लिमिटेड

सीआईएन : एल74899डीएल1976पीएलसी008036
पंजी. कार्यालय : यूनिट नंबर 8, भू तल, पाकेट एम, सरिता विहार, नई दिल्ली–110076
फोन : 011–47366600, ई–मेल : info@rotoindia.in वेबसाइट : www.rotoindia.co.in

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु
अ–लेखापरीक्षित पृथक्कृत वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण (रू. लाख में, सिवाय ईपीएस)

विवरण	तिमाही समाप्त 30–06–2020 (अ–लेखापरीक्षित)	तिमाही समाप्त 30–06–2019 (अ–लेखापरीक्षित)	वर्ष समाप्त 31–03–2020 (लेखापरीक्षित)
परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	0	0	14.72
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पहले)	(1.15)	(2.28)	1.90
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पहले (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(1.15)	(2.28)	1.90
अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	(1.15)	(2.28)	1.37
अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित है]	(1.15)	(2.28)	1.40
इक्विटी शेयर पूंजी	360.13	360.13	360.13
प्रति शेयर अर्जन मूल एवं तनुकृत (वार्षिककृत नहीं)	(0.03)	0.00	0.04

नोट्स :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (एलओडीआर) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्जेज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजेज की वेबसाइट www.bseindia.com और कम्पनी की वेबसाइट www.rotoindia.co.in पर उपलब्ध है।
2. उपरोक्त अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामो की समीक्षा लेखापरीक्षा समिति द्वारा की गई थी तथा निदेशक मंडल द्वारा 15–09–2020 को सम्पन्न उसकी बैठक में अनुमोदित किए गए हैं।

वास्ते रोटोग्राफिक्स (इंडिया) लिमिटेड
नरेश कुमार बंसल
निदेशक

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 15–09–2020

संतुलित आईपीएल टीमों में से है सनराइजर्स हैदराबाद

- वार्नर की अगुवाई में और निखरी

भाषा। नई दिल्ली

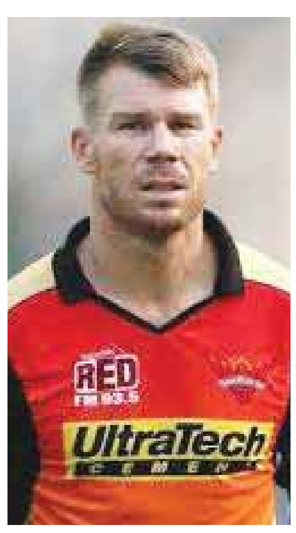

शानदार शीर्ष क्रम, बेहतरीन स्पिन आक्रमण और डेविड वार्नर जैसा आक्रामक कप्तान। इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे संतुलित सनराइजर्स हैदराबाद एक बार फिर प्लेआफ के चार प्रबल दावेदारों में से होगी। मुंबई इंडियंस या चेन्नई सुपर किंग्स जैसी हाई प्रोफाइल टीम नहीं होने के बाद सनराइजर्स किसी से कम नहीं है क्योंकि उसके पास शानदार कोचिंग स्टाफ है। इसमें ट्रेवर बेलिस (केकेआर के आईपीएल विजेता पूर्व कोच), वीवीएस लक्ष्मण और मुथैया मुरलीधरन जैसे महान पूर्व खिलाड़ी शामिल हैं। ये तीनों आईपीएल की सफल टीमों के डगआउट में रह चुके हैं और इनका अपना कद बहुत ऊंचा है। कप्तान के रूप में इस सत्र में वापसी करने वाले डेविड वार्नर के रूप में सनराइर्स के पास करिश्माई कप्तान हैजो अपने दम पर मैच जिताने का माद्दा रखता है। चार साल पहले वार्नर की कप्तानी में सनराइजर्स ने खिताब जीता था और वह तीन बार आरेंज कैप हासिल कर चुके हैं। पिछले सत्र में जॉनी बेयरस्टॉ और वार्नर ने कई रिकार्ड तोड़े जिनमें आईपीएल के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी का रिकार्ड शामिल है।दोनों अपने दम पर टीम को नॉकआउट तक ले गए थे। वार्नर ने 12 मैचों में 692 रन बनाए जिसमें आठ अर्धशतक और एक शतक शामिल था। वहीं बेयरस्टॉ ने 10 मैचों में एक शतक और दो अर्धशतक के साथ 445 रन जोड़े। सनराइजर्स के पास भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार जैसा तेज गेंदबाज और अफगानिस्तान के टी20 कप्तान जैसा स्पिनर है।

कई अभ्यास सत्रों के बाद अब अच्छा लग रहा है : आरसीबी के पडीक्कल

दुबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के युवा बल्लेबाज देवदत्त पडीक्कल ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग से पहले ढाई सप्ताह अभ्यास करके अब वह पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। आरसीबी का सामना 21 सितंबर को पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। पडीक्कल ने आरसीबी के यूट्यूब चैनल पर कहा , लय में लौटकर अच्छा लग रहा है।हमने नेट पर काफी अभ्यास किया और अब लॉकडाउन के पहले वाली स्थिति से बेहतर लग रहा है। कर्नाटक के इस खब्बू बल्लेबाज ने विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली ट्राफी में सर्वाधिक रन बनाए थे। बीस बरस के इस बल्लेबाज का 12 मैचों में स्ट्राइक रेट 175 से अधिक और औसत 64 है। कप्तान विराट कोहली और और कोच माइक हेसन दोनों उससे प्रभावित हैं। यहां के मौसत के बारे में उसने कहा , हम इसके अनुरूप ढल रहे हैं। हमने दौड. के भी कुछ सत्र रखे और फिटनेस पर लगातार काम करते रहेंगे।

दिल्ली कैपिटल्स के पास निश्चित तौर पर इस बार खिताब जीतने की क्षमता: अक्षर

दुबई। दिल्ली कैपिटल्स के आलराउंडर अक्षर पटेल ने मंगलवार को कहा कि उन्होने प्रत्एक विभाग में अच्छी तैयार की है और उनका मानना है कि इस साल फ्रेंचाइजी के पास पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीतने की क्षमता है। भारत में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण आईपीएल के 13वें सत्र का आयोजन यूएई के तीन स्थलो दुबई, अबु धाबी और शारजाह में 19 सितंबर से 10 नवंबर के बीच किया जाएगा। दिल्ली कैपिटल्स की टीम टूर्नामेंट में प्रबल दावेदारों में शामिल होगी। टीम में कई अच्छे खिलाड़ियों की मौजूदगी पर अक्षर ने कहा, नए बदलाव के साथ मुझे लगता है कि टीम काफी अच्छी लग रही है। तेज गेंदबाजो, स्पिनरो और आलराउंडरो की मौजूदगी में हमने सभी विभागो की तैयारी कर ली है और मुझे लगता है कि इस बार हम चैंपियन बन सकते है।

ओके प्ले इंडिया लिमिटेड

OK PLAY
सीआईएन : एल28219एचआर1988पीएलसी030347
पंजी. कार्यालय : प्लॉट नंबर 17–18, रोज–का–मेयो इंडस्ट्रियल एस्टेट, तहसील नूह, जिला मेवात, हरियाणा–122103
ई–मेल : investor.relations@okplay.in, वेबसाइट : www.okplay.in

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु
पृथक्कृत और समेकित अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण (रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	पृथक्कृत तिमाही समाप्त 30.06.2020 अलेखापरीक्षित	पृथक्कृत तिमाही समाप्त 30.06.2019 अलेखापरीक्षित	पृथक्कृत वर्ष समाप्त 31.03.2020 लेखापरीक्षित	समेकित तिमाही समाप्त 30.06.2020 अलेखापरीक्षित	समेकित तिमाही समाप्त 30.06.2019 अलेखापरीक्षित	समेकित वर्ष समाप्त 31.03.2020 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	499.66	2,946.50	6,867.98	617.40	3,461.65	8,137.58
2	शुद्ध लाभ/(हानि) कर तथा अपवाद मदों से पूर्व	(420.09)	65.76	(707.27)	(469.03)	186.25	(820.67)
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर से पूर्व (अपवाद मदों के बाद)	(422.67)	67.49	(752.34)	(471.61)	187.98	(865.73)
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ/(हानि) कर पश्चात (अपवाद मदों के बाद)	(422.67)	53.60	(274.18)	(471.61)	149.35	(361.82)
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय/(हानि) [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) शामिल है]	(422.67)	53.60	(271.35)	(471.61)	149.35	(358.99)
6	इक्विटी शेयर पूंजी	1,920.81	1,920.81	1,920.81	1,920.81	1,920.81	1,920.81
7	अन्य इक्विटी (संचेय पुनरमूल्यन संचेय छोड़कर)	-	-	3,992.92	-	-	3,620.08
8	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/– प्रत्येक का) (जारी और बंद प्रचालनों हेतु)						
	(क) मूल (रू. में	(2.20)	0.28	(1.41)	(2.46)	0.78	(1.87)
	(ख) तनुकृत (रू. में)	(2.20)	0.28	(1.41)	(2.46)	0.78	(1.87)

नोट :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन एवं अन्य प्रकटन अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का सारकित रूप है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंजेज की वेबसाइट www.bseindia.com और कम्पनी की वेबसाइट www.okplay.in पर उपलब्ध है।
2. उपरोक्त पृथक्कृत और समेकित वित्तीय परिणाम दिनांक 15–09–2020 को आयोजित बैठक में लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किए गए हैं।

वास्ते ओके प्ले इंडिया लिमिटेड
हस्ता./–
राजन हांडा
प्रबंध निदेशक
डीआईएन – 00194590

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 15–09–2020

कार्यालय ग्राम पंचायत कलछीना, विकास खण्ड भोजपुर (गाज़ियाबाद)

पत्रांकः40/7/ग्रा0पं0 कलछीना/टेंडर/विज्ञापन /2020–21 दिनांकः–15/09/2020

–: अति अल्पकालीन निविदा सुचना :–

जनपद गाज़ियाबाद में पंजीकृत समस्त राजकीय ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि ग्राम निधि–प्रथम में प्राप्त धनराशि यथा चतुर्थ राज्य वित्त आयोग/14 वा वित्त आयोग और 15वां वित्त आयोग की धनराशि से ग्राम कलछीना की सीमान्तर्गत विकास कार्यो हेतु अति अल्पकालीन निविदा/ कुटेशन आमंत्रित की जाती है।

पंजीकृत ठेकेदारों को निर्देशित किया जाता है की वित्तीय वर्ष 2020–2021 में जो विकास कार्य ग्राम में कराये जाने है उसकी सूची ग्राम पंचायत कलछीना के कार्यालय अथवा खण्ड विकास अधिकारी कार्यालय हापुड़ रोड, भोजपुर गाज़ियाबाद से प्राप्त कर सकते है। निविदा दिनांक 16/09/2020 से बिकी हेतु उपलब्ध है जिसको नगद कय किया जा सकता है तथा दिनांक 23/09/2020 को दोपहर 01:00 बजे तक ग्राम पंचायत कलछीना के कार्यालय के निविदा बॉक्स में जमा की जा सकती है। उसी दिन दिनांक 23/09/2020 को उपरान्ह 03:00 बजे इच्छुक ठेकेदारों अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष उक्त निविदा ग्राम पंचायत कलछीना विकास खण्ड भोजपुर के कार्यालय पर खोली जायेगी।

क0 स0	कार्य का विवरण	अनुमानित राशि	धरोहर राशि 2%	निविदा मूल्य +GST+स्टेशनरी	कार्यावधि
1.	गुलजार पुत्र जमील के घर से फिरोज चौहान के घर तक सी सी रोड व नाली निर्माण	80000/–	1600	——	15 दिन
2.	सददी कब्रिस्तान के गेट का निर्माण ।	99000/–	2000	——	15 दिन
3.	सरकारी नल से साजिद के घर तक व खलील वाली गली से सी सी रोड व नाली निर्माण।	151000/–	3000	75+GST+500	15 दिन
4.	आरिफ़ पुत्र साबार के घर से इनशाद पुत्र सदीक के घर तक सी सी रोड व नाली निर्माण।	262000/–	5300	150+GST+500	15 दिन
5.	गफ्फार के घर से जमील के घर तक सी सी रोड निर्माण	313500/–	6300	150+GST+500	15 दिन
6.	बस स्टैंड के पास तालाब की जलखुम्बी सफाई/किनारो की सिल्ट खुदाई कार्य।	376208/–	7600	150+GST+500	15 दिन
7.	सत्तार के घर से जान मौहम्मद के घर टीके सी सी रोड व नाली निर्माण कार्य ।	541000/–	10900	225+GST+500	15 दिन
8.	सामुदायिक भवन से माया के घर तक सी सी रोड व नाली निर्मण।	639000/–	12800	225+GST+500	15 दिन
9.	ट्रासंफार्मर से आबिद के घर तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण कार्य।	746000/–	15000	225+GST+500	15 दिन
10.	हनीफ के घर से आंगनबाड़ी केन्द्र तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण।	1613500/–	32300	300+GST+500	15 दिन
11	सामुदायकि शौचालय निर्माण।	649000/–	13000	225+GST+500	15 दिन
12.	ग्राम कलछीना में जनसेवा केन्द्र का निर्माण कार्य।	777000/–	15600	225+GST+500	15 दिन

नियम व शर्ते:–
1. अरनेस्ट मनी निविदा डालने के समय नगद/एफ0डी0आर0/एन0एस0सी0 के रूप मे दी जा सकती है। जो ग्राम पंचायत कलछीना, विकास खण्ड भोजपुर गाजियाबाद के पदनाम में बन्धक हो
2. कार्य पी0डब्लू0डी0 की विशिष्टियो के अनुरूप होगा
3. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी का होगा।
4. निविदा केवल जनपद गाजियाबाद में पंजीकृत ठेकेदारो को ही देय होगी।
5. ठेकेदार का पंजीयन उप श्रमायुक्त के यहाँ अवश्य होना चाहिए।
6. निविदा प्रपत्र के साथ 100/– रू का नॉन जुडिशियल स्टाम्प पेपर रसीदी टिकिट के साथ लाये।
7. नियमानुसार सभी शासकीय कटौतिया की जायेगी।
8. अन्य नियम व शर्ते लागू रहेंगी।

सचिव
ग्राम पंचायत कलछीना
विकास खण्ड भोजपुर

प्रधान
ग्राम पंचायत कलछीना
विकास खण्ड भोजपुर

शेयर बाजारों में तेजी, सेंसेक्स 288 अंक मजबूत

- बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयर चमके

भाषा। मुंबई

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख के बीच बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बीएसई संसेक्स में मंगलवार को 288 अंक की तेजी दर्ज की गई। तीस शेयरों वाला सेंसेक्स शुरूआती उतार–चढ़ाव से बाहर निकलते हुए अंत में 287.72 अंक यानी 0.74 प्रतिशत मजबूत होकर 39,044.35 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 81.75 अंक यानी 0.71 प्रतिशत बढ़कर 11,521.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा। इसमें 4.03 प्रतिशत की मजबूती आई। इसके अलावा भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, सन फार्मा, एचडीएफसी और कोटक बैंक में अच्छी तेजी रही। दूसरी तरफ जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, उनमें टाइटन, मारुति, आईटीसी, एशियन पेंट्स, एचसीएल टेक और बजाज ऑटो शामिल हैं। इनमें 1.20 प्रतिशत तक की गिरावट आई। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में तेजी रही। मल्टी कैप म्यूचुअल फंड के लिए संपत्ति वर्गीकरण नियमों में बदलाव के कारण निवेशकों ने मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश बढ़ाया।

सार्वजनिक सूचना

मेरे मुव्क्किल श्री चत्तर सिंह पुत्र श्री तोता राम सैनी निवासी मकान नम्बर एच–30, गली नं0–2, राज नगर–II, पालम कॉलोनी, नई दिल्ली–110045 ने अपने पुत्र युगदीप सैनी और पुत्रवधु श्रीमती दीपा को अपनी समस्त चल और अचल संपत्तियों से इनके द्वारा की गई अवज्ञा अनुचित कदाचार के कारण, बेदखल कर दिया है। मेरे मुव्क्किल भविष्य में उनके किसी भी कृत्यों के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

पवन कुमार (अधिवक्ता)
दिल्ली हाई कोर्ट और जिला न्यायालय
309 वर्धमान प्रसाद पलाजा, पॉकेट–6, सैक्टर–12, द्वारका, नई दिल्ली–75

चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था में आएगी नौ प्रतिशत की गिरावट : एडीबी

भाषा। नई दिल्ली

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2020-21 में भारतीय अर्थव्यवस्था में नौ प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया है। एडीबी का कहना है कि कोविड-19 महामारी लंबे तक कायम रहने या संक्रमण के मामलों में बढ़ोतरी से भारत का वृद्धि परिदृश्य और प्रभावित हो सकता है। चार दशकों में यह पहला मौका होगा जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था में संकुचन आएगा। एडीबी की ओर से मंगलवार को जारी एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ)-2020 अपडेट में कहा गया है कि भारत में कोरोना वायरस की वजह से आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई है। इसका असर उपभोक्ता धारणा पर भी पड़ा है, जिससे चालू वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में नौ प्रतिशत की गिरावट आएगी।

कॉस्को (इंडिया) लिमिटेड

सीआईएन : एल25199डीएल1980पीएलसी010173
पंजी. कार्यालय : 2/8, रूप नगर, दिल्ली–110007
वेबसाइट : www.cosco.in ई–मेल : mail@cosco.in
फोन : 91–11–23843000 फैक्स : 91–11–23846000

30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही हेतु
पृथक्कृत अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का संक्षिप्त विवरण
(रू. लाख में)

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 30–06–2020 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त 30–06–2019 अलेखापरीक्षित	तिमाही समाप्त 31–03–2020 लेखापरीक्षित	वर्ष समाप्त 31–03–2020 लेखापरीक्षित
1	परिचालन से कुल आय	2,723.63	3,327.29	3,335.30	13,435.82
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ, कर पूर्व	57.97	48.53	4.23	221.78
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ, कर पश्चात	37.02	75.09	19.58	180.72
4	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित हैं]	37.02	75.09	18.67	179.81
5	इक्विटी शेयर पूंजी	416.10	416.10	416.10	416.10
6	अन्य इक्विटी	-	-	-	3,504.85
7	प्रति शेयर अर्जन (रू. 10/–प्रत्येक)				
(क)	मूल (रू.)	0.89	1.80	0.47	4.34
(ख)	तनुकृत (रू.)	0.89	1.80	0.47	4.34

नोट्स :
1. उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेन्ज में प्रस्तुत किए गए तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। तिमाही/वार्षिक वित्तीय परिणामों का पूर्ण विवरण स्टॉक एक्सचेन्ज वेबसाइट्स (www.bseindia.com/corporates) तथा कम्पनी की वेबसाइट www.cosco.in पर उपलब्ध है।
2. उपरोक्त परिणाम लेखापरीक्षा समिति तथा कम्पनी के निदेशक मंडल की 15 सितम्बर, 2020 को आयोजित उनकी संबंधित बैठक में क्रमानुसार पुनरीक्षित और अनुमोदित किए गए हैं।

बोर्ड के आदेश द्वारा
वास्ते कॉस्को (इंडिया) लिमिटेड
देविन्दर कुमार जैन
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
डीआईएन : 00191539

स्थान : दिल्ली
तिथि : 15–09–2020

मैक्कलेन एअरपोर्ट पर एक समारोह में शिरकत करने के दौरान कैलीफोर्निया नेशनल गार्ड प्रतिभागियों के साथ फोटो खिंचवाते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

हैरिस, क्लिंटन ने जुटाए 60 लाख डॉलर, ट्रंप का मजाक उड़ाया

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय मूल की सीनेटर एवं डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उप राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस और 2016 में राष्ट्रपति पद की प्रत्याशी रही हिलेरी क्लिंटन ने एक कार्यक्रम में 60 लाख डॉलर जुटाए। इस कार्यक्रम में दोनों नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मजाक उड़ाया।

चंदा जुटाने के लिए हुए इस डिजिटल कार्यक्रम में क्लिंटन ने कहा,' मैंने उन्हें (ट्रंप को) कभी हंसते हुए नहीं देखा। कभी भी उन्हें अपना मजाक बनाते नहीं देखा। निश्चित तौर पर उनके बाल बनाने के तरीके पर नहीं-- आप को मालूम है कि इसमें मुझे काफी अनुभव है। उनमें हास्य बोध नहीं है। आप जानते हैं कि वह लोगों को गिराना पसंद करते हैं न कि उठाना। हैरिस ने ट्रंप के व्यक्तित्व पर कहा, मैं आप से पूरी तरह से सहमत हूं, हिलेरी। हैरिस ने कहा, उनके बारे में कुछ भी आनंददायक नहीं है। उनके बारे में ऐसा कुछ नहीं है जो आनंद देता हो।उन्होंने कहा कि यह वास्तव में शर्म की बात है। सब लोगों की जिंदगियों में ऐसा कुछ होता है जो उन्हें वास्तविक तौर पर मुस्कुराने की ताकत देता है।क्लिंटन ने कहा कि इस कार्यक्रम में एक लाख से ज्यादा लोगों से 60 लाख डॉलर से अधिक राशि जुटाई गई है।चंदा जुटाने वाले इस कार्यक्रम की मेजबानी अमेरिकी अभिनेत्री, गायिका, कॉमेडियन माया खबीरा रूडोल्फ़ और एमी पोहलर ने की। अपनी टिप्पणी में क्लिंटन ने कैलिफोर्निया, ओरेगन और वाशिंगटन में वनाग्नि का मुद्दा उठाया। साथ में वायु गुणवत्ता का भी मुद्दा उठाया। हैरिस ने पूर्व विदेश मंत्री क्लिंटन को महिलाओं के लिए आदर्श बताया।

ट्रंप और बाइडेन ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर अलग-अलग विचार रखे

वाशिंगटन। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप तथा डेमोक्रेटिक पार्टी के उनके प्रतिद्वंद्वी जो बाइडेन ने कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग के बीच जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अलग-अलग तरीके बताए।ट्रंप ने राज्य के गवर्नर गेविन न्यूसम के साथ ब्रीफिंग के दौरान कैलिफोर्निया प्राकृतिक संसाधन एजेंसी के सचिव वेड क्रोफूट से कहा,' मुझे नहीं लगता कि विज्ञान वास्तव में जानता है।वहीं बाइडन ने जलवायु परिवर्तन पर ट्रंप की नीति की आलोचना करते हुए कहा, अगर आप जलवायु फूंकने वाले को चार और साल व्हाइट हाउस में रखेंगे तो अमेरिका के और भागों में भी आग लगने से किसी को हैरत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आप ऐसा राष्ट्रपति चुनेंगे जो जलवायु परिवर्तन का तथ्य नकारता हो तो अमेरिका के अधिक हिस्सों के जलमग्न हो जाने पर किसी को भी हैरत नहीं होनी चाहिए। बाइडेन ने कहा, हमें ऐसा राष्ट्रपति चाहिए जो विज्ञान का सम्मान करता हो, जो समझता हो कि जलवायु परिवर्तन से पहले ही नुकसान हो चुका है। अगर तत्काल कार्वाई नहीं की गई तो यह और विनाशकारी होगा।उन्होंने यह भी कहा कि नवंबर में होने वाले चुनाव में वह अगर निर्वाचित होते हैं तो जलवायु परिवर्तन पर पेरिस में हुए ऐतिहासिक समझौते में अमेरिका को फिर से शामिल करेंगे और कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए नए मानक तैयार करेंगे। दूसरी ओर ट्रंप ने आग के लिए खराब वन प्रबंधन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि जब पेड़ों को कम अवधि के अंतराल पर काटा जाता है तो वे शुष्क हो जाते हैं।

उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुने जाने पर हैरिस को मां की याद आई

वाशिंगटन। भारतीय मूल की सीनेटर कमला हैरिस ने कहा कि जब पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन ने उन्हें डेमोक्रेटिक पार्टी से उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने की पेशकश की तो उन्हें तत्काल अपनी मां की याद आई। कैलिफोर्निया से सीनेटर 55 वर्षीय हैरिस पहली अश्वेत महिला हैं जिन्हें अमेरिका की किसी महत्वपूर्ण पार्टी द्वारा उप राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया गया है। उनकी मां श्यामला गोपालन 1957 में स्नातक पूरा करने के बाद उच्च अध्ययन के लिए भारत से अमेरिका आई थीं। कई साक्षात्कारों में, हैरिस ने बताया है कि वह अपनी मां से बहुत प्रभावित हैं। उनकी मां एक प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ थीं।हैरिस ने एक आयोजन में एक सवाल के जवाब में कहा, मुझे तत्काल मां की आद आई कि वह मुझे देख रही हैं और वह क्या सोच रही होंगी।

ट्रंप की मौजूदगी में इजराइल, यूएई व बहरीन ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे

भाषा। वाशिंगटन

व्हाइट हाउस पश्चिम एशिया के दो अहम मुस्लिम देशों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) एवं बहरीन के साथ इजराइल के राजनयिक संबंधों को स्थापित करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर के कार्यक्रम की मेजबानी मंगलवार को करेगा।

यह चुनावी साल में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक उल्लेखनीय कूटनीतिक उपलब्धि है। यूएई और बहरीन के प्रतिनिधि व्हाइट में ट्रंप की मौजूदगी में इजराइल के साथ ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। ट्रंप ने रिश्तों को सामान्य करने के लिए अगस्त में यूएई तथा इजराइल के बीच ऐतिहासिक समझौता कराने के लिए बातचीत कराई थी। पिछले हफ्ते ट्रंप ने एलान किया था कि बहरीन भी रिश्तों को सामान्य करने के लिए इजराइल के साथ एक समझौते तक पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यह समारोह क्षेत्र में शांति की दिशा में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

ऐतिहासिक समझौते की पूर्वसंध्या पर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी ने पत्रकारों से कहा कि यूएई और इजराइल के नुमांइदे तथा बहरीन एवं इजराइल के प्रतिनिधि अपने-अपने दस्तावेजों पर दस्तख्त करेंगे। यह ऐतिहासिक समझौता कराने में राष्ट्रपति के सलाहकार एवं दामाद जारेड कुशनर ने अहम भूमिका निभाई है। यूएई और बहरीन के नेताओं से फोन पर बात करने के बाद ट्रंप ने खुद दोनों समझौतों की घोषणा की है। 13 अगस्त को इजराइल- यूएई समझौते की घोषणा की गई थी जबकि इजराइल बहरीन समझौते का ऐलान पिछले हफ्ते किया गया है। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यूएई के वली अहद (उत्तराधिकारी) के भाई एवं देश के विदेश मंत्री कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। वहीं बहरीन का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री करेंगे।समझौते को अब्राहम (या इब्राहीम) संधि का नाम दिया गया है।समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले समारोह में कुछ सौ लोग हिस्सा ले सकते हैं। फॉक्स न्यूज को दिए साक्षात्कार में विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि यह एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन ने पश्चिम एशिया में शांति के लिए हालात तय किए हैं। यह असल प्रगति है। कल इजराइल, बहरीन और यूएई के प्रतिनिधि वाशिंगटन में होंगे और रिश्तों को सामान्य करने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

पोम्पिओ ने कहा, उन्होंने हाथ मिलाया और अब उनके क्षेत्र में कई और साझेदार हैं। वे सभी देश, सभी खाड़ी देश इस्लामी गणराज्य ईरान के खतरे को वास्तविक मान रहे हैं और वे अब साथ काम कर रहे हैं, सुरक्षा तथा आर्थिक संबंधों को बना रहे हैं।

अमेरिका ने चीन और हांगकांग की यात्रा को लेकर नई चेतावनी जारी की

बीजिंग। अमेरिका ने चीन और हांगकांग की यात्रा पर जाने के खिलाफ मंगलवार को नई चेतावनी जारी की और कहा कि वहां पर मनमाने तरीके से हिरासत में लिए जाने और मनमाने तरीके से स्थानीय कानून थोपे जाने का खतरा है। यह परामर्श अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ा सकता है जो हांगकांग में जून में सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किए जाने को लेकर पहले से ही अधिक है। इसे लेकर अमेरिका कई दंडात्मक कार्वाई कर चुका है। नए परामर्श में अमेरिकी नागरिकों को चेतावनी दी गई है कि चीन जांचकर्ताओं से सहयोग करने को मजबूर करने के लिए मनमाने तरीके से हिरासत में ले सकता और बाहर जाने पर प्रतिबंधित लगा सकता है। इसके अलावा विदेश से परिवार के सदस्यों को चीन लौटने के लिए दबाव डाल सकता है, दीवानी विवादों को प्रभावित कर सकता है।परामर्श में कहा गया है कि चीन या हांगकांग में रहने वाले या वहां की यात्रा पर जाने वाले अमेरिकी नागरिकों को वह हिरासत में ले सकता है और ना उन्हें राजनयिक पहुंच देगा और न ही उनके कथित अपराध के बारे में कोई सूचना देगा। अमेरिकी नागरिकों से लंबे समय तक पूछताछ की जा सकती है और बिना कानूनी प्रक्रिया के उनकी हिरासत को बढाया जा सकता है। परामर्श में कहा गया है कि हांगकांग में चीन एकतरफा और मनमाने ढंग से पुलिस और सुरक्षा शक्तियों का प्रयोग कर सकता है।

क्विक न्यूज

भारत ने संयुक्त राष्ट्र कमीशन ऑन स्टेटस फॉर वुमेन के महत्वपूर्ण चुनाव में चीन को हराया

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के कमीशन ऑन द स्टेटस ऑफ वुमेन (सीएसडब्ल्यू) के एक महत्वपूर्ण चुनाव में भारत ने चीन को हराकर आयोग की सदस्यता हासिल की है। यह वैश्विक निकाय लिंग समानता और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में काम करता है।सीएसडब्ल्यू संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) का एक कार्यात्मक आयोग है।54 सदस्ईय ईसीओएसओसी ने सोमवार को जनरल असेंबली हॉल में अपने 2021 सत्र की पहली बैठक आयोजित की, जिसमे एशियाई देशों की दो सीटों के लिए अफगानिस्तान, भारत और चीन एक साथ चुनाव मैदान में थे। संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अडेला राज के नेतृत्व में अफगानिस्तान को 39 मत मिले और भारत को 54 मतपत्रों में से 38 मत मिले। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य, चीन को केवल 27 मत मिले और 28 वोटों के लिए आवश्यक बहुमत पाने में असफल रहा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने ट्वीट किया, भारत ने प्रतिष्ठित ईसीओएसओसी निकाय में सीट जीतीउ भारत को महिला कमीशन ऑन स्टेटस फॉर वुमेन का सदस्य चुना गया। यह लैगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए हमारी प्रतिबद्धता का परिणाम है। हम सदस्य देशों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं।

इंडोनेशियाई गश्ती जहाज ने आर्थिक क्षेत्र में चीन के जहाज का विरोध किया

जकार्ता। इंडोनेशिया के एक गश्ती जहाज ने उस चीनी तटरक्षक जहाज का विरोध किया जो लगभग तीन दिन से उस जलक्षेत्र में था जहां इंडोनेशिया आर्थिक अधिकारों का दावा करता है। यह क्षेत्र विवादित दक्षिण चीन सागर के चीन के दावों वाले क्षेत्र से दक्षिणी हिस्से के पास स्थित है। इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी को चीन के जहाज 5204 के इंडोनेशियाई विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र मे प्रवेश करने के बारे मे पता शुक्रवार रात मे चला था जिसे इंडोनेशिया उत्तर नातुना जल क्षेत्र कहता है। इंडोनेशियाई समुद्री सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख आन कुर्निया ने बताया कि एजेंसी ने एक गश्ती जहाज को चीनी तट रक्षक जहाज से एक किलोमीटर के दायरे में भेजा और दोनों पक्षों के बीच क्षेत्र मे अपने-अपने देशो के दावो के बारे मे संवाद किया गया। उन्होंने कहा, हमने उन्हे क्षेत्र से हटने के लिए कहा क्योकि वह इंडोनेशिया का विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र है। लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह चीन का नाइन-डैश लाइन क्षेत्र है। जहाज पर तैनात हमारे अधिकारियों ने उनसे तब तक बहस की जब तक वे वहां से निकले नही। कुर्निया ने इस घटना की जानकारी इंडोनेशियाई मंत्रियो को दी।

रूस के विपक्षी नेता नेवलनी ने इंस्टाग्राम पर अपना फोटो डाला, कहा: सांस ले सकता हूं

बर्लिन। रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नेवलनी ने मंगलवार को जर्मनी के एक अस्पताल से एक तस्वीर पोस्ट की और कहा कि वह अब खुद से सांस ले रहे है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, अभिवादन, मै नेवलनी हूं। मुझे आप (सभी) की बहुत याद आ रही है। अब भी मै काफी कुछ तो नही कर सकता लेकिन कल मै पूरे दिन खुद से सांस ले पाया। उन्होंने लिखा, बिल्कुल अपने आप, बिना किसी बाहरी मदद के, गले में कोई रुकावट भी नही है। नेवलनी (44) को रूस मे एक घरेलू विमान में बीमार पड़ने के दो दिन बाद चैरिटी अस्पताल में इलाज के लिए 20 अगस्त को बर्लिन ले जाया गया था। जर्मनी की एक सैन्य प्रयोगशाला ने निष्कर्ष निकाला कि नेवलनी को नोवचोक नामक जहर दिया गया है। यह सोवियत कालीन जहर है जिसका इस्तेमाल पूर्व रूसी जासूस सर्गेई स्क्रीपल और उनकी बेटी पर 2018 में इंगलैंड के सेलिसबरी में किया गया था। सोमवार को जर्मन प्रयोगशाला ने कहा था कि उसके निष्कर्ष पर फ्रांस और स्वीडन की प्रयोगशालाओं ने भी मुहर लगाई है क्रेमलिन जहरखुरानी के संबंध में जर्मन चांसलर एजेंला मर्केल और अन्य नेताओं द्वारा पूछे गए सवाल पर भड़क गया और उसने किसी संलिप्तता से इनकार किया। रूसी विदेश मंत्री सरजेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर इस घटना को रूस पर नई पाबंदिया लगाने के बहाने के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

आतंकी वित्तपोषण के खिलाफ सहकारी समितियों के नियमन के लिए पाक संसद में विधेयक पारित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की संसद ने आतंकवाद के वित्त पोषण को रोकने के लिए सहकारी समितियों के पंजीकरण और नियमन में ज्यादा नियंत्रण व पारदर्शिता लाने के लिए एक विधेयक पारित किया है। माना जा रहा है कि यह वैश्विक धनशोधन और आतंकवादी वित्तपोषण निगरानीकर्ता द्वारा कालीसूची मे डाले जाने से बचने के लिए पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे प्रयासों का ही हिस्सा है। पेरिस स्थित वित्तीय कार्वाई कार्यबल (एफएटीएफ) ने जून 2018 में पाकिस्तान को काली सूची मे डाला था और कहा था कि काली सूची मे डाले जाने से बचने के लिए इस्लामाबाद आतंकी वित्तपोषण रोकने की दिशा मे काम करे। संसदीय मामलों पर प्रधानमंत्री इमरान खान के सलाहकार बाबर अवान द्वारा सोमवार को नेशनल असेंबली में सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2020 पेश किया गया।

जापान के योशिहिदे सुगा को सत्तारूढ़ पार्टी का नया नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने उन्हें बधाई दी। सुगा (दाएं) जापान के नए प्रधानमंत्री होंगे

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने मृत सिख पुलिस कर्मी को सम्मान देने के लिए विधेयक पारित किया

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ह्यूस्टन में एक डाक घर का नाम भारतीय मूल के अमेरिकी पुलिस अधिकारी संदीप सिंह धालीवाल के नाम पर रखने वाले एक विधेयक को पारित कर दिया है।

एक साल पहले ड्यूटी के दौरान धालीवाल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। विधेयक डिप्टी संदीप सिंह धालीवाल पोस्ट ऑफिस अधिनियम को टेक्सास के पूरे प्रतिनिधिमंडल ने सह प्रायोजित किया है। कांग्रेस की सदस्य लिजी फ्लेचर ने कहा कि उप शैरिफ धालीवाल ने बेहतरीन तरीके से हमारे समुदाय का प्रतिनिधत्व किया है। उन्होंने अपनी सेवा के दौरान समरनता के लिए काम किया। धालीवाल (42) टेक्सास पुलिस में सिख धर्म का अनुसरण करने वाले पहले शख्स थे। ड्यूटी के दौरान 27 सितंबर 2019 को उनकी हत्या कर दी गई थी। अगर यह विधेयक कानून बनता है तो भारतीय अमेरिकी के नाम पर यह दूसरा डाक घर होगा। कांग्रेस के सदस्य दलीप सिंह सौंद पहले भारतीय अमेरिकी शख्स थे जिनके नाम पर दक्षिणी कैलिफोर्निया में 2006 में डाक घर का नाम रखा गया था।

इस विधेयक को सीनेट को पारित करना है, जिसके बाद यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास हस्ताक्षर के लिए जाएगा।

धालीवाल की पत्नी हरविंदर कौर ने कदम का स्वागत करते हुए कहा कि डाक घर का नाम उनके नाम पर रखना उनके काम और समर्पण को सम्मान दोना होगा। उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि यह विधेयक आज सदन ने पारित कर दिया।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के विवादित ब्रेक्जिट विधेयक ने संसद में पहली बाधा पार की

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के विवादित आंतरिक बाजार विधेयक ने संसद में पहली बाधा पार कर ली है। इस विधेयक के जरिए ब्रेक्जिट को लेकर ब्रिटेन और यूरोपीय यूनियन के बीच हुए समझौते की कुछ शर्तों में बदलाव किया गया है। हाउस ऑफ कॉमन्स में हुए मतदान के दौरान विधेयक के पक्ष में 340 जबकि विरोध में 263 वोट पड़े।विपक्षी दलों और जॉनसन की कन्जरवेटिव पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की कड़ी आचोलना का सामना करने वाला यह विधेयक जैसे-जैसे संसदीय प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ेगा, इसका विरोध तेज होने की भी प्रबल संभावना है।सरकार का कहना है कि अगर यूपोपीय संघ के साथ भविष्य के व्यापार सौदों को लेकर चल रही वार्ता विफल हो जाती है तो यह विधेयक उत्तरी आयरलैंड और शेष ब्रिटेन के हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण साबित होगा।हालांकि आलोचकों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन होने से इससे ब्रिटेन का नुकसान होने की संभावना है। सत्तारूढ़ टोरी पार्टी के दो सांसदों सर रोजर गेल और एंड्रयू पर्सी ने सोमवार रात हुए मतदान में विधेयक के खिलाफ वोट दिया जबकि 30 सदस्य अनुपस्थित रहे।

पाक की संसद ने जाधव संबंधी विधेयक की अवधि चार महीने बढ़ाई

गत 16 जुलाई को, पाकिस्तान ने जाधव को राजनयिक पहुंच प्रदान की थी लेकिन भारत सरकार ने कहा कि उक्त पहुंच न तो सार्थक है और न ही विश्वसनीय और वह (जाधव) तनाव में दिखाई दिए

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान की संसद ने उस अध्यादेश की अवधि चार महीने बढ़ा दी है जो भारतीय कैदी कुलभूषण जाधव को अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ किसी उच्च न्यायालय में एक अपील दायर करने की इजाजत देती है।

डॉन न्यूज की खबर के अनुसार गत मई में जारी अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (समीक्षा एवं पुनर्विचार) अध्यादेश की अवधि 17 सितम्बर को समाप्त होने वाली थी लेकिन कौमी असेंबली ने सोमवार को ध्वनिमत से इसकी अवधि चार महीने बढ़ा दी।

यह अध्यादेश अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के उस फैसले को लागू करने के लिए जारी किया गया था जिसमें पाकिस्तान से कहा गया था कि वह जाधव को एक सैन्य अदालत द्वारा सुनाई गई सजा की एक प्रभावी समीक्षा मुहैया कराए।भारतीय नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी जाधव (50) को एक पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने जासूसी और आतंकवाद के आरोपों में अप्रैल 2017 में मौत की सजा सुनाई थी। पाकिस्तान सरकार ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय से अदालत में जाधव का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक वकील नियुक्त करने का अनुरोध किया है। अदालत ने गत तीन सितम्बर को मामले की सुनवाई दूसरी बार की और संघीय सरकार को निर्देश दिया कि वह भारत को जाधव का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक वकील नियुक्त करने का एक और मौका दे।

पाकिस्तान ने गत सप्ताह कहा था कि उसने अदालत में जाधव का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकील नियुक्त करने को लेकर न्यायिक आदेशों से भारत को अवगत करा दिया है लेकिन नई दिल्ली ने कोई जवाब नहीं दिया है।गत 16 जुलाई को, पाकिस्तान ने जाधव को राजनयिक पहुंच प्रदान की थी लेकिन भारत सरकार ने कहा कि उक्त पहुंच न तो सार्थक है और न ही विश्वसनीय और वह (जाधव) तनाव में दिखाई दिए।भारत ने कहा कि पाकिस्तान न केवल आईसीजे के फैसले का उल्लंघन कर रहा है, बल्कि अपने अध्यादेश का भी।भारत ने जाधव को राजनयिक पहुंच से इनकार करने और मौत की सजा को चुनौती देने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ आईसीजे से संपर्क किया था।हेग स्थित आईसीजे ने पिछले साल जुलाई में फैसला सुनाया था कि पाकिस्तान को जाधव की दोषसिद्धि और सजा की प्रभावी समीक्षा और पुनर्विचार करना चाहिए और साथ ही बिना किसी और देरी के भारत को राजनयिक पहुंच प्रदान करनी चाहिए।पाकिस्तान का दावा है कि उसके सुरक्षा बलों ने जाधव को तीन मार्च, 2016 को ईरान से कथित तौर पर घुसने के बाद बलूचिस्तान प्रांत से गिरफ्तार किया था। भारत का कहना है कि जाधव को ईरान से अगवा किया गया था जहां नौसेना से सेवानिवृत्त होने के बाद उनके व्यापारिक हित थे।

पाकिस्तान में पांच महीनों बाद स्कूल-कॉलेज फिर से खोले गए

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में संक्रमण के मामलों में गिरावट को देखते हुए लगभग पांच महीनों के अंतराल के बाद मंगलवार को चरणबद्ध तरीके से स्कूल-कॉलेज फिर से खुलने शुरू हो गए। अधिकारियों ने कहा कि हाई स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय 15 सितंबर को फिर से खुल गए, जबकि कक्षा छह से आठवीं तक की कक्षाएं 23 सितंबर से शुरू होगी और प्राथमिक विद्यालय 30 सितंबर से शुरू होंगे।स्वास्थ्य संबंधित दिशानिर्देशों के अनुसार, एक कक्षा में 20 या उससे कम छात्रों को बैठाया जा सकता है। छात्रों को समूहों में विभाजित किया गया है और वे एक दिन छोड़कर स्कूल आएंगे।शिक्षकों और छात्रों के लिए मास्क लगाना अनिवार्य है। संस्थान प्रवेश द्वारों पर हाथ धोने की सुविधा और सेनेटाइजर की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे। कोरोना वायरस महामारी के बाद 16 मार्च को पाकिस्तान में सभी शैक्षणिक संस्थानों को बंद कर दिया गया था। इसके अलावा सभी वार्षिक परीक्षाओं को भी रद्द कर दिया गया था।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पाकिस्तान में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 404 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़ कर सोमवार को 3,02,424 हो गई है। देश में छह लोगों की संक्रमण से मौत हो गई है जिससे मृतक संख्या 6,389 हो गई। वहीं 563 मरीजों की हालत गंभीर हैं। आंकडों के अनुसार 2,90,261 लोग पूरी तरह से ठीक हो गए हैं।

‘आज मैं जैसी भी अभिनेत्री हूं ‘बालिका वधू’ शो के कारण हूं’

कलर्स चैनल की पहचान बन चुका शो ‘बालिका वधू’ अभिनेत्री अविका गॉर का पदार्पण शो था। इस सीरीज़ ने भारतीय टेलीविज़न के इतिहास के कई मिथक ध्वस्त किये थे। शो की कहानी का विषय गंभीर था लेकिन इसे अत्यधिक संवेदनशील ढंग से प्रस्तुत किया गया था। कलर्स पर एक बार पुनः इस शो को चलाया जा रहा है तो ऐसे में इसके बारे में कई बातें हमसे साझा कीं। इस हिट शो में आनंदी का चरित्र निभाने वाली अविका का कहना है इस शो से उनका पूरा जीवन ही बदल गया। उन्होंने कहा, ‘इस शो ने मेरे जीवन को पूर्ण रूप से परिवर्तित कर दिया और साथ ही इस शो से मुझे कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को भी मिलीं। इस शो से ही मैंने अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया था और उस समय मेरी आयु केवल 9 वर्ष थी। मैं उस समय काम करने आदि के बारे नहीं सोचती थी। मेरे लिए बालिका वधू में अभिनय करना केवल एक शौक था और मेरी लगन भी। सौभाग्य से मुझे ये बातें एक बड़े स्केल पर करने को मिल गई थीं। मुझे हर दिन तैयार होना अच्छा लगता था। लोगों से खूब स्नेह मिलता था और टीवी पर स्वयं को देखने को भी मिलता था। इसके अलावा इस शो में मंझे हुए अभिनेताओं की एक पूरी टीम काम कर रही थी जिनमें थियेटर की दुनिया के कुछ प्रमुख नाम थे। मेरे लिए तो, मैं आज सोचती हूं, ये शो एक फिल्म स्कूल जैसा था जहां मैं अभिनय की दुनिया की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर रही थी। मैं उस समय शो में सबसे प्रसन्न व्यक्ति हुआ करती थी और मुझे अपने के हर क्षण से पूरा आनंद मिलता था। आज मैं जैसी भी अभिनेत्री हूं उस शो के कारण ही हूं। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि शो का कलर्स चैनल पर पुनःप्रसारण हो रहा है और दर्शक अपनी आनंदी, जग्या तथा अन्य प्रिय कलाकारों के साथ एक बार पुनः पुरानी स्मृतियों की दुनिया में खो जाएंगे।

अमोल पालेकर की अतीत की स्मृतियां

ज़ीटीवी के लोकप्रिय गायन शो ‘सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स’ शो सभी को अत्यंत प्रिय है क्योंकि इसमें सभी प्रतिभागियों ने अद्भुत परफॉर्मेंस दी है। टीचर्स डे के साप्ताहिक समारोह के बाद इस सप्ताह ये शो अभिनय की दुनिया के एक प्रमुख नाम अमोल पालेकर के जीवन आधारित होगा। अमोल ने अपनी पुरानी यादों से दर्शकों को सराबोर किया तो ये एपिसोड ही एक स्मृतिका बन गया।

लिटिल चैंप्स रनिता बनर्जी और आर्यनंद बाबू ने ‘जाने मन जाने मन तेरे दो नयन’ गाने पर अद्भुत प्रस्तुति दी। ये गाना अमोल की एक लोकप्रिय फिल्म ‘छोटी सी बात’ का था जिसमें उन्होंने विद्या सिन्हां, धमेन्द्र तथा हेमामालिनी के साथ काम किया था। युवा गायकों ने अपनी प्रस्तुति से इतना प्रभावित किया कि अमोल उनकी प्रशंसा किये बिना न रह सके।

लिटिल चैंप्स रनिता बनर्जी और आर्यनंद बाबू ने ‘जाने मन जाने मन तेरे दो नयन’ गाने पर अद्भुत प्रस्तुति दी। ये गाना अमोल की एक लोकप्रिय फिल्म ‘छोटी सी बात’ का था जिसमें उन्होंने विद्या सिन्हा, धमेन्द्र तथा हेमामालिनी के साथ काम किया था। युवा गायकों ने अपनी प्रस्तुति से इतना प्रभावित किया कि अमोल उनकी प्रशंसा किये बिना न रह सके।

अपनी पहली बॉलिवुड फिल्म के बारे में एक चकित कर देने वाले तथ्य से दर्शकों को परिचित कराते हुए अमोल ने कहा, ‘ये गाना धर्मेन्द्र और हेमा मालिनी जी की स्टार जोड़ी से प्रारंभ होता है और इसे मैं और विद्या दरअसल फिल्म में देख रहे होते हैं तथा मैं अपनी कल्पना में धमेन्द्र तथा विद्या को हेमा समझकर इसे गा रहा होता हूं। हम इसे एक सामान्य व्यक्ति के अनुभवों के अनुसार शूट करना चाहते थे जिसमें हम लाइन में प्रतीक्षा करने तथा ऑफिस जाने के लिए लिट लेने जैसी बातें दिखाना चाहते थे। उस समय एक्सप्रेस टॉवर का निर्माण प्रारंभ ही हुआ था और हमनें इसकी लॉबी और लिट में इसे फिल्माया था। आपको विश्वास नहीं होगा कि मैं बैंक में काम करता था और इस फिल्म की शूटिंग के लिए मैंने कार्यालय से अवकाश लिया था। यही कारण है कि मेरे सहयोगी तथा मित्र फाउंटेन एरिया के सभी लोग मेरे चिरपरिचित चेहरे हुआ करते थे। उन्हें ये सीन बहुत अच्छा लग रहा था क्योंकि वे मुझे जानते थे कि ये लड़का तो हमारे साथ काम करता है और आज फिल्म में शूटिंग कर रहा है। मुझे भी ये अनुभव बहुत भा रहा था कि ये सपनों की दुनिया वाला सिनेमा है और मैं भी उसका हिस्सा बन गया हूं। लेकिन उसमें भी मुझे सामान्य रूप से काम करते दिखाया गया है। इसका निर्देशन बासु चटर्जी ने किया था।

उन्होंने आगे बताया, ‘मुझे याद है कि छोटी सी बात मेरे लिए ही पहली हिंदी फिल्म नहीं थी बल्कि फिल्म का ये गाना ‘जाने मन जाने मन...’ गायक यशुदास के लिए उनका पहला हिंदी गाना भी था। ये हमारा पहला प्रयास था और गाना हिट हो गया और इसके बाद तो मेरा चेहरा और उनकी आवाज़ एक ऐसा संयोजन बन गया कि आने वाली कई फिल्मों में उन्होंने ही मुझपर फिल्माए गए गानों को स्वर दिये। इसके बाद आने वाली फिल्म चितचोर के गाने भी उतने ही सुरीले और लोकप्रिय रहे।’

बॉलिवुड के युगप्रवर्तक अभिनेता अमोल पालेकर के शो में आने से दर्शकों को भी आनंद आने वाला है क्योंकि नन्हें प्रतिभागी भी शो में उनकी ही फिल्मों के लोकप्रिय गाने गाएंगे। एक ओर साई और तनिष्का गाने ‘न बोले तुम न मैंने कुछ कहा, पर परफॉर्म करेंगे तो दूसरी ओर सक्षम और अनन्या को गोलमाल है भई सब गोलमाल है, पर परफॉर्म करने को मिलेगा और आशा है कि उनकी परफॉर्मेंस सभी को अच्छी लगने वाली है।

कुल मिलाकर सा रे गा मा पा लिटिल चैंप्स, का आने वाला एपिसोड कई सुरीले गानों और अमोल जी की स्मृतियों को लेकर दर्शकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय होने वाला है।

तुर्कीस्तान से निकाले जाने के बाद अलादीन और यास्मीन रास्ते में एक पीर बाबा से मिलते हैं। अंगूठी की जिनी बाबा का रूप बदल कर बैठी थी और वो दोनों को बगदाद की ओर रवाना कर देती है ताकि दो पुराने मित्र अलादीन और जिनू का मिलन हो सके।

अलादीन का अपनी अम्मी से मिलन

अलादीन बने कलाकार सिद्धार्थ निगम और यास्मीन बनी अभिनेत्री अशि सिंह अपनी जड़ों की ओर लौटते हैं जो उनकी राजधानी बगदाद में है। सोनी सब का एक कल्पना आधारित शो अलादीनः नाम तो सुना होगा, इस बार दर्शकों को चकित कर देने वाला है। इसकी कहानी में एलसमाइन का पुनर्जन्म होता है। अलादीन का भी शहजादा अलादीन के रूप में पुनर्जन्म होता है और यास्मीन भी रक्षक काली चोरनी के रूप में जन्म लेती है। इस प्रकार ये शो इन दो प्यारे लोगों की कहानी को आगे बढ़ाता है। दर्शकों को भी ये शो रास आ रहा है। तुर्कीस्तान से निकाले जाने के बाद अलादीन और यास्मीन रास्ते में एक पीर बाबा से मिलते हैं। अंगूठी की जिनी बाबा का रूप बदल कर बैठी थी और वो दोनों को बगदाद की ओर रवाना कर देती है ताकि दो पुराने मित्र अलादीन और जिनू का मिलन हो सके। अलादीन और यास्मीन रास्ते की बाधाओं को पार करते हुए आगे बढ़ते जा रहे हैं वे एक गुफा के रास्ते से आगे बढ़ते हैं और वे एक जादुई चिराग से मिल जाते हैं। अलादीन जैसे ही उस चिराग को रगड़ता है जिनू उनके सामने प्रकट हो जाता है।

इस बार दर्शकों को पूरी तरह से नया रूप लिये जिन देखने का मिलेगा। उसका अंदाज़ भी नया है। और अब अलादीन और जिनू की दोस्ती परवान चढ़ने वाली है। जिनू अपनी जादुई चटाई पर अलादीन और यास्मीन को बगदाद ले जाता है। जैसे ही वे बगदाद पहुंचते हैं वे एक महिला को देखते रह जाते हैं जो उनकी अम्मी जैसी दिखती है। लेकिन वो महिला कोई और निकलती है। यास्मीन के पास लौटते ही अलादीन अम्मी से टकरा जाता है और वे पहली बार एक दूसरे मिल जाते हैं।

अलादीन और अम्मी के बीच की पहली मुलाकात में क्या होगा ?

सिद्धार्थ निगम इसमें शहजादा अलादीन बने हैं उन्होंने बताया, ‘अलादीन और यास्मीन की यात्रा अभी प्रारंभ हुई है वे अपनी नियति से अनजान हैं लेकिन वही उन्हें उनके उद्देश्य की ओर लेकर जा रही है। आने वाली घटनाएं ही उन्हें अर्थात अलादीन और यास्मीन को बगदाद की ओर ले जाएंगी। इसी दौरान उनके पुराने मित्र चिराग के जिन जिनू से भी उनका मिलन होगा। जिनू और अलादीन के बीच की पुरानी समझ दर्शकों का बहुत मनोरंजन करने वाली है। अलादीन अम्मी से भी मिलेगा और दर्शकों के लिए उनका मिलना भी रोचक होने वाला है। अतः आप सभी देखते रहिये हमारा शो ‘अलादीनः नाम तो सुना होगा।’

ग्रीनलैंड के बर्फ के पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूटा

कोपेनहेगन। ग्रीनलैंड में स्थित बर्फ के पहाड़ का एक बड़ा हिस्सा उत्तरी-पूर्वी आर्कटिक में टूट गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह तेजी से हो रहे जलवायु परिवर्तन का साक्ष्य है। नेशनल जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ डेनमार्क एंड ग्रीनलैंड ने सोमवार को बताया कि हिमनद का जो हिस्सा टूटा है वह 110 वर्ग किलोमीटर बड़ा है। यह एक बड़े पहाड़ से टूटा है जो करीब 80 किलोमीटर लंबा और 20 किलोमीटर चौड़ा है। हिमनद उत्तरी-पूर्वी ग्रीनलैंड आइस स्ट्रीम के अंत में है, जहां से वह जमीन से समुद्र में प्रवेश करेगा।

जीईयूएस नामक सर्वेक्षण के अनुसार, उत्तरी-पूर्वी ग्रीनलैंड में स्थित आर्कटिक के सबसे बड़े बर्फ के पहाड़ के पिघलने की वार्षिक दर पर ऑप्टिकल सेटेलाइट इमेजरी (उपग्रह से ली जाने वाली तस्वीरें) की मदद से नजर रखी जाता है। 1999 से अभी तक इस पहाड़ से 160 वर्ग किलोमीटर का हिमनद टूट चुका है जो न्यूयॉर्क में मैनहाटन के क्षेत्रफल से दोगुना है। जीईयूएस के प्रोफेसर जेसन बॉक्स का कहना है कि आर्कटिक के सबसे बड़े बर्फ के पहाड़ के यूं लगातार पिघलने से हम सभी को चिंतित होना चाहिए।

एलेक्सा पर शीघ्र सुनाई दे सकती है अमिताभ बच्चन की आवाज

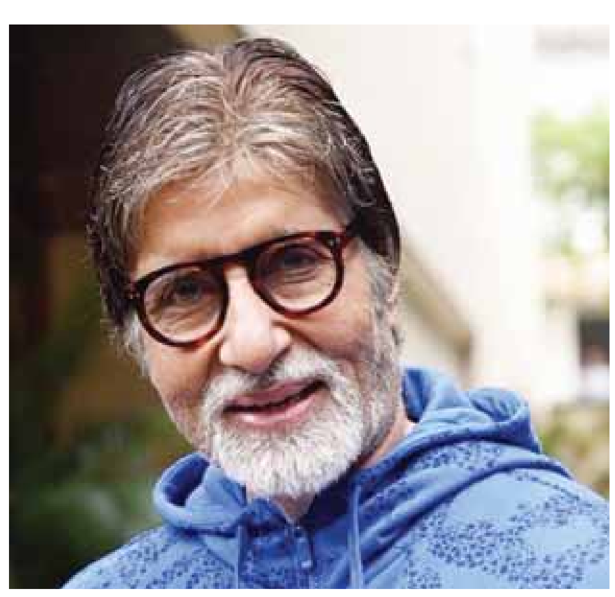

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने अमेजन के साथ उसके एलेक्सा उपकरण के लिए आवाज देने का करार किया है। एलेक्सा, अमेजन की आर्टिफिशियल प्रौद्योगिकी आधारित मौखिक आदेश लेकर काम करने वाली सेवा है। अमेजन ने अपने ब्लॉग पोस्ट में लिखा है कि कंपनी और बच्चन ने अनोखा सेलिब्रिटी वॉयस अनुभव प्रदान करने के लिए साझेदारी की है। कंपनी ने कहा, भारत में लोग एलेक्सा पर अमिताभ बच्चन की आवाज सुन सकेंगे। इसके लिए उन्हें उनकी आवाज वाला एलेक्सा उपकरण संस्करण खरीदना होगा। एलेक्सा पर यह फीचर अगले साल तक उपलब्ध होगा। अमेजन एलेक्सा की टीम बच्चन के साथ मिलकर करीब से काम करेगी और उनकी जानी-पहचानी आवाज को एलेक्सा ग्राहकों की जरूरत के अनुरूप ढालेगी। उनकी आवाज में ग्राहक चुटकुले, शायरी, मौसम की जानकारी, सूक्तियां और परामर्श इत्यादि का लुत्फ ले सकेंगे। बच्चन ने कहा, प्रौद्योगिकी ने हमेशा मुझे किसी नए तरीके को अपनाने का मौका दिया है। फिर यह फिल्में हो, टीवी शो या पॉडकास्ट (रेडियो) और अब मैं अमेजन एवं एलेक्सा के साथ साझेदारी कर आवाज के इस अनुभव को तैयार करने लिए रोमांचित हूं।

गौरव चोपड़ा की पत्नी हितिशा चेरांदा ने दिया बेटे को जन्म

मुंबई। अभिनेता गौरव चोपड़ा और उनके पत्नी हितिशा चेरांदा सोमवार को बेटे के माता-पिता बन गए।

चोपड़ा ने सोमवार रात को इंस्टाग्राम पर यह खुशखबरी साझा की और अपने घर के दरवाजे पर लगी एक तख्ती की तस्वीर पोस्ट की जिसपर लिखा खा, इट्स अ ब्वॉय।

पिछले महीने केवल 10 दिनों के भीतर 41 वर्षीय चोपड़ा ने अपने माता-पिता को खो दिया था। उन्होंने कहा कि एसे समय में बच्चे का आना एक दैवीय हस्तक्षेप की तरह है।

उन्होंने लिखा, 19-08-2020, 29-08-2020 और 14-09-2020. इन तीन तारीखों ने बहुत कम समय में जीवन का असल अर्थ समझा दिया है। उतार-चढ़ाव भरा सफर.... कभी ना खत्म होने वाला एक चक्र....जीवन की भावनात्मक और भौतिक परीक्षा.. और फिर आज यह दैवीय हस्तक्षेप और आशीर्वाद प्राप्त हुआ। चोपड़ा ने अपने प्रशंसकों को लगातार प्यार और समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। गौरव चोपड़ा टीवी धारावाहिक उतरन और रियलिटी शो बिग बॉस सीजन 10 से मशहूर हुए थे। 2018 में उन्होंने हितिशा से शादी की थी।

कॉमेडी स्टार दीपू श्रीवास्तव का धमाल

दीपू श्रीवास्तव एक मशहूर कॉमेडी स्टार हैं। एक सच्चा प्रतियोगी, जैसा कि ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज में देखा गया है। दीपू जाने-माने कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव के छोटे भाई हैं। दीपू सिर्फ एक स्टैंड.अप कॉमेडियन नहीं हैं, बल्कि टेलीविजन और फिल्म कलाकार भी हैं। राजू श्रीवास्तव, जज अक्षय कुमार और ज़ाकिर खान के साथ स्टार प्लस पर लाफ्टर चैलेंज के साथ उन्होंने धमाल नं। 1ए फन्जाबी चक दे, एक पे एक, राजू हज़िर हो, लाफ्टर एक्सप्रेस, कॉमेडी सर्कस में भी काम किया है। और कई अन्य कॉमेडी शो। दीपू श्रीवास्तव कॉमेडी फिल्म मेरी पड़ोसन और स्टुपिड्स, बंगाली दादा की भूमिका के साथ में भी काम किया हैं। हैलो डार्लिंग जिसमें वह जावेद जाफरी, ईशा कोप्पिकर, गुल पनाग और सुनील पाल के साथ वह नजर आ रहे हैं। फिल्म मुक्ता आर्ट्स द्वारा निर्मित है।

हाल ही में सुनील पाल की आउट एंड

कॉमेडी फिल्म भावनाओं को समझो, जिसने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था में लिया गया था। इस फिल्म में हिंदी फिल्म उद्योग के जाने-माने 51 स्टैंडअप कॉमेडियन हैं। दीपू इस साल रिलीज होने वाली नई कॉमेडी फ्लिक मनी बैक गारंटी में एक प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं और निर्देशक कुशल श्रीवास्तव की फिल्म वोदका डायरीज और उनकी अपकमिंग फिल्म दो पल प्यार के के निर्देशक पार्थो घोष हैं।

दीपू जाने-माने कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव के छोटे भाई हैं। वह सिर्फ एक स्टैंडअप कॉमेडियन नहीं, बल्कि टेलीविजन और फिल्म कलाकार भी हैं

दीपू का एक ऐसे परिवार में जन्म हुआ जहाँ कॉमेडी को बहुत गंभीरता से लिया गया था। अपने भाई के नक्शेकदम पर चलने के बाद दीपू ने कॉमेडी में अपनी एक अलग पहचान बनाई। वास्तव में दीपू राजू श्रीवास्तव को अपना सबसे बड़ा शिक्षक, प्रेरणा और गुरु मानते हैं। दीपू कानपुर के रहने वाले हैं। स्टेज शो करके कानपुर में अपने करियर की शुरुआत की।

बाद में वह 1998 में मुंबई आए और अपने भाई के आशीर्वाद से कॉमेडी में अपने शानदार कैरियर के साथ आगे बढ़ गए। दीपू की कॉमेडी की शैली मुख्य रूप से वर्तमान मामलों परिदृश्यों और स्थितियों पर आधारित है जो भारत और विदेशों दोनों में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने दुबई, मस्कट, सिंगापुर, हांगकांग, बैंकाक, चीन, फिजी, नेपाल और मॉरीशस जैसे प्रतिष्ठित स्थानों में 2300 से अधिक शो में लगातार प्रदर्शन किया है।